www.hindmatamirror.com • वर्ष: 13 • अंक: 38 • ठाणे, शनिवार 3 अक्टूबर, 2026 • पेज: 8 • मूल्य: 2 रुपए hindmatamirror1@gmail.com

RNI. NO. MAHHIN/2011/43060

दैनिक ठाणे

हिंदमाता मिरर

पैनी नजर, पुख्ता खबर



पेज 8

लवलीना ने बॉक्सिंग में जीता गोल्ड

मुक्केबाज परवीन हुड्डा ने भारत को दिलाया 13वां गोल्ड



पेज 8

@HINDMATAOFFICIAL

सुप्रभात

जो दूसरे आदमी के दुख में दया दिखाता है वह स्वयं दुख से छूट जाएगा; और जो दूसरे के दुख पर हर्ष मनाता है वह कभी न कभी स्वयं उसमें जा पड़ेगा।

- वाल्टर रेले

मौसम का मिजाज

सूर्यास्त (3 अक्टूबर) 6:25 बजे, सूर्योदय (4 अक्टूबर) 6:30 बजे, तापमानः 37 डिग्री से. (कुछ समय के लिए धूप।)

शॉर्ट स्टोरी

समृद्धि पर हादसा, 5 की मौत, 21 घायल

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

अमरावती जिले में समृद्धि एक्सप्रेसवे पर शुक्रवार को भीषण सड़क हादसा हो गया। धामनगांव रेलवे के पास चैनल नंबर 97 पर ट्रक और बोलेरो पिकअप की आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई। हादसा इतना गंभीर था कि बोलेरो पिकअप में सवार 5 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 21 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। बोलेरो पिकअप में सवार लोग शेगांव से दुर्गा देवी की मूर्ति लेकर वर्धा की ओर जा रहे थे। इसी दौरान धामनगांव रेलवे के पास समृद्धि एक्सप्रेसवे पर उनकी गाड़ी ट्रक से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बोलेरो पिकअप बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। दुर्घटना के बाद एक्सप्रेसवे पर कुछ समय अफरा-तफरी का माहौल रहा।

अभिनेता डिनो मोरिया से छह घंटे पूछताछ

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने मीठी नदी से गाद निकाले जाने से जुड़े 65 करोड़ रुपए के कथित घोटाले के सिलसिले में शुक्रवार को बॉलीवुड अभिनेता डिनो मोरिया से छह घंटे तक पूछताछ की। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। ईओडब्ल्यू के एक अधिकारी के अनुसार पूछताछ के बाद अभिनेता को जाने दिया गया और आवश्यक होने पर उन्हें दोबारा बुलाया जा सकता है। यह जांच बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) द्वारा मीठी नदी की सफाई और गाद निकालने के लिए दिए गए ठेके में कथित वित्तीय अनियमितताओं से संबंधित है। फिलहाल इस मामले में जांच का सिलसिला लंबा चलने के आसार हैं।

किसानों का 100% कर्ज माफ करने की मांग

हिंदमाता नेटवर्क @ पुणे

महाराष्ट्र के कई हिस्सों में सूखे की स्थिति गंभीर होने के बीच एनसीपी (शरदचंद्र पवार) के अध्यक्ष शरद पवार ने शुक्रवार को पुणे जिले के प्रभावित इलाकों का दौरा शुरू किया। इस दौरान उन्होंने फसलों को हुए नुकसान का जायजा लिया और किसानों से सीधे बातचीत कर उनकी समस्याएं जानीं। शरद पवार ने सूखे से ज्यादा प्रभावित बारामती, पुरंदर और दौंड तालुका के खेतों का दौरा कर जमीनी हालात का जायजा लिया। पुरंदर तालुका के परिंचे गांव में स्थानीय लोगों से बातचीत के दौरान पवार ने राज्य सरकार से किसानों का 100 प्रतिशत कृषि कर्ज तुरंत माफ करने और राहत के अन्य जरूरी कदम उठाने की मांग की।

आराधना मिश्रा बनीं यूपी कांग्रेस की नई अध्यक्ष

हिंदमाता नेटवर्क @ लखनऊ

उत्तर प्रदेश कांग्रेस में बड़ा संगठनात्मक बदलाव हुआ है। आराधना मिश्रा मोना को यूपी कांग्रेस कमेटी का नया अध्यक्ष बनाया गया है। वहीं सहारनपुर से सांसद इमरान मसूद को कार्यकारी अध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई है। देवेंद्र निषाद और आलोक प्रसाद को वरिष्ठ उपाध्यक्ष नियुक्त किया है। आराधना मिश्रा प्रतापगढ़ की रामपुर खास विधानसभा सीट से कांग्रेस विधायक हैं और कांग्रेस विधायक दल की नेता भी रह चुकी हैं। वह वरिष्ठ कांग्रेस नेता प्रमोद तिवारी की बेटी हैं। इमरान मसूद सहारनपुर से लोकसभा सांसद हैं। वह पहले यूपी उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी भी संभाल चुके हैं।

सीईसी ज्ञानेश कुमार के खिलाफ दिल्ली से लेकर मुंबई तक विरोध प्रदर्शन

गद्दार ज्ञानू मस्ट गो!

- सीईसी के इस्तीफे की मांग को लेकर शिवाजी पार्क में जुटे हजारों प्रदर्शनकारी
- नसीरुद्दीन, विशाल भारद्वाज, शबाना आजमी और विशाल ददलानी हुए शामिल
- सीएम फडणवीस को अभिजीत दीपके ने दी खुली चुनौती- हिम्मत है तो हमें जेल में डालिए
- दिल्ली में जंतर-मंतर छावनी में तब्दील, इंटरनेट और 12 मेट्रो स्टेशन बंद

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

मुंबई के शिवाजी पार्क में शुक्रवार दोपहर कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रदर्शन में हजारों लोग जुटे। शिवाजी पार्क में शुक्रवार को मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार को निशाना बनाते हुए व्यंग्यात्मक मीम और फिल्मों के संवाद वाली तख्तियां लेकर कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन में बड़ी संख्या में युवा प्रदर्शनकारी पहुंचे। शिवाजी पार्क में पुलिस द्वारा बड़ी संख्या में लगाए गए बैरिकेड और तेज गर्मी भी प्रदर्शनकारियों के उत्साह को कम नहीं कर सकी। मंच पर फिल्म अभिनेता नसीरुद्दीन शाह, अभिनेत्री शबाना आजमी और संगीतकार विशाल भारद्वाज समेत कई दिग्गज हस्तियों ने प्रदर्शन में शामिल होकर अपना समर्थन दिया। भारी भीड़ को देखते हुए शिवाजी पार्क में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। इस आंदोलन में मशहूर फिल्म निर्देशक, लेखक, संगीतकार और निर्माता-निर्देशक विशाल भारद्वाज भी शामिल हुए। उन्होंने आंदोलन में पहुंचकर प्रदर्शनकारियों के प्रति अपना समर्थन जताया। हालांकि भारद्वाज ने मंच से कोई संबोधन नहीं किया। इस दौरान नसीरुद्दीन ने अभिजीत दीपके की जमकर तारीफ की। उन्होंने न सिर्फ तारीफ की बल्कि दीपके के आंदोलन का समर्थन भी किया। इस प्रदर्शन में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के प्रवक्ता अनीश गावंडे भी शामिल हुए। वहीं शिवसेना यूबीटी के सांसद अरविंद सावंत, विधायक महेश सावंत भी पहुंचे।



अभिजीत दीपके ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को दी चुनौती

कॉकरोच जनता पार्टी के नेता अभिजीत दीपके ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को सीईसी के इस्तीफे की मांग को लेकर शिवाजी पार्क में जुटे प्रदर्शनकारियों को जेल भेजने की चुनौती दी। सीजेपी नेता अभिजीत दीपके ने शिवाजी पार्क में जुटे युवाओं और कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए महाराष्ट्र के देवेंद्र फडणवीस की तीन दिन जेल काटने वाली चेतावनी पर सीधा पलटवार किया। दीपके ने मुख्यमंत्री को खुली चुनौती देते हुए कहा अगर सरकार और पुलिस प्रशासन समझता है कि जेल जाने के डर से युवा अपनी मांगें छोड़ देंगे, तो यह उनकी भूल है। हम लोकतांत्रिक तरीके से अपनी बात रख रहे हैं। हिम्मत है तो हमें गिरफ्तार करके जेल में डालकर दिखाए सरकार।

एसआईआर पर 5 अक्टूबर को सुनवाई करेगा सुप्रीम कोर्ट

कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन के बीच सुप्रीम कोर्ट 5 अक्टूबर को उन याचिकाओं पर सुनवाई करेगा जिनमें स्पेशल इंटेंसिव रिविजन (एसआईआर) के सिलसिले में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार द्वारा कथित तौर पर एकतरफा लिए गए फैसलों और की गई कार्रवाइयों को चुनौती दी गई है। सीजेआई सूर्य कांत की अध्यक्षता वाली और जस्टिस जॉयमाल्य बागची और जस्टिस वी. मोहना वाली बेंच इस मामले की सुनवाई करेगी। इन याचिकाओं में अन्य राहतों के अलावा, सुप्रीम कोर्ट के रिटायर्ड जज की अध्यक्षता में न्यायिक जांच या एसआईटी के गठन, ईसीआईनेट और ईआरओनेट के फॉरेंसिक ऑडिट, और सीईसी व अन्य अधिकारियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की गई है। एक याचिका में यह भी मांग की गई है कि जब तक मामला लंबित है, तब तक ज्ञानेश कुमार को सीईसी के तौर पर काम करने से रोका जाए।

दिल्ली में जंतर-मंतर छावनी में तब्दील, इंटरनेट और 12 मेट्रो स्टेशन बंद



दिल्ली के जंतर-मंतर पर पुलिस और पैरामिलिट्री फोर्स की सुरक्षा बढ़ा दी गई है और दिल्ली पुलिस की तरफ से नई दिल्ली इलाके में इटर की धारा 163 लगा दी गई है। दिल्ली पुलिस की तरफ से कहा गया है कि पूरे इलाके में किसी भी तरीके के प्रदर्शन को इजाजत नहीं दी गई है। दिल्ली पुलिस और पैरामिलिट्री फोर्स के जवानों की तैनाती की गई है। जंतर-मंतर की ओर जाने वाले रास्तों पर बैरिकेडिंग भी की गई है दिल्ली में आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह, राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी अनुराग ढांडा, पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी, दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज और विधायक संजीव झा समेत कई नेता विरोध में उतरे। पुलिस ने जंतर-मंतर और आसपास सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए थे। वहीं एक हजार से ज्यादा नेता और कार्यकर्ताओं को पुलिस ने हिरासत में लिया। इस दौरान समाजसेवी योगेंद्र यादव, संजय सिंह, सौरभ भारद्वाज, अनुराग ढांडा, आतिशी और संजीव झा भी पुलिस कार्रवाई की जद में आए।

दादर के निवासियों ने सीजेपी प्रोटेस्ट का किया विरोध

दादर के निवासियों ने शिवाजी पार्क में सीजेपी के प्रस्तावित विरोध प्रदर्शन का विरोध किया। उनका कहना था कि इस तरह के प्रदर्शनों से इलाके की शांति भंग होती है। एक स्थानीय निवासी ने कहा कि वे जबरदस्ती ऐसा कर रहे हैं। यह विरोध प्रदर्शन नहीं होना चाहिए। वे शिवाजी पार्क की जनता को तकलीफ दे रहे हैं।

मुंबई में सीजेपी के खिलाफ प्रदर्शन

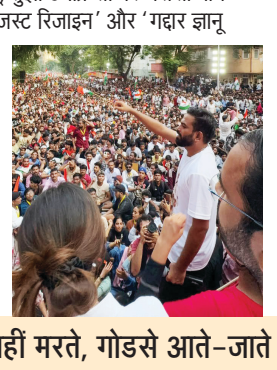
महाराष्ट्र के मुंबई में खुद को 'जेन नेक्स्ट मुंबई' का सदस्य बताने वाले लोगों के एक समूह ने सीजेपी के खिलाफ मंत्रालय के पास प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान समूह के सदस्यों ने पार्टी के विरोध में अपनी नाराजगी जाहिर की। हालांकि प्रदर्शन किस वजह से किया गया और इसमें शामिल लोगों की प्रमुख मांगें क्या थीं, इसकी जानकारी सामने नहीं आई है।

विशाल ददलानी ने लगाए गो ज्ञानू गो जैसे नारे

मशहूर गायक और संगीतकार विशाल ददलानी ने 'गो ज्ञानू गो' जैसे नारे लगाकर प्रदर्शनकारियों का समर्थन किया। उन्होंने कहा, मैं अपने जीवन में पहली बार यहां गांधी जयंती मना रहा हूं। कभी-कभी ऐसा लगता है जैसे रोशनी कम हो रही है, लेकिन ऐसा नहीं है। आपके कारण पूरा आकाश रोशन हो गया है। भारत का भविष्य दिखाई दे रहा है। उन्होंने आगे कहा-मुझे दिल्ली जाकर अभिजीत का समर्थन करने का अवसर नहीं मिला, लेकिन आज यहां आने का अवसर मिला।

'ज्ञानू, तुझा डेमोक्रेसी वर भरोसा नाय का?'

शिवाजी पार्क के निवासियों के विरोध और दादर स्टेशन तक भारी सुरक्षा व्यवस्था के बावजूद प्रदर्शनकारी क्रांतिकारी नारों, गांधी के उद्धरणों और कुमार के तत्काल इस्तीफे की मांग वाले पोस्टर थामे नजर आए। तिरंगे के साथ 'ज्ञानू, तुझा डेमोक्रेसी वर भरोसा नाय का?', 'ज्ञानेश ब्रो, जस्ट रिजाइन' और 'गद्दार ज्ञानू मस्ट गो' जैसे नारे लिखे पोस्टर लिए स्टूडेंट फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसएफआई) समेत विभिन्न संगठनों के कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में युवा इलाके में जुटे।



गांधी कभी नहीं मरते, गोडसे आते-जाते रहेंगे

मुंबई में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दपके ने महात्मा गांधी का जिक्र करते हुए कहा कि गांधी जैसे व्यक्तित्व कभी नहीं मरते। उन्होंने कहा-लोगों ने सोचा था कि गोलियों से गांधी को मार देंगे, लेकिन गांधी कभी नहीं मरते। यहां मौजूद हर व्यक्ति गांधी है। गोडसे आते रहेंगे और जाते रहेंगे।

विपक्ष के फेक नैरेटिव का पर्दाफाश हो चुका है- सीएम फडणवीस

मुंबई के शिवाजी पार्क में सीजेपी के प्रस्तावित विरोध प्रदर्शन को लेकर सीएम फडणवीस ने पलटवार किया। उन्होंने कहा कि फेक नैरेटिव बढ़ाने में कामयाबी नहीं मिलेगी। मीडिया से बातचीत के दौरान सीएम फडणवीस ने कहा कि मैं शुरू में ही यह साफ कर देना चाहता हूं कि सब कुछ पहले ही सामने आ चुका है। तीनों चुनाव आयुक्तों ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी और विपक्ष की तथाकथित झूठी कहानी का पर्दाफाश हो चुका है। इसके बावजूद, इस झूठी कहानी को आगे बढ़ाने की कोशिशें की जा रही हैं लेकिन वे सफल नहीं होंगे।

सीजेपी का प्रदर्शन अराजकता का व्याकरण: मंत्री शेलार

महाराष्ट्र के मंत्री आशीष शेलार ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के खिलाफ सीजेपी के आंदोलन को अराजकता का व्याकरण करार देते हुए शुक्रवार को कहा कि इस प्रक्रिया पर आपत्तियां सड़क पर प्रदर्शन करने के बजाय कानूनी माध्यमों से उठाई जानी चाहिए। शेलार ने कहा कि अगर प्रक्रिया के किसी हिस्से पर आपत्ति है तो उसे संवैधानिक और कानूनी माध्यमों से उठाया जा सकता है। निर्वाचन आयोग के समक्ष अपना पक्ष रखने का अवसर है और न्यायिक उपाय भी उपलब्ध हैं।

सीजेपी के आंदोलन को हो रही विदेशी फंडिंग: परिणय फुके

भाजपा नेता परिणय फुके ने कहा कि सीजेपी कोई राजनीतिक पार्टी नहीं है। एक फाउंडेशन या संगठन है जो छात्रों से जुड़े नीट पेपर लीक के आरोपों के बाद शुरू हुआ था। सीजेपी का यह विरोध उन लोगों का आंदोलन है जो भारत की तरक्की से जलते हैं। फुके ने आगे कहा कि पिछले 12 सालों में देश ने अर्थव्यवस्था और क्रय शक्ति के मामले में चौथा स्थान हासिल किया है। देश में बड़े पैमाने पर विदेशी प्रत्यक्ष निवेश आ रहा है। कुछ विदेशी देश जो भारत और उसकी तरक्की से जलते हैं, वे इस आंदोलन को फंड कर रहे हैं।

प्रदर्शनकारियों ने अनोखे तरीके अपनाए

प्रदर्शनकारियों ने अपनी मांगों को उठाने करने के लिए अनोखे तरीके भी अपनाए। सायन के छात्र मनीष मंडल ने 'मेलोडी' चॉकलेट के रैपर से बने आभूषण पहन रखे थे और 'फ्रॉड डिटर्जेंट पाउडर' लिखा बैनर थाम रखा था। पुणे से आए एआईएसएफ से जुड़े समूहों ने पार्क की बाहरी सीमा के पास वाद्य यंत्र बजाते हुए 'चले जाओ', 'वापस दो' और 'बंद करो' के नारे लगाकर प्रदर्शन में जोश भर दिया। महात्मा गांधी की जयंती के अवसर पर आयोजित इस प्रदर्शन के मंच पर अहिंसा और सादगी से जुड़े उद्धरणों के साथ बाबासाहेब आंबेडकर को श्रद्धांजलि देने वाले संदेश भी प्रदर्शित किए गए।

महाराष्ट्र में बारिश थमी, उमस बढ़ी... पारा 40 डिग्री तक भरेगा उछाल!

'अक्टूबर हीट' का तड़का!

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

मानसून की विदाई शुरू होते ही मुंबई और कोकण में मौसम ने करवट बदलनी शुरू कर दी है। बारिश का जोर थमते ही अब गर्मी और उमस का सितम बढ़ने वाला है। अक्टूबर की शुरुआत में ही मुंबई का पारा 34 से 35 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने का अनुमान है। मौसम विभाग ने मुंबई समेत पूरे कोकण में अगले कुछ दिनों तक गर्म और उमस भरे मौसम को लेकर येलो अलर्ट जारी किया है। मानसून की वापसी की सामान्य तारीख 8 अक्टूबर मानी जाती है, लेकिन इस बार मानसून करीब एक सप्ताह पहले ही विदा होने की संभावना जताई जा रही है। बारिश में कमी आते ही मुंबई में उमस और गर्मी बढ़ने लगी है। सितंबर के अंतिम दिनों में ही इसका असर कई इलाकों में महसूस किया गया।

एल नीनो पर भी नजर

फिलहाल एल नीनो का प्रभाव मध्यम बताया जा रहा है। हालांकि आने वाले समय में इसके प्रभाव में बढ़ोतरी की संभावना जताई गई है। मौसम विभाग ने देश में दक्षिण-पश्चिम मानसून का मौसम समाप्त होने की घोषणा भी कर दी है।



अगले तीन दिन गर्मी-उमस का येलो अलर्ट; छह जिलों में मौसम विभाग की चेतावनी

कोकण में भी बढ़ेगी तपिश

इस साल कोकण में बारिश का वितरण सामान्य नहीं रहा। उत्तर कोकण में बारिश औसत के आसपास रही, जबकि दक्षिण कोकण के रत्नागिरी के कुछ हिस्सों और सिंधुदुर्ग के अधिकांश क्षेत्रों में बारिश कम रही। बारिश में लंबे अंतराल के कारण कई इलाकों में मौसम पहले से ही शुष्क बना हुआ है। अब अक्टूबर की शुरुआत के साथ धूप और गर्मी की तीव्रता और बढ़ने की संभावना है यानी मुंबईकरों को छाता और रेनकोट के बाद अब गर्मी से बचाव की तैयारी करनी पड़ सकती है।

इन छह जिलों में येलो अलर्ट

पालघर, ठाणे, मुंबई, रायगड, रत्नागिरी, सिंधुदुर्ग। इन जिलों में अगले कुछ दिनों तक गर्म और उमस भरे मौसम की चेतावनी दी गई है।

शनिवार: मुंबई समेत कोकण में गर्म-उमस भरा मौसम

रविवार: ठाणे, रायगड और रत्नागिरी

सोमवार: रायगड और रत्नागिरी

सीएम फडणवीस ने एक्सपीरियंस सेंटर उद्घाटन किया

धारावी में दिखेगा नए घरों और रोजगार का भविष्य

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई



मुंबई में गांधी जयंती के अवस र पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने धारावी एक्सपीरियंस सेंटर का उद्घाटन किया। पीएमजीपी कॉलोनी के एच ब्लॉक में बीकेसी के पास बनाए गए इस सेंटर का उद्देश्य धारावी पुनर्विकास परियोजना के प्रस्तावित स्वरूप को लोगों के सामने वास्तविक और डिजिटल माध्यम से प्रस्तुत करना है। सेंटर में प्रस्तावित पुनर्वासित घरों, कामकाज की जगहों, सड़कों, खुले मैदानों और सामाजिक सुविधाओं की झलक दिखाई गई है। करीब 22,500 वर्गफुट में बने सेंटर में लाइफ-साइज हाउसिंग मॉडल, डिजिटल डिस्प्ले और 3डी वॉकथ्रू जैसी सुविधाएं शामिल हैं। सेंटर का निरीक्षण करने के बाद फडणवीस ने कहा कि यह पहल केवल रीडेवलपमेंट प्रोजेक्ट का ब्लूप्रिंट दिखाने तक सीमित नहीं है, बल्कि धारावी के निवासियों को उनके भविष्य के घर, कार्यस्थल और आसपास के इलाके को समझने का अवसर देगी। उनके अनुसार, एक ही जगह पर प्रोजेक्ट की जानकारी उपलब्ध होने से अफवाहों, गलतफहमियों और अधूरी जानकारी को दूर करने में मदद मिलेगी तथा पुनर्विकास को लेकर जानकारी और संवाद का माहौल बनेगा।

धारावी एक महत्वपूर्ण आर्थिक केंद्र

मुख्यमंत्री ने धारावी को एक महत्वपूर्ण आर्थिक केंद्र बताते हुए यहां कुम्हारवाड़ा, चमड़ा कारोबार, फूड प्रोसेसिंग, प्लास्टिक रीसाइक्लिंग और छोटे-मध्यम उद्योगों की मौजूदगी का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि पुनर्विकास योजना में इन गतिविधियों के लिए बेहतर और व्यवस्थित कार्यस्थल उपलब्ध कराने पर भी ध्यान दिया गया है। सेंटर के जरिए घर, रोजगार, सामाजिक सुविधाओं और पुनर्वास से जुड़ी जानकारी उपलब्ध कराने की व्यवस्था भी की गई है।

धारावी का कल गीत लॉन्च

कार्यक्रम में अदाणी ग्रुप के प्रबंध निदेशक प्रणव अदाणी, बीएमसी कमिश्नर अश्विनी भिड़े, एसआरए के सीईओ डॉ. महेंद्र कल्याणकर, धारावी रीडेवलपमेंट प्रोजेक्ट के सीईओ एवं एसआरए सचिव विपिन पालीवाल और अदाणी नवभारत डेवलपर्स के सीईओ अनिल सरदाना समेत कई अधिकारी मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री फडणवीस ने गायक शंकर महादेवन की आवाज में तैयार विशेष गीत 'धारावी का कल' लॉन्च किया।

मेरे सपनों की धारावी किताब जारी

साथ ही देवेंद्र फडणवीस के हाथों 'मेरे सपनों की धारावी' नामक किताब भी जारी की गई। सेंटर को धारावी के वर्तमान स्वरूप से प्रस्तावित भविष्य के बदलाव तक की यात्रा को डिजिटल और ऑडियो-विजुअल तकनीक के माध्यम से समझाने के लिए तैयार किया गया है।

प्रदीप पूर्णेकर हत्याकांड

पुलिस ने शूटर समेत दो आरोपियों को पकड़ा



हिंदमाता नेटवर्क @ ठाणे

पुलिस ने महाराष्ट्र के ठाणे शहर में शिवसेना (उबाठा) नेता प्रदीप पूर्णेकर की हत्या में कथित रूप से शामिल शूटर समेत दो प्रमुख आरोपियों को शुक्रवार को गिरफ्तार किया। एक अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने तड़के रायगड जिले के पेण के पास से शूटर निखिल यादव और उसके सहयोगी नितेश पवार को पकड़ा। उन्होंने बताया कि दोनों की गिरफ्तारी से घोड़बंदर रोड पर हुई गोलीबारी की घटना की जांच में महत्वपूर्ण सुराग मिले हैं। पुलिस ने इससे पहले पूर्णेकर के पूर्व सहयोगी पाप्या शिंदे को गिरफ्तार किया था। संतोष कनोजिया उर्फ टल्ली और एक अन्य अज्ञात आरोपी अभी फरार हैं। इस बीच शिवसेना नेता और ठाणे की पूर्व महापौर मीनाक्षी शिंदे ने पूर्णेकर की हत्या से उनका नाम जोड़ने की कोशिशों को सिरे से खारिज किया और कहा कि उनके खिलाफ लगाए जा रहे आरोप बेबुनियाद हैं। अपने वीडियो पर उन्होंने कहा कि कुछ सामग्री एआई की मदद से तैयार की गई हो सकती है।

हिंदमाता एंकर: राज्यसभा में 100 करोड़ रुपए से ज्यादा संपत्ति वाले 31 सांसद हैं, 2014 में ऐसे केवल चार सांसद थे, 2026 में संख्या बढ़ी, सभी 226 सांसदों की औसत घोषित संपत्ति 115.25 करोड़ रुपए

अमीरों का सियासी अड्डा बनती राज्यसभा, बारह साल में कमाल, अब 31 सांसद अरबपति

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

राज्यसभा को संसद का उच्च सदन कहा जाता है, लेकिन पिछले करीब 12 साल में यहां पहुंचने वाले सांसदों की आर्थिक तस्वीर तेजी से बदली है। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) के अलग-अलग साल के आंकड़ों में 100 करोड़ रुपए से ज्यादा घोषित संपत्ति वाले सांसदों की संख्या बढ़ती दिखती है। 2014 में ऐसे 4 सांसद थे, 2018 में संख्या 6 हुई, 2024 में 31 और जून 2026 में भी यह आंकड़ा 31 है। आंकड़े चुनावी हलफनामों में घोषित संपत्ति पर आधारित हैं।

हर सातवां सांसद 100 करोड़ रुपए के क्लब में

एडीआरऔर नेशनल इलेक्शन वॉच की जून 2026 की रिपोर्ट में राज्यसभा के 233 में से 226 वर्तमान सांसदों का विश्लेषण किया गया। पश्चिम बंगाल की 4 सीटें खाली थीं और 3 सांसदों (देवेंद्र प्रताप सिंह, जी.सी. चंद्रशेखर, एस. सेल्वगणपति) के एफिडेविट उपलब्ध नहीं होने के कारण उनका विश्लेषण नहीं हो सका। रिपोर्ट के मुताबिक, 226 में से 31 सांसद यानी 14% ऐसे हैं, जिनकी संपत्ति 100 करोड़ रुपए से ज्यादा की है यानी करीब हर सातवां सांसद इस श्रेणी में आता है। इतना ही नहीं, सभी 226 सांसदों की औसत घोषित संपत्ति 115.25 करोड़ रुपए है।



सबसे ज्यादा संपत्ति वाले सांसद

2026 के आंकड़ों में बीजेपी के तेलंगाना सांसद डॉ. बंदी पार्थ सारथी रेड्डी सबसे ज्यादा घोषित संपत्ति वाले सांसद हैं। उनकी कुल संपत्ति करीब 5,300 करोड़ रुपए है। इसके बाद पंजाब से बीजेपी के राजिंदर गुप्ता(पहले आप में) की संपत्ति करीब 5,053 करोड़ रुपए और तेलंगाना से कांग्रेस के सांसद डॉ. अभिषेक मनु सिंघवी की संपत्ति करीब 2,558 करोड़ रुपए है। चौथे स्थान पर सपा की जया अमिताभ बच्चन (1,578 करोड़ रुपए) और पांचवें स्थान पर झारखंड से निर्दलीय सांसद नथवाणी परिमल (755 करोड़ रुपए) हैं। वहीं निर्दलीय सांसद कपिल सिब्बल 608 करोड़ रुपए की संपत्ति के साथ छठवें स्थान पर हैं।

महाराष्ट्र के 16 प्रतिशत सांसद अरबपति

राज्यवार आंकड़े भी दिलचस्प हैं। तेलंगाना के 7 में से 4 सांसद यानी 57% और आंध्र प्रदेश के 11 में से 5 यानी 45% सांसदों ने 100 करोड़ रुपए से ज्यादा संपत्ति घोषित की है। ओडिशा में 10 में से 3 (30%), पंजाब में 7 में से 2 (29%) और गुजरात में 11 में से 2 (18%) सांसद इस श्रेणी में हैं। उत्तर प्रदेश के 31 में से 4 (13%), महाराष्ट्र के 19 में से 3 (16%) और तमिलनाडु के 18 में से 2 (11%) सांसदों की संपत्ति 100 करोड रुपए से ज्यादा है। इसके अलावा हरियाणा, कर्नाटक, केरल, मध्य प्रदेश, राजस्थान और झारखंड में 1-1 सांसद 100 करोड़ रुपए वाले क्लब में शामिल हैं। तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के 18 सांसदों की कुल घोषित संपत्ति (तेलंगाना: 8,310 करोड़ + आंध्र प्रदेश: 1,949 करोड़)) करीब 10,259 करोड़ रुपए है, जो 226 सांसदों की कुल करीब 26,047 करोड़ रुपए की संपत्ति का लगभग 39% बैठती है।

सबसे ज्यादा अरबपति सांसद बीजेपी में

बीजेपी के 107 सांसदों में 7 यानी 7% ने 100 करोड़ रुपए से ज्यादा संपत्ति घोषित की है। कांग्रेस के 29 में 6 यानी 21% सांसद इस श्रेणी में हैं। वाईएसआरसीपी के 4 में 2 (50%), टीडीपी के 4 में 2 (50%), बीआरएस के 3 में 2 (67%) और एनसीपी के 4 में 2 (50%) सांसदों की घोषित संपत्ति 100 करोड़ रुपए से ज्यादा है। इसके अलावा 4 निर्दलीय सांसदों का शुमार है।

सिप्ला फार्मा का लाइसेंस रद्द

हाई कोर्ट की सुनवाई के बाद एफडीए की कार्रवाई

वडकी गोदाम में मिलीं कई अनियमितताएं

अमित तिवारी @ मुंबई

महाराष्ट्र अन्न एवं औषध प्रशासन ने मुंबई उच्च न्यायालय के निदेर्शों के बाद मे. सिप्ला फार्मा एंड लाइफ साइंसेज लिमिटेड के वडकी, पुणे स्थित सी.एफ.ए. गोदाम के औषधि बिक्री एवं वितरण लाइसेंस रद्द कर दिए हैं। एफडीए के अनुसार निर्धारित कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद यह निर्णय लिया गया है। रिएक्टिन प्लस टैबलेट की जांच के दौरान पैकेजिंग पर दर्द से राहत संबंधी दावे और मानव आकृति का चित्र पाया गया। विभाग ने इसे वैधानिक प्रावधानों के अनुरूप नहीं मानते हुए मिसब्रांडिंग का मुद्दा सामने रखा।

गोदाम में खामियां

जांच में गोदाम के रखरखाव और रिकॉर्ड से जुड़ी कई कमियां मिलीं। इनमें आवश्यक Form 35 निरीक्षण पुस्तिका का उपलब्ध न होना, दवाओं के बॉक्स जमीन पर रखना, सफाई में कमी, एक्सपायर्ड दवाओं के लिए अलग क्षेत्र या चिह्न का अभाव, निस्तारण संबंधी एसओपी और रिकॉर्ड का न होना तथा खरीद-बिक्री रिकॉर्ड में कमियां शामिल हैं। कंप्यूटर/एसएपी रिकॉर्ड और वास्तविक दवा स्टॉक में भी अंतर मिला, जिसमें एंटीबायोटिक दवाएं भी शामिल थीं।

जवाब पर भी विचार

एफडीए ने कहा कि कंपनी के लिखित जवाब और व्यक्तिगत सुनवाई में रखे गए पक्ष पर विचार किया गया। हालांकि, केवल एसएपी या अन्य कंप्यूटर सिस्टम में रिकॉर्ड होने से वैधानिक दस्तावेज, वास्तविक स्टॉक, दवाओं की सुरक्षित व उचित भंडारण व्यवस्था और निरीक्षण संबंधी जिम्मेदारियों से छूट नहीं मिलती।

सुरक्षा पर जोर

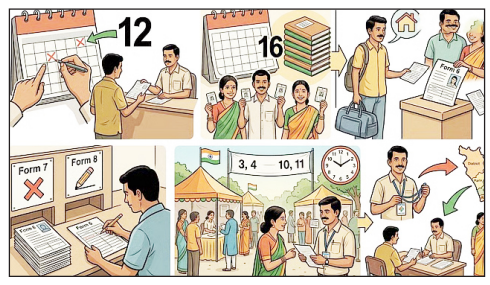
एफडीए आयुक्त तुकाराम मुंढे ने कहा कि विभाग का उद्देश्य केवल कार्रवाई करना नहीं, बल्कि दवाओं की सुरक्षा, गुणवत्ता और दवा आपूर्ति श्रृंखला में कानूनी अनुपालन सुनिश्चित करना है। विभाग ने बताया कि दवाओं की गुणवत्ता और सुरक्षा से जुड़े प्रावधानों के पालन के लिए आगे भी आवश्यक कार्रवाई जारी रहेगी।

12 अक्टूबर तक मतदाता सूची में नाम जुड़वाने का मौका

• 16 नवंबर को जारी होगी अंतिम सूची

हिंदमाता संवाददाता @ ठाणे

भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शों के अनुसार विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम का संशोधित कार्यक्रम जारी किया गया है। इसके तहत मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने, मौजूदा प्रविष्टियों में सुधार करने या नाम हटाने के लिए दावे और आपत्तियां दाखिल करने की अंतिम तिथि अब 12 अक्टूबर निर्धारित की गई है।



आपत्तियां स्वीकार

संशोधित कार्यक्रम के तहत नए मतदाताओं के पंजीकरण के साथ ही मतदाता सूची में दर्ज नाम या अन्य विवरण में सुधार तथा अपात्र अथवा स्थानांतरित मतदाताओं के नाम हटाने के लिए भी दावे और आपत्तियां स्वीकार की जा रही हैं। इसके लिए 31 अगस्त से 12 अक्टूबर 2026 तक की अवधि निर्धारित की गई है।

विशेष शिविर

जिलाधिकारी डॉ. श्रीकृष्ण पांचाल के अनुसार, मतदाताओं की सुविधा के लिए ठाणे जिले के सभी 18 विधानसभा क्षेत्रों में विशेष शिविर आयोजित किए जाएंगे। ये शिविर 3 अक्टूबर (शनिवार), 4 अक्टूबर (रविवार), 10 अक्टूबर (शनिवार) और 11 अक्टूबर (रविवार) 2026 को संबंधित निर्धारित स्थानों और मतदान केंद्रों पर आयोजित होंगे। शिविरों में सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक दावे और आपत्तियां दाखिल की जा सकेंगी।

16 अक्टूबर को अंतिम मतदाता सूची

संशोधित कार्यक्रम के अनुसार अंतिम मतदाता सूची 16 नवंबर 2026 को प्रकाशित की जाएगी। जिला प्रशासन के अनुसार, ऐसे मतदाता जो अनुपस्थित रहने, स्थानांतरण या अन्य कारणों से मतदाता सूची में अपना नाम शामिल नहीं करा सके हैं, उन्हें अब अपने वर्तमान सामान्य निवास स्थान से मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने का अवसर दिया गया है। इसके अलावा, 1 अक्टूबर 2024 के बाद 18 वर्ष की आयु पूरी करने वाले युवाओं को भी इस अभियान के तहत मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज कराने का मौका मिलेगा। 1 अक्टूबर 2026 तक 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुके सभी पात्र नवमतदाता इस सुविधा का लाभ उठा सकते हैं।

नया नाम शामिल

नाम शामिल कराने के लिए फॉर्म-6, मतदाता सूची में सुधार के लिए फॉर्म-8 और नाम हटाने के लिए फॉर्म-7 जमा करना होगा। आवेदन के साथ आवश्यक घोषणा-पत्र और संबंधित दस्तावेज भी प्रस्तुत करने होंगे। शिविरों में मतदान केंद्र स्तरीय अधिकारी के साथ राजनीतिक दलों के मतदान केंद्र स्तरीय प्रतिनिधियों की मौजूदगी के निर्देश दिए गए हैं। महिलाओं और दिव्यांग नागरिकों के समावेशन को भी विशेष प्राथमिकता दी जाएगी। ठाणे के जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. श्रीकृष्ण पांचाल ने जिले के सभी पात्र नागरिकों से इस विशेष अभियान का लाभ उठाकर मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज कराने की अपील की है।

दहिसर में नाबालिग से दुष्कर्म रैपिडो चालक गिरफ्तार

गर्भावस्था के बाद खुलासा

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई



दहिसर में नाबालिग से दुष्कर्म के आरोप में पुलिस ने 19 वर्षीय रैपिडो चालक इरफान हमीद शेख को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, नाबालिग की तबीयत बिगड़ने पर चिकित्सकीय जांच में करीब साढ़े तीन महीने की गर्भावस्था का पता चला। इसके बाद परिवार ने दहिसर पुलिस से शिकायत की।

रैपिडो सवारी से पहचान

पुलिस के अनुसार, नाबालिग की आरोपी से पहचान रैपिडो की सवारी के दौरान हुई थी। बाद में दोनों के बीच सामाजिक माध्यम से बातचीत शुरू हुई। पुलिस का आरोप है कि आरोपी ने नाबालिग को मिलने बुलाकर उसके साथ जबरन शारीरिक संबंध बनाए।

मोबाइल लोकेशन से गिरफ्तारी

शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने तकनीकी जानकारी और मोबाइल लोकेशन के आधार पर आरोपी की तलाश शुरू की। जांच के दौरान पुलिस भिवंडी पहुंची और वहां से आरोपी को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार, उसके परिवार से भी पूछताछ की गई है।

परिवार की भूमिका की जांच

पुलिस का आरोप है कि आरोपी को बचाने के लिए उसे छिपाने और भेष बदलकर मुंबई से बाहर भेजने का प्रयास किया गया। इस पहलू की भी जांच की जा रही है। मामले में आरोपी और नाबालिग के बीच संपर्क, मोबाइल जानकारी तथा यात्रा संबंधी उपलब्ध अभिलेखों की जांच जारी है।

चालक पंजीकरण भी जांच के दायरे में

आरोपी की उम्र और रैपिडो चालक के रूप में उसके पंजीकरण व सत्यापन से जुड़े पहलुओं की भी जांच की जा रही है। दहिसर पुलिस की जांच टीम ने कार्रवाई की। आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया है। नाबालिग की पहचान कानूनन गोपनीय रखी गई है। मामले में आरोपों की अंतिम पुष्टि न्यायिक प्रक्रिया के बाद होगी।

व्यापारी के गले से बदमाश ने सोने की चेन उड़ाई

हिंदमाता संवाददाता @ उल्हासनगर



उल्हासनगर कैंप-2 स्थित जयशंकर आइसक्रीम दुकान के सामने एक कपड़ा व्यापारी के गले से सोने की चेन चोरी होने का मामला सामने आया है। रास्ता पूछने के बहाने बदमाश ने व्यापारी के गले में हाथ डालकर चेन पार कर दी। उल्हासनगर पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पहले टकराया

पुलिस के अनुसार सुभाषनगर, उल्हासनगर-3 निवासी कपड़ा व्यापारी आनंद कृष्णा मुदलियार पैदल सोनी मार्केट की ओर जा रहे थे। इसी दौरान एक अज्ञात व्यक्ति ने उन्हें धक्का मार दिया। टक्कर लगने पर मुदलियार ने उसे सॉरी कहा। कुछ दूरी आगे बढ़ने के बाद आरोपी दोबारा उनके पास आया और दोस्ताना अंदाज में गले में हाथ डालते हुए सॉरी कहा।

रास्ता पूछने का बहाना

इसके बाद आरोपी ने मुदलियार से नेहरू चौक जाने का रास्ता पूछा। व्यापारी ने उसे रास्ता बता दिया, जिसके बाद वह वहां से चला गया। कुछ समय बाद सोनी मार्केट की ओर जाते समय मुदलियार ने अपने गले पर हाथ लगाया तो सोने की चेन गायब मिली। उन्हें रास्ता पूछने के बहाने गले में हाथ डालने वाले व्यक्ति पर संदेह हुआ।

पुलिस ने शुरू की जांच

पीड़ित की शिकायत पर उल्हासनगर पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ चोरी का मामला दर्ज किया है। मामले की आगे की जांच पुलिस उपनिरीक्षक एस. आर. मुंढे कर रहे हैं।

मनोनीत पार्षदों पर घमासान

कांग्रेस-एनसीपी में संभावित नामों को लेकर नाराजगी

हिंदमाता संवाददाता @ भिवंडी



भिवंडी निजामपुर महानगरपालिका के नौ मनोनीत नगरसेवक पदों को लेकर राजनीतिक घमासान तेज हो गया है। 16 से 28 सितंबर तक चली आवेदन प्रक्रिया में 37 लोगों के आवेदन की चर्चा है, लेकिन मनपा प्रशासन ने अब तक आधिकारिक सूची सार्वजनिक नहीं की है।

रईस शेख पर आरोप

राजनीतिक हलकों में सपा विधायक रईस शेख पर कांग्रेस और एनसीपी (शरदचंद्र पवार) के अंदरूनी मामलों में हस्तक्षेप कर अपने करीबी लोगों को आगे बढ़ाने के आरोप लगाए जा रहे हैं। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है और विधायक या संबंधित दलों की ओर से आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

कांग्रेस में नाराजगी

कांग्रेस के संभावित तीन नामों में सलीम शेख और अरफात शेख की चर्चा से पुराने कार्यकताओं में नाराजगी की बात सामने आ रही है। अरफात शेख का नाम अंतिम सूची में घोषित नहीं हुआ है। उनके आवेदन की अंतिम तारीख पर नामांकन किए जाने को लेकर भी राजनीतिक चर्चा है।

एनसीपी में भी चर्चा

एनसीपी (शरदचंद्र पवार) के हिस्से के एक पद के लिए गिरीश म्हात्रे का नाम चर्चा में है। राजनीतिक सूत्रों के अनुसार उनका नाम लगभग तय माना जा रहा है, हालांकि आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है।

अंतिम सूची का इंतजार

मनपा की ओर से 37 आवेदकों की सूची सार्वजनिक नहीं किए जाने से अटकलें बढ़ रही हैं। अब सभी की नजरें नौ अंतिम नामों पर टिकी हैं। आधिकारिक सूची सामने आने के बाद ही स्पष्ट होगा कि किन दावेदारों को मनोनीत नगरसेवक बनने का अवसर मिलता है।

3 किमी की जैन रथयात्रा

200 से अधिक जैन संघ होंगे शामिल

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई



सत्य, अहिंसा, जीवदया, मानवता और प्रकृति संरक्षण के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से 4 अक्टूबर, रविवार को मुंबई में विशाल सामूहिक जैन रथयात्रा निकाली जाएगी। श्री मुंबई जैन संघ संगठन की ओर से आयोजित इस यात्रा में दक्षिण मुंबई के 200 से अधिक जैन संघ और संस्थाएं शामिल होंगी।

वीपी रोड से होगी शुरूआत

सुबह 9 बजे वीपी रोड से शुरू होने वाली करीब 3 किलोमीटर लंबी यात्रा सिक्का नगर, खेतवाड़ी, प्रार्थना समाज, ओपेरा हाउस, गांवदेवी, नाना चौक और अगस्त क्रांति मैदान होते हुए गोवालिया टैंक पहुंचेगी। आयोजकों के अनुसार यात्रा में 400 से अधिक गुरु भगवंतों के साथ करीब 50 हजार प्रतिनिधि शामिल होंगे।

धार्मिक-सांस्कृतिक आकर्षण

यात्रा में 21 फीट ऊंची तीर्थंकर प्रतिमा, परमात्मा रथ, 108 फीट ऊंचा शासन ध्वज, 24 अरिहंत परमात्माओं की प्रतिकृतियां, 300 बाइक की रैली और देव विमान से पुष्पवर्षा प्रमुख आकर्षण होंगे। 50 से अधिक युवा मंडल, 125 महिला मंडल और 100 से अधिक धार्मिक पाठशालाओं के 2,000 से ज्यादा विद्यार्थी भी भाग लेंगे। समापन समारोह में चुन्नीलाल चंदन और बाबूलाल भंसाली को शासनरत्न सम्मान दिया जाएगा।

छह मामलों में पुलिस कार्रवाई

लापता किशोर और प्रतिबंधित खाद्य पदार्थ जब्त

हिंदमाता संवाददाता @ भिवंडी

नारपोली थाना क्षेत्र के मानकोली नाका स्थित मछली बाजार के पास 60 वर्षीय शेवंती विजय माळी के गले से अज्ञात युवक करीब 90 हजार रुपये की सोने की चेन झपटकर फरार हो गया। घटना 30 सितंबर की रात की है। पुलिस सीसीटीवी के आधार पर आरोपी की तलाश कर रही है।

किशोर लापता

शांतीनगर थाना क्षेत्र के रामनगर से 16 वर्षीय मोहम्मद हम्माद 24 सितंबर की शाम घर से निकला, लेकिन वापस नहीं लौटा। परिजनों ने अज्ञात व्यक्ति द्वारा बहला-फुसलाकर ले जाने की आशंका जताई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की है। निजामपुरा के कुरैशी नगर में घर में सो रही महिला के चेहरे से कंबल हटाने और विरोध पर गाली-गलौज करने के आरोप में यामीन कुरैशी के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

16.64 लाख का माल जब्त

भोईवाड़ा के न्यू गौरीपाड़ा में एफडीए की कार्रवाई में 16 लाख 64 हजार 917 रुपये का प्रतिबंधित खाद्य पदार्थ जब्त किया गया। पुलिस ने छह लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। नारपोली के ओवली गांव में अज्ञात वाहन की टक्कर से 40-45 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई। चालक वाहन समेत फरार हो गया। पुलिस उसकी तलाश कर रही है।

बार मैनेजर पर केस

कोनगांव के सिगर ऑर्केस्ट्रा बार में निर्धारित आठ के बजाय नौ महिला गायिकाएं मिलने पर मैनेजर धीरेंद्र साहू के खिलाफ मामला दर्ज किया गया।

मुलुंड में कांग्रेस का प्रदर्शन

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई



मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ उत्तर पूर्व मुंबई जिला कांग्रेस कमेटी की ओर से मुलुंड स्टेशन के समीप धरना प्रदर्शन किया गया। जिला अध्यक्ष केतन शाह के नेतृत्व में हुए प्रदर्शन में कांग्रेस कार्यकताओं ने चुनाव प्रक्रिया को लेकर सवाल उठाते हुए ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे और कानूनी कार्रवाई की मांग की। ज्ञानेश कुमार वर्तमान में देश के मुख्य चुनाव आयुक्त हैं।

कार्यकर्ताओं ने उठाए सवाल

प्रदर्शन में उत्तर पूर्व मुंबई जिला कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष प्रणिल नायर सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि चुनाव प्रक्रिया को मनमाने तरीके से संचालित किया जा रहा है और 'वोट चोरी' के मुद्दे पर कार्रवाई की मांग की।

तहसीलदार को ज्ञापन

प्रेस नोट के अनुसार, स्टेशन परिसर से गुजर रहे कुछ युवाओं ने भी प्रदर्शन में हिस्सा लिया। प्रदर्शन के बाद कांग्रेस कार्यकर्ता मुलुंड तहसीलदार कार्यालय पहुंचे और तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा। इसके साथ ही धरना प्रदर्शन समाप्त किया गया। मुलुंड में कांग्रेस के प्रदर्शन की स्थानीय रिपोर्ट भी प्रकाशित हुई है।

मुंबई से दो चेन स्नैचर गिरफ्तार

हिंदमाता संवाददाता @ नालासोपारा



पेल्हार पुलिस की अपराध प्रकटीकरण शाखा ने चेन स्नेचिंग के मामले में मुंबई से दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके पास से छीनी गई सोने की चेन और वारदात में इस्तेमाल मोटरसाइकिल बरामद की है।

महिला से छीनी थी चेन

15 सितंबर को सुबह करीब 5:50 बजे पारुल रमेशचंद्र यादव (40) गोल्डन मैरिज हॉल, मोमीन नगर, संतोष भवन के सामने से पैदल जा रही थीं। इसी दौरान मोटरसाइकिल सवार दो बदमाशों ने उनके गले से सोने की चेन छीन ली। पेल्हार पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 309(4) और 3(5) के तहत मामला दर्ज किया।

तकनीकी जांच से गिरफ्तारी

वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक सचिन कांबळे के मार्गदर्शन में तकनीकी जांच और गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने कुर्ला और गोवंडी से मोहम्मद मोहसीन लईक अंसारी (24) और जरताब अहमद हुसैन शेख उर्फ कार्लोस (21) को गिरफ्तार किया। जांच में मोहसीन के खिलाफ मुंबई, ठाणे और मीरा-भायंदर में चेन स्नेचिंग व मोबाइल चोरी के 31 मामले दर्ज होने की जानकारी सामने आई। दोनों आरोपी न्यायिक हिरासत में हैं।

स्वच्छता थीम वाले ईएमयू रेक का निरीक्षण

महाप्रबंधक राजीव श्रीवास्तव ने जनशताब्दी के उन्नत कोच भी देखे

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई



मध्य रेल के महाप्रबंधक राजीव श्रीवास्तव ने 2 अक्टूबर को स्वच्छता पखवाड़ा-2026 और विशेष अभियान 6.0 के शुभारंभ अवसर पर स्वच्छता थीम से सुसज्जित दो उन्नत ईएमयू रेक और डीजल लोकोमोटिव का निरीक्षण किया। ईएमयू रेक को महात्मा गांधी के चित्रों और स्वच्छता संदेशों से सजाया गया है।

यात्रियों की सुविधाएं बढ़ीं

उन्नत रेक में वरिष्ठ नागरिकों के लिए समर्पित कोच, आपातकालीन संचार प्रणाली, फ्लीट ग्राफिक्स फिल्म, साफ-सफाई व पॉलिश किए गए एसएस ग्रिल-खिड़की लूवर तथा प्रथम श्रेणी में कुशनयुक्त सीटें जैसी सुविधाएं शामिल हैं। ड्राइविंग कैब को भी बेहतर लुक दिया गया है।

'वेस्ट टू आर्ट' प्रदर्शनी देखी

महाप्रबंधक ने जनशताब्दी एक्सप्रेस के उन्नत कोचों का भी निरीक्षण किया। इसके बाद 'वेस्ट टू आर्ट' प्रदर्शनी का अवलोकन किया और 'स्वच्छता ही सेवा' विषय पर नुक्कड़ नाटक देखा। इस अवसर पर मध्य रेल के वरिष्ठ अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

ज्ञानेश कुमार हटाओ संविधान बचाओ

हिंदमाता संवाददाता @ उल्हासनगर



मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने और संविधान की रक्षा की मांग को लेकर शुक्रवार सुबह शिवाजी चौक पर शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे), मनसे, कांग्रेस और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) ने संयुक्त रूप से चक्काजाम आंदोलन किया। इस दौरान 'ज्ञानेश कुमार हटाओ, संविधान बचाओ' के नारों से क्षेत्र गूंज उठा।

यातायात प्रभावित, पुलिस ने हिरासत में लिया

प्रदर्शन के कारण शिवाजी चौक और आसपास के क्षेत्रों में कुछ समय तक यातायात प्रभावित रहा। पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित करने के लिए आंदोलन में शामिल नेताओं और कार्यकताओं को हिरासत में लिया, जिन्हें बाद में छोड़ दिया गया।

चारों दलों के कार्यकर्ता जुटे

आंदोलन में शिवसेना के शरद पाटिल, राजेंद्र शहू, दिलीप मिश्रा, शिवाजी जावले सहित पदाधिकारी शामिल हुए। कांग्रेस के रोहित सालवे, पवन मिरानी, विशाल सोनावणे, मनसे के बंधु देशमुख, सचिन बेडके, मुकेश सेठपालानी तथा राकांपा (शरदचंद्र पवार) के महेश तपासे, सीमा आहुजा और महेश आहुजा समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे। प्रदर्शनकारियों ने चुनाव प्रक्रिया में पारदर्शिता, लोकतांत्रिक संस्थाओं की निष्पक्षता और संविधान की रक्षा की मांग उठाई।

डोंबिवली में 7.22 लाख की शराब जब्त, तीन गिरफ्तार

अवैध शराब की खेप पकड़ी, राजकोट जा रही शराब पकड़ी

हिंदमाता संवाददाता @ ठाणे



महाराष्ट्र पुलिस की कल्याण क्राइम ब्रांच ने गुजरात के राजकोट में बिक्री के लिए ले जाई जा रही अवैध शराब की संदिग्ध खेप को पकड़ा है। पुलिस ने बताया कि टीम ने ठाणे जिले के डोंबिवली पूर्व में 7.22 लाख रुपए की शराब जब्त की और तीन लोगों को गिरफ्तार किया। अधिकारियों ने बताया कि अवैध रूप से रखी गई शराब की बड़ी मात्रा की सूचना मिलने पर क्राइम ब्रांच की एक टीम ने डोंबिवली पूर्व के खंबालपाडा इलाके में शेलार मैदान के पास एक टिन के शेड पर छापा मारा।

7,920 बोतलें जब्त

अधिकारियों के अनुसार, ऑपरेशन के दौरान पुलिस ने विभिन्न ब्रांडों की 7,920 सीलबंद शराब की बोतलें बरामद कीं, जिनकी कुल कीमत 7,22,700 रुपए है। टीम ने परिसर से 19 प्लास्टिक पाइप भी जब्त किए। प्रारंभिक जांच के अनुसार, शराब कथित तौर पर दीव-दमन क्षेत्र से लाई गई थी और गुजरात के राजकोट में बिक्री के लिए ले जाने से पहले शेड में रखी जा रही थी। अधिकारियों ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों की पहचान 30 वर्षीय हिरेन शंकरभाई बक्कर उर्फ भानुशाली, 40 वर्षीय मनीष पुरुषोत्तमभाई धुकर और 22 वर्षीय विपुल रामकृष्ण शुक्ला के रूप में हुई है।

'भंगार' को राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार



हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

सुमिरा रॉय की बहुचर्चित डॉक्यूमेंट्री 'भंगार' ने 72वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों में 'सर्वश्रेष्ठ गैर-फीचर फिल्म' का राष्ट्रीय पुरस्कार जीता है। मुंबई के एक बुजुर्ग दंपति के जीवन और गरिमापूर्ण मृत्यु की इच्छा पर आधारित यह मराठी-अंग्रेजी फिल्म उम्र बढ़ने, साहचर्य और गरिमा जैसे संवेदनशील सवालों को सामने लाती है। फिल्म 80 वर्षीय इरावती और नारायण कृष्णाजी लावटे के जीवन पर आधारित है, जो मुंबई की एक सदी पुरानी चॉल के छोटे से कमरे में पांच दशकों से अधिक समय से साथ रह रहे थे। दंपति ने जीवन के अंतिम पड़ाव पर अपना नियंत्रण बनाए रखने और एक साथ मृत्यु का अधिकार पाने के लिए प्रशासन से याचिका दायर की थी। रॉय ने करीब साढ़े चार साल तक दंपति के दैनिक जीवन, संवाद और आपसी संबंधों को करीब से समझा। फिल्म इच्छामृत्यु के कानूनी सवाल से आगे बढ़कर उम्रदराज लोगों की गरिमा और समाज में उनके बदलते स्थान की पड़ताल करती है। फिल्म का अंतरराष्ट्रीय प्रीमियर अमेरिका के 'टू/फॉल्स फिल्म फेस्टिवल' में हुआ था। सिएटल के 'तसवीर फिल्म फेस्टिवल' में इसे सर्वश्रेष्ठ डॉक्यूमेंट्री फीचर का जूरी पुरस्कार भी मिला।

विधायक निधि से खरीदी गई कचरा गाड़ियां डिपो में फांक रही धूल

आरटीओ पंजीकरण न होने से खड़ा विवाद

हिंदमाता संवाददाता @ मीरा-भायंदर

मीरा-भायंदर शहर की सफाई व्यवस्था को मजबूत करने के लिए परिवहन मंत्री एवं विधायक प्रताप सरनाईक की विशेष निधि से उपलब्ध कराई गई करीब 12-13 छोटी कचरा संग्रहण गाड़ियां लंबे समय से घोड़बंदर बस डिपो में खड़ी हैं। आरोप है कि इनका नियमित उपयोग अब तक शुरू नहीं हुआ है और वाहनों का आरटीओ में पंजीकरण भी नहीं कराया गया है।

खुले में खड़े वाहनों पर जंग का खतरा

लंबे समय से खुले में खड़े रहने के कारण इन वाहनों पर धूल जम रही है। आसपास पानी जमा होने से वाहनों के हिस्सों में जंग लगने की स्थिति भी बन रही है। नागरिकों का कहना है कि समय पर इस्तेमाल नहीं होने से वाहनों के खराब होने का खतरा बढ़ रहा है।

झुग्गी-बस्तियों में हो सकता है उपयोग

छोटी और संकरी सड़कों वाले झुग्गी-बस्ती क्षेत्रों में कचरा संग्रहण के लिए इन वाहनों का इस्तेमाल किया जा सकता है। स्थानीय लोगों के मुताबिक, ऐसे इलाकों में बड़े कचरा वाहनों की पहुंच सीमित रहती है। ऐसे में छोटी गाड़ियां सफाई व्यवस्था में उपयोगी साबित हो सकती हैं।

अधिकारियों की जवाबदेही तय करने की मांग

शिवसेना (शिंदे) के शहर प्रमुख सचिन मांजरेकर ने कहा कि विशेष निधि से खरीदी गई घंटा गाड़ियों का उद्देश्य शहर की स्वच्छता व्यवस्था को मजबूत करना है। यदि वाहन लंबे समय से उपयोग के बिना खड़े हैं और उनका आरटीओ पंजीकरण भी नहीं हुआ है, तो संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय की जानी चाहिए।

तत्काल सफाई में लगाने की मांग

शिवसेना (शिंदे) प्रवक्ता रामभवन शर्मा ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों पर निष्क्रियता का आरोप लगाया। उन्होंने इन वाहनों को तत्काल झुग्गी-बस्ती क्षेत्रों में कचरा संग्रहण के लिए लगाने की मांग की। उन्होंने कहा कि जल्द कार्रवाई नहीं होने पर शिवसेना पदाधिकारी आयुक्त कार्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन करेंगे।

मीरा-भायंदर मनपा में सफाई कर्मचारियों के वारिसों को नौकरी कब?

हिंदमाता संवाददाता @ मीरा-भायंदर

राज्य सरकार के स्पष्ट आदेश के बावजूद मीरा-भायंदर मनपा में सफाई कर्मचारियों के वारिसों को उत्तराधिकार के आधार पर नौकरी देने से जुड़े 25 से अधिक मामले पिछले एक साल से लंबित होने का आरोप है। भारतीय कामगार सेना ने मनपा आयुक्त राधाविनोद शर्मा को पत्र देकर मामलों का तत्काल निपटारा करने और देरी के लिए जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग की है। राज्य सरकार ने लाड-पांगे समिति की सिफारिशों के आधार पर सफाई कर्मचारियों के सेवानिवृत्त होने के बाद उनके पात्र वारिसों को रोजगार देने का प्रावधान किया है। इसी व्यवस्था के तहत मीरा-भायंदर मनपा में पिछले वर्ष कई वारिसों ने नियुक्ति के लिए आवेदन किए थे।

नाट्यगृह उद्घाटन पर विवाद

आयुक्त से तत्काल स्थिति स्पष्ट करने की मांग

जनता की मौजूदगी में लोकार्पण की चेतावनी

हिंदमाता संवाददाता @ वसई

वसई-विरार मनपा और शासन के सार्वजनिक कोष से निर्मित आचोले नाट्यगृह और बोलिंज खेल परिसर के उद्घाटन को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। विपक्ष के नेता ने मनपा आयुक्त से 2 अक्टूबर की रात तक आधिकारिक स्थिति स्पष्ट करने की मांग की है।

विधायकों ने लिखा पत्र

12 वर्ष से लंबित आचोले नाट्यगृह और नौ वर्ष से रुके बोलिंज खेल परिसर का काम पूरा कराने के लिए विधायक राजन नायक, विधायक स्नेहा दुबे पंडित और भाजपा पार्षदों द्वारा प्रयास किए जाने का दावा किया गया है। दोनों विधायकों ने मनपा प्रशासन को पत्र देकर आवश्यक कार्रवाई की मांग की है।

प्रोटोकॉल पर सवाल

3 अक्टूबर को दोनों इमारतों के उद्घाटन का कार्यक्रम प्रस्तावित है। विपक्ष ने प्रशासनिक स्वीकृति, आधिकारिक निमंत्रण और शासन के प्रोटोकॉल के पालन को लेकर सवाल उठाए हैं। विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने मुख्य सचिव, मुख्यमंत्री कार्यालय, नगर विकास विभाग और जिलाधिकारी को भी ज्ञापन दिया है।

जनता को तुरंत समर्पित करने की चेतावनी

विपक्ष के अनुसार, यदि आयुक्त की ओर से संतोषजनक स्पष्टीकरण या कार्रवाई नहीं हुई तो 3 अक्टूबर को भाजपा जनप्रतिनिधियों और नागरिकों की मौजूदगी में दोनों भवन जनता को समर्पित करेगी। विपक्ष ने कहा कि सार्वजनिक कोष से बनी इमारतें जनता की संपत्ति हैं और उद्घाटन प्रक्रिया नियमों व पारदर्शिता के अनुसार होनी चाहिए।

‘लोकतंत्र को गांधी के विचारों की जरूरत’

• महात्मा गांधी जयंती पर ‘माला-तस्वीर की रस्मी खानापूर्ति’ करनेवाले नेताओं पर राज ठाकरे का तंज

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

महात्मा गांधी की जयंती के मौके पर महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के प्रमुख राज ठाकरे ने राष्ट्रीय महापुरुषों को सिर्फ फोटो खिंचवाने के मौके और प्रतीकात्मक रस्मों तक सीमित रखने के चलन पर चेतावनी देते हुए कहा कि भले ही सत्ता में बैठे लोग गांधी का इस्तेमाल सिर्फ औपचारिक श्रद्धांजलि देने के लिए करें लेकिन उनकी मुख्य शिक्षाओं के बिना सच्चा लोकतंत्र नहीं टिक सकता। राज ठाकरे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि महान हस्तियों को याद करना अक्सर उनकी जयंती और पुण्यतिथि तक ही सीमित रह गया है-जैसे मूर्तियों पर माला चढ़ाना और तस्वीरें खिंचवाना। स्मारकों को सिर्फ मूर्तियों से जोड़ना और उनके पास खड़े होकर पोज देना ही श्रद्धांजलि देने का हमारा नया तरीका बन गया है।



संवैधानिक संस्थाओं पर मंडराता खतरा

राज ठाकरे ने कहा कि जैसे ही सवाल उठाए जाते हैं, सत्ता में बैठे लोग और उनके ऑनलाइन ट्रोल की फौज आपको 'राष्ट्र-विरोधी' करार देने के लिए तैयार रहती है। उन्होंने शांतिपूर्ण प्रदर्शनों को दबाने, प्रदर्शनकारियों के खिलाफ सरकारी बल के इस्तेमाल और चुनाव आयोग जैसी अहम संवैधानिक संस्थाओं की स्वायत्तता कम होने पर चिंता जताई। भारत के लिए महात्मा गांधी के सबसे बड़े योगदान के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा कि यह सिर्फ राजनीतिक आजादी नहीं थी बल्कि आम आदमी का वह जन्मसिद्ध अधिकार था जिससे वह सरकार के मनमानेपन या हद से ज्यादा दखलंदाजी के खिलाफ ना कह सके।

सार्वजनिक असहमति के प्रति बढ़ती असहिष्णुता

मौजूदा सरकार के दौर में राजनीतिक माहौल पर सीधा निशाना साधते हुए, ठाकरे ने सार्वजनिक असहमति के प्रति बढ़ती असहिष्णुता का जिक्र किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि महात्मा गांधी की मुख्य विरासत नागरिकों को सत्ता से सवाल पूछने के लिए सशक्त बनाना था। एक ऐसा गुण जिसे मौजूदा सत्ताधारी सक्रिय रूप से दबाने की कोशिश करते हैं।

नागरिक की सोच पर सरकार का अधिकार नहीं

उन्होंने कहा कि सरकार के पास कानून है, सत्ता की ताकत है और अपनी सुविधा के हिसाब से कानून बदलने की क्षमता है, फिर भी गांधीजी ने दिखाया कि इन सबके बावजूद, सरकार आम आदमी की तर्कसंगत सोच या उसके जमीर पर अपना अधिकार नहीं जता सकती। उन्होंने नागरिकों को डिजिटल प्लेटफॉर्म और सोशल मीडिया प्रोपेगैंडा चैनलों, जिन्हें अक्सर व्हाट्सएप यूनिवर्सिटी कहा जाता है। इस पर स्वतंत्र सोच और जन-जागरूकता को कमजोर करने की सुनियोजित कोशिशों के प्रति आगाह किया।

सड़कों पर आंदोलन ही जवाबदेही तय करने का जरिया

इस बात को दोहराते हुए कि लोकतांत्रिक गणराज्य में जनता ही सर्वोपरि है। राज ठाकरे ने जोर दिया कि राजनीतिक आंदोलन, सड़कों पर मार्च और नागरिकों की भागीदारी सत्ताधारी प्रशासन को जवाबदेह ठहराने के लिए जरूरी साधन हैं। उन्होंने कहा कि भले ही शासक गांधी को तभी अपनाते हैं जब यह उनकी तात्कालिक राजनीतिक सुविधा के अनुकूल हो, लेकिन भारतीय लोकतंत्र की सेहत उनके शांतिपूर्ण प्रतिरोध और नैतिक साहस की भावना को बनाए रखने पर ही निर्भर करती है।

7379 करोड़ के दो बड़े फर्जीवाड़े

ईओडब्ल्यू की जांच शुरू, शेल कंपनियों से विदेश भेजी गई रकम

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा ने 31 अगस्त 2026 तक आर्थिक अपराध से जुड़े 80 मामले दर्ज किए हैं। मुंबई पुलिस के आंकड़ों के मुताबिक, इन मामलों में करीब 5,485 करोड़ रुपए की राशि शामिल है। पिछले साल इसी अवधि में 75 मामले दर्ज हुए थे, जिनमें 15,296.94 करोड़ रुपए की रकम शामिल थी। यानी मामलों की संख्या पांच बढ़ी, जबकि संबंधित राशि में काफी कमी आई।

2,575 करोड़ रुपए विदेश भेजने का आरोप

पहले मामले में करीब 2,575 करोड़ रुपए कथित तौर पर शेल या फर्जी कंपनियों के माध्यम से विदेश भेजे जाने का आरोप है। ईओडब्ल्यू के अनुसार, कंपनी निदेशकों और चार्टर्ड अकाउंटेंट समेत आरोपियों ने कथित तौर पर फर्जी दस्तावेज तैयार किए और विदेशी मुद्रा भेजने के लिए जरूरी फॉर्म 15सीबी का इस्तेमाल किया।



सितंबर में 7,379 करोड़ के दो मामले

अगस्त तक आर्थिक अपराध से जुड़े मामलों में शामिल रकम पिछले साल की तुलना में कम थी, लेकिन सितंबर के पहले सप्ताह में दो बड़े मामलों ने आंकड़ा बढ़ा दिया। ईओडब्ल्यू ने इन दोनों मामलों में कुल करीब 7,379 करोड़ रुपए की कथित वित्तीय अनियमितता की जांच शुरू की है।

दूसरे मामले में 4,804.54 करोड़ की रकम

मुंबई शहर में दूसरे मामले में करीब 4,804.54 करोड़ रुपए विदेश भेजे जाने का आरोप है। जांच एजेंसी के अनुसार, इस मामले में भी फर्जी या शेल कंपनियों और कथित तौर पर गलत तरीके से तैयार किए गए फॉर्म 15सीबी के जरिए रकम बाहर भेजी गई। दोनों मामलों में कर चोरी और सरकारी राजस्व को नुकसान पहुंचने की आशंका की जांच की जा रही है।

दस्तावेजों की जांच नहीं करने का आरोप

ईओडब्ल्यू की जांच के मुताबिक, विदेश रकम भेजने के लिए जरूरी दस्तावेज, करार और आयकर संबंधी विवरणों की पर्याप्त जांच नहीं की गई। एजेंसी यह भी जांच कर रही है कि कथित तौर पर केवल कागजों पर मौजूद कंपनियों के जरिए इतनी बड़ी रकम कैसे विदेश भेजी गई।

ईओडब्ल्यू कर रही दोनों मामलों की जांच

मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा दोनों मामलों में धन के लेन-देन, कंपनियों की भूमिका, दस्तावेजों और संबंधित लोगों की भूमिका की जांच कर रही है। सितंबर के इन मामलों ने अगस्त तक के आंकड़ों के मुकाबले आर्थिक अपराध से जुड़ी रकम को लेकर नया ध्यान खींचा है।

शिवाजी पार्क में विरोध प्रदर्शन पर घमासान!

अभिजीत दीपके, सौरव दास और आयोजकों के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

मुंबई का प्रतिष्ठित शिवाजी पार्क मैदान एक बार फिर कानूनी और राजनीतिक विवाद का केंद्र बन गया है। सीजेपी के विरोध प्रदर्शन के आह्वान के बाद आयोजकों के खिलाफ शिवाजी पार्क पुलिस स्टेशन में एक औपचारिक शिकायत दर्ज कराई गई है। यह शिकायत अभिजीत दीपके, सौरव दास, आशुतोष रांका, रत्ना सिंह और अजिंक्य शिंदे के विरुद्ध दर्ज की गई है। आरोप है कि पुलिस प्रशासन द्वारा अनुमति देने से साफ इनकार करने के बावजूद, कानून और अदालती आदेशों की अनदेखी करते हुए भारी भीड़ जुटाने और प्रदर्शन करने का प्रयास किया गया।



किसने दर्ज कराई शिकायत और क्या है कानूनी आधार?

यह शिकायत शिवाजी पार्क की स्थानीय निवासी और अधिवक्ता सिद्धि देवलेकर द्वारा वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक, शिवाजी पार्क पुलिस स्टेशन के समक्ष प्रस्तुत की गई है। शिकायतकर्ता के अनुसार, मुंबई पुलिस ने 27 सितंबर 2026 को आधिकारिक पत्र जारी कर इस प्रस्तावित प्रदर्शन की अनुमति को स्पष्ट रूप से खारिज कर दिया था। पुलिस का यह फैसला बॉम्बे हाईकोर्ट की जनहित याचिका में दिए गए आदेशों तथा महाराष्ट्र सरकार और बीएमसी के दिशानिर्देशों पर आधारित था। इसके बावजूद, आयोजकों ने सार्वजनिक शांति भंग होने, आपातकालीन वाहनों की आवाजाही में बाधा और आम नागरिकों को होने वाली असुविधा की अनदेखी करते हुए तैयारियां जारी रखीं।

संविधान और कानून का सीधा उल्लंघन

शिकायत दर्ज कराने के बाद अधिवक्ता सिद्धि देवलेकर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर आयोजकों की नीयत पर गंभीर सवाल उठाए और इसे सीधे तौर पर संविधान व कानून का उल्लंघन बताया।

आयोजकों के रवैये पर तीखा प्रहार

सिद्धि देवलेकर ने सोशल मीडिया पर लिखा कि जो लोग संविधान की लड़ाई लड़ने का दावा करते हैं, वे उसी संविधान के तहत स्थापित उच्च न्यायालय के प्राधिकार को खुलेआम चुनौती दे रहे हैं। आप संवैधानिक दायित्वों और अदालती निर्देशों की धज्जियां उड़ाकर संवैधानिक अधिकारों की मांग नहीं कर सकते। यदि ऐसे आचरण को बढ़ावा मिला, तो कल कोई भी अदालत के प्रतिबंधों को तोड़ेगा, उसे 'शांतिपूर्ण गतिविधि' कहेगा और कानून से ढील की उम्मीद करेगा। कोई भी विचारधारा, कोई भी राजनीतिक अभियान और कोई भी व्यक्ति संविधान से ऊपर नहीं है। यह प्रदर्शन बॉम्बे हाईकोर्ट का सीधा अपमान है।

प्रदीप पूर्णेकर हत्याकांड को लेकर संजय राऊत का शिंदे गुट पर तीखा हमला

बोले- लेडी डॉन को गिरफ्तार करो

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

महाराष्ट्र की राजनीति में प्रदीप पूर्णेकर हत्याकांड को लेकर राजनीति गरमा गई है। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) गुट के नेता और सांसद संजय राऊत ने इस मामले को लेकर एकनाथ शिंदे गुट और राज्य सरकार पर आक्रामक हमला बोला है। मीडिया से बातचीत करते हुए राऊत ने कहा कि यह कोई सामान्य अपराध नहीं, बल्कि एक सोची-समझी राजनीतिक साजिश के तहत की गई हत्या है।



संजय राऊत का शिंदे गुट पर तीखा हमला

संजय राऊत तीखे अंदाज में शिंदे गुट पर प्रहार करते हुए कहा कि आप खुद को बालासाहेब ठाकरे की विचारधारा का वारिस बताते हैं, उनकी तस्वीरें लगाते हैं और हर मंच से उनका नाम लेते हैं। राऊत ने अपशब्द का इस्तेमाल करते हुए कहा कि तुम कैसे बालासाहेब के वारिस हो सकते हो? एक युवा कार्यकर्ता की निर्मम हत्या कर दी जाती है और उसका पूरा परिवार बेसहारा हो जाता है।

आरोपियों को पार्टी से बाहर निकालने का साहस नहीं

इसके बावजूद आप आरोपियों को पार्टी से बाहर निकालने का नैतिक साहस तक नहीं दिखा पा रहे हैं। अगर आज बालासाहेब ठाकरे होते और उन्होंने वह विवादित ऑडियो क्लिप सुनी होती, तो वे उस 'लेडी डॉन' को तुरंत पार्टी से बेदखल कर देते। बता दें कि संजय राऊत ने लेडी डॉन शब्द का इस्तेमाल ठाणे की पूर्व मेयर मीनाक्षी शिंदे के लिए किया। उद्धव ठाकरे गुट ने पूर्व मेयर मीनाक्षी शिंदे और उनके पति पर प्रदीप पूर्णेकर की हत्या की साजिश का आरोप लगाया है।

एसआईटी जांच की निष्पक्षता पर उठाए सवाल

राज्य सरकार द्वारा इस मामले की जांच के लिए गठित विशेष जांच दल पर प्रतिक्रिया देते हुए राऊत ने कहा कि एसआईटी का गठन स्वागत योग्य है, लेकिन जांच तभी सार्थक होगी जब वह बिना किसी राजनीतिक दबाव के पारदर्शी तरीके से की जाए। संजय राऊत ने आरोप लगाते हुए पूछा कि यदि एसआईटी में ठाणे के ही अधिकारियों को शामिल किया गया है, तो जांच निष्पक्ष कैसे हो सकती है? उन्होंने दावा किया कि कुछ पुलिस अधिकारी पिछले 12 सालों से एक ही पद पर बने हुए हैं और वे खास लोगों के राजनीतिक एजेंट के रूप में काम कर रहे हैं। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री और गृह मंत्री देवेंद्र फडणवीस पर सवाल दागते हुए संजय राऊत ने पूछा कि ऐसे पक्षपाती अधिकारियों की मौजूदगी में सही जांच की गारंटी कैसे दी जा सकती है?

संजय राऊत ने की मीनाक्षी शिंदे की गिरफ्तारी की मांग

संजय राऊत ने सोशल मीडिया पर वायरल हो रही एक ऑडियो क्लिप का जिक्र करते हुए कहा कि 'लेडी डॉन' (मीनाक्षी शिंदे) सरेआम लोगों के घरों में गुंडे भेजने और पुलिस कमिश्नर के नाम पर धमकियां देने का काम कर रही है। राऊत ने मांग की कि पुलिस कमिश्नर के नाम का दुरुपयोग करने और धमकी देने के आरोप में इस महिला को तुरंत गिरफ्तार कर हथकड़ी पहनाई जानी चाहिए। संजय राऊत ने आशंका जताई कि असली मास्टरमाइंड को बचाने के लिए नई मनगढ़ंत कहानियां गढ़ी जा सकती हैं, लेकिन जनता और ठाकरे गुट इस मामले को किसी भी हाल में दबने नहीं देगा।

रिलायंस होम फाइनेंस घोटाला

सीबीआई ने दाखिल की दूसरी चार्जशीट

7,429 करोड़ के फंड डायवर्जन का आरोप

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

केंद्रीय जांच ब्यूरो ने रिलायंस होम फाइनेंस लिमिटेड से जुड़े मामले में दूसरी चार्जशीट दाखिल की है। चार्जशीट 1 अक्टूबर 2026 को मुंबई स्थित सीबीआई मामलों की विशेष अदालत में दाखिल की गई। इसमें 11 आरोपियों को नामजद किया गया है।



3 वरिष्ठ अधिकारियों के नाम

चार्जशीट में आरएचएफएल के निदेशक एवं सीएफओ अमित बापना, रिलायंस कैपिटल के ग्रुप एमडी एवं वाइस चेयरमैन अमिताभ झुनझुनवाला और रिलायंस पावर के सीएफओ सुरेश नागराजन के नाम शामिल हैं। इसके अलावा आरएचएफएल के वैधानिक ऑडिटर और चार्टर्ड अकाउंटेंट विजय नपावालिया को भी आरोपी बनाया गया है।

7 कंपनियां भी आरोपी

सीबीआई की दूसरी चार्जशीट में रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर, रिलायंस पावर, रिलायंस बिग एंटरटेनमेंट, रिलायंस ब्रॉडकास्ट नेटवर्क, रिलायंस बिजनेस ब्रॉडकास्ट न्यूज होल्डिंग्स, रिलायंस मीडिया वर्क्स फाइनेंशियल सर्विसेज और कुंजबिहारी डेवलपर्स को भी आरोपी बनाया गया है।

7,429.16 करोड़ रुपए के फंड डायवर्जन का आरोप

सीबीआई के अनुसार, अब तक की जांच में सामने आया है कि आरएचएफएल ने कर्ज के रूप में 7,429.16 करोड़ रुपए जुटाए थे। एजेंसी का आरोप है कि इस रकम को मध्यस्थ और कंड्यूट कंपनियों के जरिए रिलायंस एडीए ग्रुप की विभिन्न कंपनियों में कथित तौर पर डायवर्ट किया गया। सीबीआई के मुताबिक, यह लेनदेन कर्जदाताओं की तय शर्तों के उल्लंघन में किया गया।

बैंकों को नुकसान का आरोप

जांच एजेंसी के मुताबिक, कथित फंड डायवर्जन से ऋण देने वाले बैंकों और वित्तीय संस्थानों को नुकसान हुआ, जबकि संबंधित आरोपियों और कंपनियों को अनुचित लाभ पहुंचा। मामले में आपराधिक साजिश और धोखाधड़ी से संबंधित धाराएं लगाई गई हैं।

यूनियन बैंक की शिकायत पर शुरू हुई जांच

सीबीआई ने यह मामला यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, जिसे पहले आंध्रा बैंक के नाम से जाना जाता था, और सार्वजनिक क्षेत्र के अन्य बैंकों के कंसोर्टियम की शिकायतों के आधार पर दर्ज किया था। 9 जुलाई 2026 को एजेंसी ने आरएचएफएल मामले में पहली चार्जशीट दाखिल की थी, जिसमें चार आरोपियों को नामजद किया गया था।

सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में जांच

सीबीआई के मुताबिक, रिलायंस एडीए ग्रुप से जुड़े मामलों की जांच सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में चल रही है। एजेंसी ने अलग-अलग रिलायंस ग्रुप मामलों में अब तक कई चार्जशीट दाखिल की हैं और जांच आगे भी जारी है।

मुंबई एयरपोर्ट टी1 के पुनर्विकास पर बड़ा अपडेट

हिंदमाता नेटवर्क @ पुणे

छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के टर्मिनल-1 के पुनर्निर्माण की तैयारी तेज हो गई है। मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड ने एयरलाइंस को अपने कुछ परिचालन नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर स्थानांतरित करने का विकल्प दिया है। टर्मिनल-1 के पुनर्विकास के दौरान मुंबई एयरपोर्ट पर उड़ानों के संचालन का दबाव बढ़ने की संभावना को देखते हुए यह विकल्प महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

जनवरी 2027 से शुरू हो सकता है पुनर्निर्माण

टी1 के पुनर्निर्माण का काम जनवरी 2027 से शुरू होने की संभावना है। नए टर्मिनल के 2029-30 तक तैयार होने की उम्मीद है। परियोजना के तहत मौजूदा टर्मिनल को नए स्वरूप में विकसित किया जाएगा। निर्माण अवधि के दौरान यात्रियों और एयरलाइंस के परिचालन को प्रभावित होने से बचाने के लिए वैकल्पिक व्यवस्था पर काम किया जा रहा है। एमआईएएल ने एयरलाइंस को 25 अक्टूबर से नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से परिचालन शुरू करने का विकल्प दिया है। एयरलाइंस अपनी जरूरत और परिचालन योजना के अनुसार कुछ सेवाओं को नवी मुंबई स्थानांतरित कर सकती हैं।

गंदगी पर 18.70 लाख जुर्माना

28 दिनों में 1,336 मामलों पर कार्रवाई

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

बीएमसी ने घनकचरा प्रबंधन उपविधि, 2025 के तहत 1 से 28 सितंबर के बीच गंदगी फैलाने और कचरा प्रबंधन नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की। इस दौरान 1,336 मामलों में कुल 18 लाख 70 हजार 350 का जुमार्ना वसूला गया। बीएमसी के अनुसार, सार्वजनिक स्वच्छता, कचरे का वर्गीकरण और पर्यावरण अनुकूल तरीके से कचरे के निपटान से जुड़े नियमों के उल्लंघन पर यह कार्रवाई की गई। जुमार्ने की प्रक्रिया ऑनलाइन होने के कारण राशि सीधे महानगरपालिका के खाते में जमा हुई।



घर-परिसर की गंदगी

घर और उसके आसपास का परिसर साफ नहीं रखने के 443 मामलों में 7 लाख 80 हजार का जुमार्ना लगाया गया। इनमें मालिकों या निवासियों के खिलाफ 203 मामलों में 2.50 लाख और अन्य जिम्मेदार व्यक्तियों के खिलाफ 240 मामलों में 5.29 लाख का जुमार्ना वसूला गया।

निर्माण मलबे पर कार्रवाई

निर्माण और तोड़फोड़ के मलबे की अनधिकृत तरीके से हैंडलिंग और निपटान के 35 मामलों में 5.98 लाख का जुमार्ना लगाया गया। निर्धारित स्थान के अलावा मलबा डालने के 29 मामलों में 4.53 लाख तथा बिना मंजूर योजना के मलबे का परिवहन करने के छह मामलों में 1.45 लाख का जुमार्ना लगाया गया।

सार्वजनिक स्थानों पर कचरा

सड़कों, गलियों, फुटपाथों, उद्यानों और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर कचरा फेंकने के 330 मामलों में 1.67 लाख का जुमार्ना वसूला गया। वहीं, बिना वर्गीकरण किया हुआ कचरा देने के 184 मामलों में 1.68 लाख का जुमार्ना लगाया गया। इनमें 57 मामले व्यक्तिगत नागरिकों और 127 मामले बड़े पैमाने पर कचरा पैदा करने वाले प्रतिष्ठानों से जुड़े थे। इसके अलावा सार्वजनिक स्थानों पर थूकने, पेशाब या शौच करने, पशु-पक्षियों को इस तरह खाना खिलाने जिससे उपद्रव हो, सार्वजनिक स्थानों पर वाहन या बर्तन धोने, कचरा जलाने, विक्रेताओं और फेरीवालों द्वारा नियमों के उल्लंघन तथा पालतू जानवरों से होने वाली गंदगी के मामलों में भी कार्रवाई की गई।

100 डॉक्टरों को नोटिस

लंबे समय से गैरहाजिरी का आरोप

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

बीएमसी ने ड्यूटी से लंबे समय तक गैरहाजिर रहने के आरोप में करीब 100 डॉक्टरों को कारण बताओ नोटिस जारी किए हैं। इनमें प्रमुख अस्पतालों के डीन भी शामिल हैं। बीएमसी को शिकायतें मिली थीं कि कुछ डॉक्टर ड्यूटी के समय अस्पताल परिसर से बाहर जाकर निजी क्लीनिक में प्रैक्टिस कर रहे हैं।



पांच अस्पतालों के डॉक्टरों पर कार्रवाई

बीएमसी के मेडिकल एजुकेशन एवं प्रमुख अस्पतालों के निदेशक डॉ. शैलेश मोहिते के अनुसार, ये नोटिस पांच प्रमुख अस्पतालों के डॉक्टरों को दिए गए हैं। इनमें केईएम अस्पताल के 36, सायन अस्पताल के 30, नायर अस्पताल के 24, कूपर अस्पताल के नौ और नायर डेंटल अस्पताल के एक डॉक्टर शामिल हैं। केईएम अस्पताल के डीन डॉ. हरीश पाठक को भी कारण बताओ नोटिस दिया गया है। डॉ. मोहिते ने बताया कि डीन को अपने अधीन काम करने वाले डॉक्टरों की उपस्थिति पर नजर रखने और यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं कि डॉक्टर ड्यूटी के दौरान अस्पताल में उपलब्ध रहें।

उपस्थिति के साथ काम पर भी नजर

बीएमसी ने स्पष्ट किया है कि केवल अस्पताल में मौजूद रहना ही पर्याप्त नहीं होगा। डॉक्टरों की समय पर उपस्थिति, ड्यूटी के दौरान उनकी सक्रियता और काम के परिणाम पर भी नजर रखी जाएगी। अस्पताल प्रशासन को ऐसे डॉक्टरों की निगरानी करने के निर्देश दिए गए हैं। बीएमसी के नियमों के अनुसार डॉक्टरों को आधिकारिक कार्य समय के दौरान निजी प्रैक्टिस करने की अनुमति नहीं है। डॉक्टरों को आमतौर पर सुबह नौ बजे से शाम चार बजे तक अस्पताल में उपलब्ध रहना होता है। हालांकि, कुछ डॉक्टरों की ड्यूटी 24 से 36 घंटे तक भी चल सकती है। बीएमसी प्रशासन द्वारा प्रोफेसर डॉक्टर पर उनकी उपस्थिति को लेकर दिया दिशा निर्देश से हो रही परेशानी और नोटिस को लेकर समय से पहले ही नौकरी छोड़ने की तैयारी दिखाई है इसमें केईएम के तीन मुख्य डॉक्टर मुख्य रूप से हैं। डॉक्टरों ने बड़े पैमाने पर वीआरएस लेने की तैयारी कर रहे हैं।

समंदर में जहाज, स्पीडबोट से पहुंचे 8 चोर, रिसाव से 4 की मौत

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

मुंबई के मनोरी बीच के पास फंसे एक विदेशी झंडे वाले जहाज में चोरी के प्रयास के दौरान जहरीली गैस की चपेट में आने से चार लोगों की मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक, यह घटना दो से तीन दिन पहले हुई थी। मृतकों की उम्र 30 वर्ष से कम बताई जा रही है। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, तेज हवाओं और भारी बारिश के कारण यह जहाज करीब चार महीने पहले मुंबई तट के पास फंस गया था। शुरूआती जांच में सामने आया है कि एक गिरोह पिछले करीब एक महीने से जहाज को निशाना बना रहा था। पुलिस को संदेह है कि गिरोह के सदस्य पहले भी जहाज से चोरी कर चुके थे। पुलिस ने बताया कि घटना से दो से तीन दिन पहले आठ लोग एक स्पीडबोट के जरिए जहाज तक पहुंचे। इनमें से एक व्यक्ति नाव पर ही रुक गया, जबकि सात लोग जहाज के भीतर गए। इनमें से चार लोग कथित तौर पर चोरी के इरादे से जहाज के अंदर पहुंचे थे। वे गैस कटर की मदद से गैस पाइपलाइन काटने का प्रयास कर रहे थे।

हिंदमाता एंकरः 31 जनवरी 2027 तक पूरा करने की डेडलाइन

नेहरू विज्ञान केंद्र-तारांगण फ्लाईओवर का काम तेज



हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

वर्ली में नेहरू विज्ञान केंद्र से नेहरू तारांगण के बीच बन रहे फ्लाईओवर और सब-वे का काम तेज गति से पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं। अतिरिक्त मनपा आयुक्त (प्रकल्प) अभिजीत बांगर ने बुधवार को परियोजना स्थल का निरीक्षण किया और अधिकारियों को 31 जनवरी 2027 तक फ्लाईओवर का काम पूरा करने का निर्देश दिया।

मनुष्यबल और मशीनरी बढ़ाने के निर्देश

अभिजीत बांगर ने परियोजना के बाकी कामों के लिए पर्याप्त मनुष्यबल, मशीनरी और अन्य संसाधनों की व्यवस्था करने को कहा। साथ ही, विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय बनाने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि निर्माण कार्य में किसी तरह की देरी न हो। बीएमसी के अनुसार, फ्लाईओवर शुरू होने के बाद वाहन चालकों को वर्ली नाका से घूमकर जाने की जरूरत कम होगी। इससे यात्रा समय में करीब 15 मिनट तक की कमी आने की उम्मीद है। इससे क्षेत्र में यातायात व्यवस्था को भी बेहतर बनाने में मदद मिल सकती है।

ई. मोसेस रोड से मिलेगा सीधा मार्ग

बांगर ने बताया कि ई. मोसेस रोड से एनी बेसेंट रोड और कोस्टल रोड की ओर सीधा मार्ग उपलब्ध होने से लोअर परेल, महालक्ष्मी और करी रोड की ओर से आने वाले वाहन चालकों को सुविधा मिलेगी। इससे वर्ली नाका क्षेत्र में यातायात का दबाव कम होने के साथ ईंधन की बचत होने की भी उम्मीद है। परियोजना की प्रगति के अनुसार, नेहरू विज्ञान केंद्र की ओर 1,200 मिमी व्यास वाली मुख्य पाइलिंग का काम पूरा हो चुका है। यहां 18 में से 17 पाइल कैप, पियर और पियर कैप का काम पूरा किया जा चुका है। जिजामाता नगर की ओर सभी 17 पाइल कैप, पियर और पियर कैप का काम पूरा हो गया है।

17 गर्डर स्पैन का निर्माण पूरा

परियोजना में कुल 14 पोर्टल बीम में से सभी का निर्माण पूरा हो चुका है। वहीं, 18 में से 17 गर्डर स्पैन तैयार किए जा चुके हैं। इनमें से 13 पोर्टल बीम और 9 गर्डर स्पैन की स्थापना भी पूरी हो गई है। 18 में से 7 स्पैन पर डेक स्लैब का कंक्रीटीकरण पूरा हो चुका है। निर्माण कार्य के दौरान यातायात व्यवस्था सुचारु रखने के लिए बांगर ने ट्रैफिक पुलिस के साथ समन्वय कर उचित ट्रैफिक प्लान तैयार करने के निर्देश दिए हैं। इससे निर्माण के साथ-साथ आसपास के मार्गों पर वाहनों की आवाजाही बनाए रखने की कोशिश की जाएगी।

सूखे को लेकर कांग्रेस ने मंत्री बावनकुले को सौपा ज्ञापन

किसानों के लिए 17 मांगें रखीं

हिंदमाता नेटवर्क @ छत्रपति संभाजीनगर

छत्रपति संभाजीनगर जिले में सूखे की स्थिति से प्रभावित किसानों और खेतिहर मजदूरों को तत्काल राहत देने की मांग को लेकर जिला कांग्रेस ने राज्य सरकार के सामने 17 सूत्रीय मांगों का विस्तृत ज्ञापन रखा है। जिला कांग्रेस अध्यक्ष किरण पाटील डोणगावकर तथा काँग्रेस शहराध्यक्ष एड. सय्यद अक्रम के नेतृत्व में कांग्रेस पदाधिकारियों ने शुक्रवार को छत्रपति संभाजीनगर दौरे पर आए राज्य के राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले से मुलाकात की और उन्हें ज्ञापन सौंपा। कांग्रेस ने किसानों को प्रति हेक्टेयर एक लाख रुपए तथा खेतिहर मजदूरों को 25 हजार रुपए की आर्थिक सहायता देने के साथ फसल, पानी, पशुधन, रोजगार और शिक्षा से जुड़े कई मुद्दों पर तत्काल निर्णय लेने की मांग की। ज्ञापन में छत्रपति संभाजीनगर जिले की सभी तहसीलों में सूखे से प्रभावित किसानों को तत्काल आर्थिक सहायता देने की मांग की गई है।



सोयाबीन और कपास के लिए विशेष सहायता

कांग्रेस ने कहा कि खरीफ फसलों को हुए नुकसान के कारण किसानों की आर्थिक स्थिति कमजोर हुई है। ऐसे में सरकारी सहायता में देरी होने पर किसानों और ग्रामीण मजदूर परिवारों के सामने और गंभीर संकट खड़ा हो सकता है। कांग्रेस ने सोयाबीन उत्पादक किसानों को 58 हजार रुपए तथा कपास उत्पादकों को 52 हजार रुपए प्रति हेक्टेयर के अनुसार फसल बीमा योजना का लाभ देने की मांग की है। इसके अलावा फलबाग, केला, गन्ना और धान जैसी फसलों को हुए नुकसान के लिए भी अलग से आर्थिक सहायता देने की मांग की गई है। ज्ञापन में किसानों के कृषि ऋण माफ करने तथा कृषि पंपों के बिजली बिल माफ करने की मांग प्रमुखता से रखी गई। सूखा प्रभावित क्षेत्रों में किसानों के बिजली कनेक्शन नहीं काटने और बिजली आपूर्ति बाधित नहीं करने की मांग भी की गई है।

दैनिक हिंदमाता मिरर
पैनी नजर, पुख्ता खबर
ठाणे, शनिवार 3 अक्टूबर, 2026
माइंड MIRROR

विचार प्रवाह



अपने लक्ष्य प्राप्त करके आपको जो मिलता है वो इतना जरूरी नहीं है जितना कि अपना लक्ष्य प्राप्त करके आप जो बन जाते हैं।

- जिग जिगलर

संपादकीय

आसमानी साहस ने टाली बड़ी त्रासदी

कल्पना करना भी कठिन है कि सैकड़ों यात्रियों की सुरक्षा की जिम्मेदारी संभालने वाला कोई को-पायलट अपने ही कैप्टन पर हमला कर विमान को दुर्घटनाग्रस्त करने की साजिश रच सकता है। विमानन क्षेत्र में पायलटों के बीच आपसी विश्वास और जिम्मेदारी सर्वोपरि मानी जाती है। ऐसे में यदि कोई पायलट अपने ही पेशे और कर्तव्य से गद्दारी करते हुए यात्रियों की जान खतरे में डाल दे, तो यह पूरी विमानन सुरक्षा व्यवस्था के लिए गंभीर चिंता का विषय है। फ्लाई दुबई के विमान में घटी घटना इसी भयावह सच्चाई को सामने लाती है। दुबई से तेल अवीव जा रही फ्लाई दुबई की उड़ान में कैप्टन स्मित मच्छार ने अदम्य साहस और सूझबूझ का परिचय देकर एक बड़ी हवाई त्रासदी को टाल दिया। को-पायलट के हमले में गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद उन्होंने हार नहीं मानी। बेहद मुश्किल परिस्थितियों में उन्होंने कॉकपिट का दरवाजा खोलकर यात्रियों और क्रू मेंबर्स से मदद मांगी। विमान हजारों फीट नीचे गिर रहा था, लेकिन उनके साहस और सहयोग से विमान को दोबारा नियंत्रित कर सऊदी अरब में सुरक्षित उतारा जा सका। विमान में सवार 174 यात्रियों की जान बचाने में उनकी भूमिका असाधारण रही। कैप्टन स्मित मच्छार के साहस की दुनिया भर में प्रशंसा हो रही है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने भी सार्वजनिक रूप से उनके साहस की तारीफ की है। इस्त्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि एक भारतीय ने दूसरी 9/11 जैसी त्रासदी होने से बचा लिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी स्मित के साहस की सराहना करते हुए इसे देश के लिए गर्व का विषय बताया। इस्त्राइल में विमान की सुरक्षित लैंडिंग के बाद यात्री यानीव हायुन को भी उनके साहस के लिए सम्मान मिला। नेतन्याहू ने हवाई अड्डे पर पहुंचकर उनकी पीठ थपथपाई। संकट के समय यात्रियों और चालक दल के सदस्यों ने जिस तरह एक-दूसरे का साथ दिया, वह मानवीय साहस और सामूहिक जिम्मेदारी का प्रेरक उदाहरण है। इस घटना ने कई गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। आखिर को-पायलट अपने ही विमान को दुर्घटनाग्रस्त क्यों करना चाहता था? क्या इसके पीछे कोई आत्मघाती विचारधारा थी, कोई आतंकी साजिश थी या फिर कोई अन्य कारण? क्या को-पायलट का कट्टरपंथ की ओर झुकाव इसकी वजह था अथवा कोई मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्या? इन सवालों के जवाब जांच पूरी होने के बाद ही मिल सकेंगे। साजिश में ईरान की कथित भूमिका को लेकर किए जा रहे दावों की भी अभी पुष्टि नहीं हुई है। इसलिए किसी निष्कर्ष पर पहुंचने के बजाय तथ्यों और प्रमाणों के आधार पर जांच आगे बढ़ाना जरूरी है। सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और इस्त्राइल के जांचकर्ताओं के बीच सहयोग से घटना की वास्तविक वजह सामने आ सकती है। इस घटना का सबसे चिंताजनक पहलू विमान के कॉकपिट की सुरक्षा है। सवाल उठता है कि को-पायलट के पास प्राणघातक हथियार कैसे पहुंचा? क्या विमान के उड़ान भरने से पहले सुरक्षा संबंधी सभी नियमों का पूरी तरह पालन किया गया था? क्या मौजूदा विमानन प्रोटोकॉल ऐसी अप्रत्याशित परिस्थितियों से निपटने के लिए पर्याप्त हैं? इन सवालों की पारदर्शी जांच आवश्यक है। पायलटों की मानसिक और पेशेवर स्थिति की निगरानी, कॉकपिट में सुरक्षा व्यवस्था तथा आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने की तैयारी पर भी नए सिरे से विचार करना होगा। इस्त्राइल पर हमास के हमले की तीसरी बरसी से कुछ दिन पहले हुई इस घटना ने वैश्विक स्तर पर हवाई यात्रा की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है। विमानन क्षेत्र में तकनीकी सुरक्षा के साथ मानवीय व्यवहार और पेशेवर जिम्मेदारी भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। किसी भी सुरक्षा व्यवस्था की सफलता तभी सुनिश्चित हो सकती है, जब उसमें संभावित खतरों की पहचान और उनसे निपटने के प्रभावी उपाय मौजूद हों। कैप्टन स्मित मच्छार का साहस निश्चित रूप से असाधारण है, लेकिन किसी भी विमान की सुरक्षा केवल किसी एक व्यक्ति की बहादुरी पर निर्भर नहीं रह सकती। यात्रियों की सुरक्षा के लिए ऐसी व्यवस्था जरूरी है, जो किसी भी अप्रत्याशित खतरे को समय रहते रोक सके। इस घटना से सबक लेते हुए अंतरराष्ट्रीय विमानन संस्थाओं और संबंधित देशों को सुरक्षा नियमों की समीक्षा करनी चाहिए। कॉकपिट की निगरानी, हथियारों की रोकथाम, चालक दल के प्रशिक्षण और आपातकालीन प्रक्रियाओं को और मजबूत करना समय की मांग है।

आज का इतिहास



■ 1735 - फ्रांस और छठे कैरल सम्राट ने शांति समझौते पर हस्ताक्षर किए।
■ 1831- मैसूर (अब मैसुरु) पर ब्रिटेन ने कब्जा किया।
■ 1880 - पहले मराठी संगीत नाटक 'संगीत शाकुन्ताल' का पुणे में मंचन किया गया।
■ 1915 - नेवादा के प्लेजेंट वैली में 7.8 रिक्टर पैमाने का भूकंप आया।
■ 1932 - इराक यूनाइटेड किंगडम से स्वतंत्र हुआ।
■ 1977 - पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को भ्रष्टाचार के आरोप में गिरफ्तार किया गया।
■ 1978 - कलकत्ता (अब कोलकाता) में पहला और दुनिया के दूसरे टेस्ट ट्यूब बेबी का जन्म हुआ।
■ 1984 - भारत की सबसे लंबी दूरी की ट्रेन हिमसागर एक्सप्रेस कन्याकुमारी से जम्मू तवी के लिए रवाना की गयी।
■ 1992 - गीत सेठी ने विश्व पेशेवर बिलियर्ड्स चैम्पियनशिप जीता।
■ 1994 - भारत ने सुरक्षा परिषद की स्थायी सदस्यता के लिए औपचारिक रूप से अपना दावा पेश किया।
■ 1995 - चीन एवं इंग्लैंड के बीच हांगकांग के सुगम हस्तांतरण पर सहमति।
■ 1999 - आण्विक पदार्थों के आवागमन और आण्विक दुर्घटनाओं को रोकने हेतु सं.रा. अमेरिका तथा रूस ने संयुक्त संकट केंद्र की स्थापना की।
■ 2002 - नोबेल शांति पुरस्कार के लिए प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी, अमेरिका के राष्ट्रपति जार्ज डब्ल्यू बुश और ब्रिटेन के प्रधानमंत्री टोनी ब्लेयर को संयुक्त रूप से देनी की सिफारिश की गई।
■ 2003 - पाकिस्तान ने हल्फ-III मिसाइल का परीक्षण किया।
■ 2004 - लश्कर-ए-तैयबा का राजनीतिक संगठन दो हिस्सों में बंटा।
■ 2006 - संयुक्त राष्ट्र संघ के नये महासचिव दक्षिण कोरिया के बान की मून होंगे।
■ 2008- टाटा मोटर्स के चेयरमैन रतन टाटा ने सिंगूर से नैनो कार परियोजना अन्यत्र ले जाने की घोषणा की।
■ 2013 - इतालवी द्वीप लात्पेदुसा के पास एक नाव के डूब जाने से करीब 134 लोगों की मौत हो गई।
■ 1999 - निषाद कुमार - ऊंची कूद के भारतीय पैरा एथलीट हैं।
■ 1967 - गजेंद्र सिंह शेखावत - भारतीय जनता पार्टी के राजनीतिज्ञ हैं।
■ 1959 - सुबीर गोकर्ण - भारत के प्रसिद्ध अर्थशास्त्री थे।
■ 1953-दीपक मिश्रा-भारत के 45वें मुख्य न्यायाधीश हैं।

बैंकिंग के निजीकरण से कितना सुरक्षित रहेगा आम आदमी का हित?

विकसित भारत के लिए बड़ी बैंकें

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली



वर्ष 2047 तक विकसित भारत का सपना साकार करने के लिए मजबूत बैंकिंग व्यवस्था की जरूरत है। प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद की एक अध्ययन रिपोर्ट में सुझाव दिया गया है कि देश में बैंकिंग क्षेत्र की प्रतिस्पर्धा को प्रभावित किए बिना समान आकार, मजबूत पूंजी आधार, व्यापक भौगोलिक पहुंच और बड़ी परियोजनाओं को वित्त उपलब्ध कराने की क्षमता रखने वाले कुछ बड़े बैंक तैयार किए जाने चाहिए। इस उद्देश्य से बैंकों के विलय और एकीकरण पर जोर दिया जा रहा है। वैश्विक बैंकिंग व्यवस्था में हो रहे बदलावों और नई तकनीकों को अपनाकर बैंकों की कार्यक्षमता बढ़ाना भी इसका प्रमुख लक्ष्य बताया गया है।

12 बैंकों से तीन-चार बैंक बनाने की तैयारी

सरकार का मानना है कि सार्वजनिक क्षेत्र के 12 बैंकों को मिलाकर तीन से चार बड़े बैंक बनाए जाएं, ताकि वे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बड़ी वित्तीय संस्थाओं से प्रतिस्पर्धा कर सकें। साथ ही, देश में सड़क, रेलवे, ऊर्जा और अन्य बुनियादी सुविधाओं के विकास के लिए बड़े पैमाने पर वित्त जुटाया जा सके। इससे पहले वर्ष 2020 में केंद्र सरकार ने 27 राष्ट्रीयकृत बैंकों का विलय कर उनकी संख्या 12 कर दी थी। उस समय बैंकिंग क्षेत्र को अधिक सक्षम बनाने के साथ-साथ सार्वजनिक बैंकों के निजीकरण की दिशा में भी कदम बढ़ाए गए थे। हालांकि, बड़े बैंकों का निर्माण और उनका निजीकरण दो अलग-अलग विषय हैं। इनके बीच अंतर को समझना जरूरी है।

निजीकरण से जुड़ी चिंताएं

वर्ष 2021-22 के केंद्रीय बजट में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने दो सरकारी बैंकों के निजीकरण और आईडीबीआई बैंक की हिस्सेदारी बेचने की घोषणा की थी। आईडीबीआई बैंक में 60.72 प्रतिशत हिस्सेदारी विदेशी बैंक को बेचने की प्रक्रिया अंतिम चरण में होने का उल्लेख किया गया है। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या वैश्विक स्तर के बैंक बनाने के लिए सार्वजनिक क्षेत्र की संस्थाओं का निजीकरण ही एकमात्र रास्ता है? जिन बैंकों में करोड़ों लोगों की मेहनत की कमाई जमा है, उनके स्वामित्व में बदलाव का असर केवल बैंकिंग व्यवस्था तक सीमित नहीं रहेगा। इसका संबंध देश की वित्तीय सुरक्षा, आम जमाकताओं के भरोसे और आर्थिक नीतियों की स्वतंत्रता से भी है।

बीमा क्षेत्र में विदेशी पूंजी का विस्तार

बैंकिंग के साथ बीमा क्षेत्र में भी विदेशी निवेश और निजी भागीदारी बढ़ रही है। अमेरिका सहित अन्य बड़े देशों के दबाव के बीच भारत ने बीमा क्षेत्र को घरेलू और विदेशी कंपनियों के लिए अधिक खोलने की दिशा में कदम उठाए हैं। बीमा क्षेत्र में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश की सीमा 100 प्रतिशत किए जाने से विदेशी कंपनियों की भागीदारी का दायरा बढ़ा है। इसके अलावा, भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) में भी सरकार ने 10 प्रतिशत हिस्सेदारी बेचकर विनिवेश की प्रक्रिया आगे बढ़ाई है। एलआईसी की विशाल वित्तीय क्षमता को देखते हुए उसके स्वामित्व और नियंत्रण में होने वाले बदलावों का व्यापक आर्थिक प्रभाव पड़ सकता है।

एलआईसी की वित्तीय ताकत का महत्व

एलआईसी देश की प्रमुख वित्तीय संस्थाओं में शामिल है। इसकी संपत्ति 59 लाख करोड़ रुपए से अधिक बताई गई है, जबकि वर्ष 2025-26 में इसका कुल राजस्व 9,72,914 करोड़ रुपए रहा। इतनी बड़ी वित्तीय क्षमता वाली संस्था देश के पूंजी बाजार और विकास परियोजनाओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। ऐसे में विनिवेश की प्रक्रिया को केवल सरकारी राजस्व जुटाने या बाजार में हिस्सेदारी बढ़ाने तक सीमित करके नहीं देखा जाना चाहिए। इसके दीर्घकालीन प्रभावों, पॉलिसीधारकों के हितों और सामाजिक सुरक्षा में एलआईसी की भूमिका पर भी विचार करना आवश्यक है। वित्तीय संस्थाओं में निजी और विदेशी पूंजी के विस्तार के साथ सार्वजनिक हितों की रक्षा के लिए स्पष्ट नियामक व्यवस्था भी उतनी ही जरूरी है।

वित्तीय समावेशन की मूल भावना

बैंकों के राष्ट्रीयकरण का एक प्रमुख उद्देश्य यह था कि बैंकिंग सेवाएं केवल संपन्न और शहरी आबादी तक सीमित न रहें, बल्कि गांवों, छोटे शहरों और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों तक भी पहुंचें। वित्तीय समावेशन के इसी उद्देश्य को आगे बढ़ाने के लिए प्रधानमंत्री जनधन योजना शुरू की गई। इस योजना के तहत 57.99 करोड़ खाते खोले गए, जिनमें से केवल 2.2 करोड़ खाते निजी बैंकों में खोले गए थे। यह आंकड़ा सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की व्यापक पहुंच और वित्तीय समावेशन में उनकी भूमिका को दर्शाता है। हालांकि, केवल खाता खोलना ही पर्याप्त नहीं है। खातों का सक्रिय रहना, नियमित लेनदेन और जरूरत के समय सुलभ बैंकिंग सेवाएं मिलना भी उतना ही महत्वपूर्ण है।

निजी बैंकों की कार्यप्रणाली पर सवाल

निजी बैंकों की कार्यप्रणाली को लेकर न्यूनतम जमा राशि, सेवा शुल्क और बचत पर मिलने वाले ब्याज जैसे मुद्दे अक्सर चर्चा में रहते हैं। कई बैंकों में न्यूनतम बैलेंस बनाए रखने की शर्त और निर्धारित सीमा से कम राशि होने पर लगने वाला जुमार्ना कम आय वाले ग्राहकों के लिए परेशानी का कारण बन सकता है। इसके अलावा, विभिन्न सेवाओं पर लगने वाले शुल्क और जमा राशि पर मिलने वाले ब्याज का अंतर भी ग्राहकों के लिए महत्वपूर्ण है। हालांकि, सभी निजी बैंकों की नीतियां एक जैसी नहीं हैं और कई निजी बैंक भी वित्तीय समावेशन तथा डिजिटल बैंकिंग के विस्तार में योगदान दे रहे हैं। इसलिए जरूरी है कि सार्वजनिक और निजी, दोनों क्षेत्रों में ग्राहकों के हितों को समान महत्व दिया जाए।

निष्क्रिय खातों से मिलने वाला संकेत

जनधन योजना के तहत खोले गए 15.17 करोड़ खाते निष्क्रिय बताए गए हैं, जबकि योजना में शून्य शेष राशि की सुविधा उपलब्ध है। इनमें बड़ी संख्या में निजी बैंकों के खाते होने का दावा किया गया है। यह स्थिति वित्तीय समावेशन की वास्तविक सफलता पर सवाल खड़े करती है। दूसरी ओर, देश की लगभग 80 करोड़ आबादी को मुफ्त अनाज उपलब्ध कराने की व्यवस्था यह दर्शाती है कि बड़ी संख्या में लोग अब भी सरकारी सहायता पर निर्भर हैं। ऐसे सामाजिक और आर्थिक परिदृश्य में बैंकिंग सेवाओं की लागत, पहुंच और उपलब्धता पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। सार्वजनिक बैंकों के विलय के बाद यदि शाखाओं की संख्या घटती है या ग्रामीण क्षेत्रों में सेवाएं सीमित होती हैं, तो इसका सीधा असर कमजोर वर्गों पर पड़ सकता है।

विलय के साथ जवाबदेही भी जरूरी

बड़े बैंक बनाने से पूंजी की उपलब्धता, तकनीकी निवेश और अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा की क्षमता बढ़ सकती है। लेकिन बैंक का आकार बढ़ना अपने आप में बेहतर बैंकिंग व्यवस्था की गारंटी नहीं है। विलय के दौरान शाखाओं, कर्मचारियों, ग्राहकों और स्थानीय जरूरतों को ध्यान में रखना आवश्यक है। साथ ही, सरकारी बैंकों के स्वामित्व और भविष्य की भूमिका को लेकर स्पष्ट नीति होनी चाहिए। निजीकरण के संभावित लाभों के साथ उससे जुड़े जोखिमों का भी निष्पक्ष आकलन जरूरी है। विकसित भारत का लक्ष्य केवल बड़ी वित्तीय संस्थाएं खड़ी करने से पूरा नहीं होगा। इसके लिए ऐसी बैंकिंग व्यवस्था चाहिए, जो बड़े उद्योगों और बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को पूंजी उपलब्ध कराने के साथ छोटे कारोबारियों, किसानों, श्रमिकों और आम जमाकताओं की जरूरतें भी पूरी करे। बैंकिंग सुधारों की वास्तविक कसौटी यही होनी चाहिए कि आर्थिक विकास के लाभ समाज के हर वर्ग तक पहुंचें और देश की वित्तीय व्यवस्था मजबूत होने के साथ जनविश्वास भी कायम रहे।

अमेरिकी दखलंदाजी और पश्चिम एशिया का बिगड़ता संतुलन

● तीन घटनाएं, एक साझा सूत्र

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली



पश्चिम एशिया में हाल की तीन घटनाओं को एक साथ देखने पर एक व्यापक संकट की तस्वीर उभरती है। पहली घटना इराक से अमेरिकी सेना की पूरी तरह वापसी की है। दूसरी, इस्त्राइल जा रहे विमान पर कथित आतंकी हमले की है, जबकि तीसरी घटना इराक से अमेरिकी सेना की वापसी पर ईरान में मनाए गए जश्न की है। इन तीनों घटनाओं के केंद्र में अमेरिका है। इनका आपसी संबंध केवल संयोग नहीं, बल्कि पिछले दो दशकों से पश्चिम एशिया में चल रही भू-राजनीतिक उथल-पुथल को समझने का अवसर भी है। अमेरिकी हस्तक्षेप, क्षेत्रीय प्रतिद्वंद्विता और सत्ता के बदलते समीकरणों ने इस पूरे इलाके को अस्थिर बनाया है।

9/11 के बाद शुरू हुआ युद्ध

11 सितंबर 2001 को अमेरिका के वर्ल्ड ट्रेड सेंटर पर हुए आतंकी हमलों ने पूरी दुनिया को हिला दिया था। तत्कालीन राष्ट्रपति जॉर्ज डब्ल्यू. बुश ने आतंकवाद के खिलाफ युद्ध की घोषणा करते हुए अफगानिस्तान पर हमला किया। वहां तालिबान का शासन था और अलकायदा प्रमुख ओसामा बिन लादेन को पनाह देने का आरोप था। हालांकि, तालिबान और 9/11 के हमलावरों के बीच संबंधों तथा अफगानिस्तान में अमेरिकी सैन्य कार्रवाई के औचित्य को लेकर कई सवाल उठे। इसके बाद अमेरिका ने इराक की ओर रुख किया। सद्दाम हुसैन के शासन को हटाने के लिए सामूहिक विनाश के हथियारों की मौजूदगी को प्रमुख आधार बनाया गया। बाद में इराक में ऐसे हथियारों का कोई प्रमाण नहीं मिला।

सद्दाम से अमेरिका की पुरानी नजदीकी

इराक पर अमेरिकी कार्रवाई को समझने के लिए अमेरिका और सद्दाम हुसैन के पुराने संबंधों पर नजर डालना जरूरी है। 1980 में इराक और ईरान के बीच युद्ध शुरू हुआ तो अमेरिका ने इराक को सहायता दी। उस दौर में अमेरिका की नीतियां क्षेत्रीय हितों और सामरिक समीकरणों से संचालित थीं। ईरान में अयातुल्ला रुहोल्ला खुमैनी की सत्ता आने के बाद अमेरिका इराक को ईरान के प्रभाव को सीमित करने वाले सहयोगी के रूप में देख रहा था। इसी दौर में अमेरिका के ईरान को गुप्त हथियार आपूर्ति करने और निकारागुआ के विद्रोहियों को वित्तीय मदद पहुंचाने से जुड़ा ईरान-कॉन्ट्रा विवाद भी सामने आया। सद्दाम को पश्चिमी देशों से मिले समर्थन के बावजूद बाद में अमेरिका ने उसे अपना प्रमुख शत्रु बना लिया।

तेल और सामरिक हितों का सवाल

इराक के तेल संसाधनों पर नियंत्रण और राष्ट्रीयकरण का मुद्दा भी अमेरिकी-इराकी संबंधों में महत्वपूर्ण रहा। सद्दाम हुसैन ने तेल उद्योग को सरकारी नियंत्रण में रखा। इराक के तेल क्षेत्र में अमेरिकी कंपनियों के हित और निवेश जुड़े होने के कारण इस फैसले का आर्थिक महत्व था। हालांकि, इराक पर अमेरिकी हमले को केवल तेल के हितों से जोड़कर देखना भी पर्याप्त नहीं होगा। अमेरिका ने सद्दाम पर सामूहिक विनाश के हथियार रखने और अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा पैदा करने के आरोप लगाए। मार्च 2003 में अमेरिकी नेतृत्व वाली सेनाओं ने इराक पर हमला किया। कुछ ही समय में सद्दाम हुसैन का शासन समाप्त हो गया। लेकिन सत्ता परिवर्तन के बाद इराक में स्थिरता स्थापित करने की चुनौती कहीं अधिक जटिल साबित हुई।

23 वर्षों की सैन्य मौजूदगी का हिसाब

30 सितंबर 2026 को इराक से अमेरिकी सेना की अंतिम टुकड़ी की वापसी के साथ वहां अमेरिकी नेतृत्व वाले इस्लामिक स्टेट विरोधी सैन्य अभियान का अंत हुआ। वर्ष 2003 में सद्दाम हुसैन को सत्ता से हटाने के लिए शुरू हुआ अमेरिकी सैन्य हस्तक्षेप बाद में आतंकवादी संगठन इस्लामिक स्टेट के खिलाफ अभियान तक पहुंचा। इस लंबे सैन्य हस्तक्षेप की मानवीय और आर्थिक कीमत बहुत बड़ी रही। मूल लेख के अनुसार, इस दौरान लगभग 2.20 लाख इराकी नागरिकों की मौत हुई, 4,599 अमेरिकी सैनिक मारे गए और अमेरिकी करदाताओं के करीब 2.8 लाख करोड़ डॉलर खर्च हुए। इतने बड़े नुकसान के बाद भी इराक में स्थायी राजनीतिक स्थिरता स्थापित नहीं हो सकी।

इराक में अस्थिरता और ईरान का बढ़ता प्रभाव

अमेरिकी सेना की वापसी के बाद इराक के सामने सुरक्षा और राजनीतिक स्थिरता की चुनौती बनी हुई है। देश में सरकार और सुरक्षा बल मौजूद हैं, लेकिन विभिन्न सशस्त्र गुटों तथा आतंकवादी संगठनों का प्रभाव चिंता का विषय है। दूसरी ओर, पड़ोसी ईरान ने इराक की राजनीति और कुछ सशस्त्र संगठनों के बीच अपना प्रभाव बढ़ाया है। ईरान समर्थित गुटों की मौजूदगी इराक की आंतरिक राजनीति और सुरक्षा व्यवस्था को प्रभावित करती रही है। इस्लामिक स्टेट के बचे हुए नेटवर्क के दोबारा सक्रिय होने की आशंका भी बनी हुई है। ऐसे में अमेरिकी सैन्य मौजूदगी समाप्त होने से इराक की संप्रभुता को मजबूती मिल सकती है, लेकिन इसके साथ सुरक्षा संबंधी जोखिमों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। इराक की तरह लीबिया का उदाहरण भी विदेशी सैन्य हस्तक्षेप के परिणामों पर सवाल खड़े करता है। अमेरिका और उसके सहयोगियों के हस्तक्षेप के बाद लीबिया में मुअम्मर गद्दाफी का शासन समाप्त हो गया। लेकिन सत्ता परिवर्तन के बाद वहां स्थायी राजनीतिक व्यवस्था स्थापित नहीं हो सकी। देश में लंबे समय तक संघर्ष, सत्ता के लिए प्रतिस्पर्धा और विभिन्न सशस्त्र गुटों का प्रभाव बना रहा। इराक और लीबिया दोनों के अनुभव बताते हैं कि किसी शासक को सत्ता से हटाना और किसी देश में स्थायी शांति तथा लोकतांत्रिक संस्थाओं का निर्माण करना दो अलग-अलग चुनौतियां हैं।

महाशक्ति की सीमाएं और शक्ति संतुलन

आज ईरान पश्चिम एशिया में अमेरिका के लिए एक बड़ी सामरिक चुनौती बना हुआ है। सऊदी अरब और इस्त्राइल जैसे अमेरिकी सहयोगियों के साथ उसके तनाव, यमन में हूती विद्रोहियों का प्रभाव और इराक में उसकी राजनीतिक-सैन्य सक्रियता क्षेत्रीय समीकरणों को जटिल बनाती है। अमेरिकी सेना की वापसी को ईरान समर्थक गुट अपनी उपलब्धि के रूप में देख रहे हैं। हालांकि, इसे केवल ईरान की जीत या अमेरिका की पराजय कहना पूरे घटनाक्रम को सीमित नजरिये से देखना होगा। अमेरिका और इराक के बीच हुए समझौते के तहत सैन्य अभियान समाप्त हुआ है, जबकि प्रशिक्षण और खुफिया सहयोग जैसे द्विपक्षीय संबंध जारी रह सकते हैं। इससे स्पष्ट है कि सैन्य मौजूदगी समाप्त होने का अर्थ किसी क्षेत्र से राजनीतिक और कूटनीतिक प्रभाव का पूरी तरह खत्म हो जाना नहीं है।

प्रेरक प्रसंग

मूर्ख बगुला और नेवला

एक जंगल में विशाल वट-वृक्ष था। उसकी खोखली डालियों में बहुत से बगुले रहते थे। उसी पेड़ की जड़ में एक सांप का बिल था। वह सांप अक्सर बगुलों के छोटे-छोटे बच्चों को



खा जाता था। बार-बार अपने बच्चों को खोने के कारण एक बगुला बहुत दुखी रहने लगा। एक दिन वह उदास होकर नदी के किनारे बैठा रो रहा था। उसकी आंखों में आंसू देखकर एक केकड़ा पानी से बाहर आया और बोला, "मामा! आज इतने दुखी क्यों हो? क्या बात है?" बगुले ने रोते हुए कहा, "भैया! एक सांप मेरे बच्चों को बार-बार खा जाता है। मैं उससे बहुत परेशान हूं। मुझे कोई ऐसा उपाय नहीं सूझ रहा, जिससे उस सांप का अंत हो सके। तुम ही कोई रास्ता बताओ।" केकड़ा मन ही मन सोचने लगा, 'यह बगुला मेरा जन्मजात शत्रु है। क्यों न इसे ऐसा उपाय बताऊं, जिससे सांप के साथ-साथ इसका भी नाश हो जाए।' उसने बगुले से कहा, "मामा! तुम कुछ मांस के टुकड़े लेकर नेवले के बिल के पास डाल दो। फिर उन टुकड़ों को नेवले के बिल से लेकर सांप के बिल तक बिखेर देना। नेवला मांस खाते-खाते सांप के बिल तक पहुंच जाएगा। वहां सांप को देखकर वह उसे मार डालेगा।" बगुले को केकड़े की बात अच्छी लगी। उसने बिना कुछ सोचे-समझे वैसा ही किया। मांस के टुकड़ों की गंध पाकर नेवला अपने बिल से बाहर निकला और उन्हें खाता हुआ सांप के बिल तक पहुंच गया। वहां उसने सांप को देखा और तुरंत उसे मारकर खा लिया।

■ लेकिन सांप को मारने के बाद नेवले की भूख शांत नहीं हुई। वह पेड़ पर चढ़ गया और वहां रहने वाले बगुलों तथा उनके बच्चों को भी अपना शिकार बनाने लगा। इस तरह बगुले ने अपने बच्चों को बचाने के लिए जो उपाय किया था, वही उसके और दूसरे बगुलों के विनाश का कारण बन गया। उसे अपनी मूर्खता और बिना सोचे-समझे निर्णय लेने का भारी परिणाम भुगतना पड़ा। सीख : कोई भी काम करने से पहले उसके परिणामों पर अच्छी तरह विचार करना चाहिए।

राशिफल

मेष- कार्यक्षेत्र में धैर्य रखें। व्यापार में कोई भी जोखिमभरा निवेश न करें, गुप्त शत्रुओं से सावधान रहें। लव पार्टनर के साथ गलतफहमी हो सकती है, वाणी पर नियंत्रण रखें। अचानक अप्रत्याशित खर्च बजट बिगाड़ सकते हैं। जोड़ों या पेट से जुड़ी समस्या हो सकती है।

वृषभ-व्यापार विस्तार के लिए दिन उत्तम है, नए अनुबंध हो सकते हैं। लव पार्टनर के साथ रिश्ते बेहद मधुर रहेंगे, कोई सरप्राइज मिल सकता है। धन प्राप्ति के अच्छे योग हैं, रुका हुआ पैसा मिल सकता है। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा, दिनचर्या नियमित रखें।

मिथुन- ऑफिस में आपके काम की तारीफ होगी, पुरानी समस्याएं हल होंगी। लव लाइफ सामान्य रहेगी, व्यर्थ के तर्कों से बचें। आर्थिक मामलों में सावधानी रखें, सोच-समझकर खर्च करें। मौसम से जुड़ी बीमारियां परेशान कर सकती हैं, ध्यान रखें।

कर्क- व्यापार में नए विचारों से बड़ा लाभ हो सकता है। प्रेम संबंधों के लिए दिन बहुत रोमांटिक रहेगा, पार्टनर का सहयोग मिलेगा। अचानक धन लाभ के योग हैं, आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा, मानसिक शांति बनी रहेगी।

सिंह-प्रॉपर्टी, वाहन या निर्माण सामग्री के कारोबार में अच्छा मुनाफा होगा। परिवार और लव पार्टनर के बीच संतुलन बनाए रखने की जरूरत है। घरेलू सुख-सुविधाओं पर खर्च हो सकता है। माता की सेहत का ध्यान रखें, स्वयं भी पर्याप्त आराम लें।

कन्या- व्यापारिक यात्राएं सफल होंगी, मार्केटिंग से बड़ा फायदा होगा। लव पार्टनर के साथ संबंध प्रगाढ़ होंगे, साथ में घूमने का प्लान बन सकता है। आर्थिक स्थिति संतुलित रहेगी, नए आय स्रोत बन सकते हैं। शारीरिक रूप से सक्रिय और ऊर्जावान महसूस करेंगे।

तुला-फैशन, कला और खानपान के व्यवसायियों को बड़ा मुनाफा होगा। लव पार्टनर के साथ मधुरता बढ़ेगी, कोई प्रिय उपहार मिल सकता है। आर्थिक स्थिति में मजबूती आएगी, बचत बढ़ेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा, वाणी में मिठास बनाए रखें।

वृश्चिक- कार्यक्षेत्र और व्यापार में आपके निर्णयों की सराहना होगी। लव लाइफ बेहद सुखद रहेगी, आपसी विश्वास गहरा होगा। धन आवक के रास्ते साफ होंगे, नया निवेश लाभदायक रहेगा। मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य बहुत अच्छा रहेगा।

धनु- विदेश या दूरस्थ स्थानों से जुड़ा व्यापार लाभ देगा। लव पार्टनर को समझने की कोशिश करें, संवादहीनता से बचें। खर्चों पर सख्त नियंत्रण रखना होगा, उधारी न दें। आंखों में जलन या नींद की कमी हो सकती है, विश्राम करें।

मकर- पुराने संपर्कों से बड़ा मुनाफा होगा, नए क्लाइंट्स जुड़ेंगे। लव पार्टनर के साथ खुशनुमा पल बिताएंगे, रिश्ते मजबूत होंगे। आर्थिक पक्ष बहुत मजबूत रहेगा, रुका हुआ धन वापस मिलेगा। सेहत बेहतरीन रहेगी, मन में उत्साह बना रहेगा।

कुंभ-व्यापारिक विस्तार की योजनाएं योजनाएं धरातल पर उतरेंगी। जीवनसाथी और लव पार्टनर का हर कदम पर साथ मिलेगा। आर्थिक लाभ के योग हैं, संचित धन में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा, दिनभर फुर्ती बनी रहेगी। अधिकारियों का पूर्ण सहयोग मिलेगा।

मीन-व्यापार में मुनाफा बढ़ेगा, उच्च शिक्षा के क्षेत्र में सफलता मिलेगी। लव लाइफ में नयापन और प्रगाढ़ता आएगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा, भाग्य के बल पर धन मिलेगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा, योग और ध्यान जारी रखें। धार्मिक कार्यों और यात्राओं के योग हैं।

अदाणी के बाद अब अंबानी की बारी

बंगाल में 2 लाख करोड़ का निवेश करेगी रिलायंस

हिंदमाता नेटवर्क @ कोलकाता

पश्चिम बंगाल में हाल ही में गौतम अडानी ने बड़े स्तर पर निवेश का ऐलान किया था। इसके साथ ही उन्होंने अपनी कंपनी के सीएसआर फंड के इस्तेमाल से बंगाल में एक बड़े अस्पताल का शिलान्यास किया। अब मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस ने भी पश्चिम बंगाल में निवेश करने का वादा किया है। बुधवार को कोलकाता में मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी और मुख्य सचिव मनोज अग्रवाल के साथ रिलायंस इंडस्ट्री की एक हत्वपूर्ण बैठक हुई। इसमें बंगाल में एक न्यूक्लियर पावर प्लांट लगाने का प्रस्ताव रखा गया है। इसके अलावा उन्होंने होटल, एक मॉडर्न डेटा सेंटर और कोयला गैसीफिकेशन यूनिट विकसित करने का भी प्रस्ताव दिया है। एक अनुमान है कि इस पावर प्लांट से छह से सात साल की अवधि में लगभग 2 लाख करोड़ का निवेश आ सकता है। सरकारी सूत्रों के मुताबिक, रिलायंस ने पूर्वी मिदनापुर में कोंटाई के पास हरिपुर गांव में प्लांट लगाने का सुझाव दिया था। इसी जगह पर 15 साल पहले न्यूक्लियर पावर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (NPCIL) की 1000 मेगावाट के प्रोजेक्ट की योजना को ठंडे बस्ते में डाल दिया गया था। NPCIL ने रूस के साथ तकनीकी सहयोग से इस यूनिट का प्रस्ताव दिया था। अगस्त 2011 में तत्कालीन तृणमूल सरकार ने इसे रद्द कर दिया क्योंकि स्थानीय मछुआरों और ग्रामीणों ने इसका विरोध किया था। वे 2009 में प्रोजेक्ट को अंतिम मंजूरी मिलने से कम से कम तीन साल पहले से ही विरोध कर रहे थे।



2 लाख करोड़ का निवेश

एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि रिलायंस इंडस्ट्री के शीर्ष अधिकारियों की टीम ने बुधवार को चीफ सेक्रेटरी के साथ दो घंटे की बैठक की। इसके बाद मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के साथ बैठक हुई। टीम के प्रस्तावों में न्यूक्लियर पावर प्लांट सबसे महत्वपूर्ण था क्योंकि इससे भारी निवेश आएगा। शायद लगभग 2 लाख करोड़ का।

200 एकड़ का प्लाट

अधिकारी ने कहा कि हरिपुर में NPCIL द्वारा स्वीकृत 2000 एकड़ का प्लॉट उपलब्ध है। इसका मतलब है कि प्रोजेक्ट रद्द होने से पहले NPCIL ने सभी जरूरी सर्वे जैसे कि भूकंपीय और भू-तकनीकी, जल-विज्ञान और समुद्र-विज्ञान, मौसम-विज्ञान, जनसांख्यिकीय और पर्यावरणीय सर्वे पूरे कर लिए थे। अब अगर कोई उस प्लॉट पर न्यूक्लियर पावर प्लांट लगाना चाहता है तो नए प्लॉट की तुलना में उन्हें मंजूरी मिलना आसान होगा। राज्य सरकार इस प्रस्ताव को लेकर बहुत लचीला रुख अपना रही है क्योंकि वह एक बड़े संभावित निवेश को हाथ से जाने नहीं देना चाहती है।

कभी शुभेंदु अधिकारी ने किया था विरोध

मनमोहन सिंह सरकार ने तत्कालीन मुख्यमंत्री बुद्धदेव भट्टाचार्य के अनुरोध पर NPCIL प्रोजेक्ट को आगे बढ़ाया था। शुभेंदु और उनके पिता शिशिर अधिकारी ने इसका विरोध किया था। खेती और मछली पकड़ने के काम पर खतरे की आशंका के चलते करीब 50 गांवों के लोग तृणमूल के नेतृत्व वाले विरोध प्रदर्शनों में शामिल हुए थे।

इन शहरों में होटल का प्रस्ताव

रिलायंस इंडस्ट्रीज ने बंगाल के अलग-अलग हिस्सों जैसे कि कलकत्ता, पहाड़ी इलाकों और सुंदरबन में होटल बनाने का प्रस्ताव भी दिया है। एक अन्य अधिकारी ने कहा कि उत्तरी बंगाल और सुंदरबन में बेहतरीन क्वालिटी के होटल खास तरह के टूरिज्म को बढ़ावा देंगे।

डेटा सेंटर पर भी काम

सूत्रों के मुताबिक, रिलायंस ने अपने प्रस्तावित डेटा सेंटर का एक हिस्सा अगले तीन महीनों के भीतर विकसित करने का वादा किया है। एक सूत्र ने बताया कि रिलायंस ने सरकार को भरोसा दिलाया है कि न्यू टाउन में उसे आवंटित 40 एकड़ जमीन में से 15 एकड़ पर काम तीन महीनों में पूरा कर लिया जाएगा। डेटा सेंटर का काम अगले साल जून तक पूरा हो जाएगा।

क्या होता है कोल गैसीफिकेशन?

रिलायंस ने कोल गैसीफिकेशन में निवेश करने में भी दिलचस्पी दिखाई है। यह एक ऐसी प्रक्रिया है जिसके जरिए जमीन के नीचे मौजूद कोयले को भाप और ऑक्सीडेंट डालकर और उसमें आग लगाकर इस्तेमाल लायक गैस में बदला जाता है। इससे बनने वाली गैसों में मीथेन, हाइड्रोजन, कार्बन मोनोऑक्साइड और कार्बन डाइऑक्साइड जैसी कीमती गैसें शामिल होती हैं। इनका इस्तेमाल ईंधन, फर्टिलाइजर और विस्फोटक बनाने के लिए केमिकल फीडस्टॉक के तौर पर किया जा सकता है।

ज्ञानेश कुमार सामने आएं और इस्तीफा दें : युवा कांग्रेस

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

भारतीय युवा कांग्रेस ने शुक्रवार को मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ अनोखे अंदाज में प्रदर्शन किया और कुछ कार्यकर्ताओं ने 'भूत का रूप धारण कर' निर्वाचन आयोग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए तथा कुमार के इस्तीफे की मांग की। युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब के नेतृत्व में संगठन कार्यकर्ताओं ने 'सीईसी इस्तीफा दो', 'निर्वाचन आयोग जवाब दो' और 'लोकतंत्र बचाओ' जैसे नारे लगाए। प्रदर्शनकारी युवा कांग्रेस कार्यालय से निर्वाचन आयोग के कार्यालय की ओर बढ़ रहे थे, तभी दिल्ली पुलिस ने बैरिकेडिंग कर उन्हें रोक दिया और उन्हें हिरासत में ले लिया। चिब ने प्रदर्शन के दौरान कहा कि कुछ कार्यकर्ताओं का भूत का रूप धारण करना एक 'प्रतीकात्मक संदेश' है और इसका उद्देश्य यह सवाल उठाना है कि लोकतंत्र के महत्वपूर्ण संस्थानों को लेकर जनता के मन में सवाल क्यों पैदा हो रहे हैं।



■ उन्होंने कहा कि अगर निर्वाचन आयोग को लेकर सवाल उठ रहे हैं, तो सीईसी को सामने आकर इस्तीफा देना चाहिए। चिब ने कहा कि निर्वाचन आयोग किसी सरकार या राजनीतिक दल की निजी संस्था नहीं है, बल्कि संविधान और लोकतांत्रिक व्यवस्था की संस्था है तथा इसकी विश्वसनीयता और निष्पक्षता को लेकर उठने वाले सवालों का जवाब देना सीईसी की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि युवाओं और आम नागरिकों के मन में चुनावी प्रक्रिया को लेकर उठ रहे सवालों को दबाया नहीं जा सकता तथा भारतीय युवा कांग्रेस अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन और जनजागरूकता अभियान जारी रखेगी। युवा कांग्रेस ने एक बयान में कहा कि शुक्रवार का प्रदर्शन किसी एक व्यक्ति के खिलाफ विरोध तक सीमित नहीं है, बल्कि चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता, जवाबदेही और जनता के विश्वास से जुड़े मुद्दों को उठाने का प्रयास है। संगठन ने कहा कि लोकतंत्र में सवाल पूछना अपराध नहीं है और संवैधानिक संस्थाओं से जवाब मांगना नागरिकों का अधिकार है।

ज्ञानेश कुमार के विरोध के बीच EC का बड़ा फैसला

एसआईआर में छूटे लोगों को फिर मौका



हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

देशभर में स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (SIR) के दौरान वोटर लिस्ट से बड़ी संख्या में नाम हटाए जाने को लेकर चुनाव आयोग पर सवाल उठ रहे हैं। इस बीच चुनाव आयोग ने एक बड़ा फैसला किया है। चुनाव आयोग ने उन 20 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 'स्पेशल ड्राइव' चलाने का निर्देश दिया है, जहां SIR की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। चुनाव आयोग के इस फैसले का मकसद ऐसे योग्य वोटर्स के नाम वोटर लिस्ट में जोड़ना है, जो SIR के दौरान किसी वजह से छूट गए हैं या बाद में वोट देने के योग्य हुए हैं। इसके अलावा, युवा और पहली बार मतदान करने वाले योग्य लोगों को भी वोटर लिस्ट में शामिल किया जाएगा। रिपोर्ट के मुताबिक, चुनाव आयोग ने 29 सितंबर को सभी राज्यों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों को पत्र भेजकर यह निर्देश दिया था। इसके बाद गुरुवार को राज्यों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों के साथ हुई वीडियो कॉन्फ्रेंस में भी आयोग ने इस निर्देश को दोहराया। आयोग ने मुख्य निर्वाचन अधिकारियों, जिला निर्वाचन अधिकारियों और निर्वाचक पंजीकरण अधिकारियों से कहा है कि, वे वोटर लिस्ट को लगातार अपडेट करने की प्रक्रिया के तहत ऐसे योग्य लोगों के नाम जोड़ने में मदद करें, जो अब तक वोटर लिस्ट में शामिल नहीं हो पाए हैं।

फॉर्म 6 से वोटर लिस्ट में फिर जुड़ सकेगा नाम

जिन राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में वोटर लिस्ट के स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन पूरा हो चुका है, वहां मतदाता सूची में दोबारा नाम जुड़वाने के लिए लोग सामान्य फॉर्म 6 का इस्तेमाल कर सकेंगे। इसके लिए SIR के दौरान लगाए गए अतिरिक्त घोषणा पत्र की जरूरत नहीं होगी। निर्वाचन आयोग ने 29 सितंबर के अपने निर्देश में साफ किया है कि SIR से जुड़ा अतिरिक्त घोषणा पत्र केवल एसआईआर की प्रक्रिया के दौरान ही लागू था। एसआईआर की अवधि खत्म होने के बाद वोटर रजिस्ट्रेशन नियम, 1960 के तहत निर्धारित सामान्य फॉर्म का इस्तेमाल किया जाएगा। ऑनलाइन फॉर्म 6 में पहले एक सवाल शामिल था, जिसमें आवेदक से पूछा जाता था कि क्या वह या उसके माता-पिता पिछले स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (SIR) के बाद मतदाता सूची में शामिल थे। इस बदलाव पर चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने आपत्ति जताई थी। अब चुनाव आयोग के नए निर्देश के बाद जिन राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में SIR की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है और वे लोग जिनका नाम वोटर लिस्ट में शामिल होने से रह गया है, सामान्य फॉर्म 6 के जरिए आवेदन कर सकेंगे। आयोग ने अधिकारियों से यह भी कहा है कि वे ऐसे योग्य वोटर्स की पहचान करें, जिनके नाम किसी कारण से वोटर लिस्ट में शामिल नहीं हो पाए हैं। गुरुवार को हुई वीडियो कॉन्फ्रेंस में राज्य के चुनाव अधिकारियों से कहा गया कि वे SIR से पहले और बाद की वोटर लिस्ट की तुलना करें। इसका मकसद उन वोटर्स की पहचान करना है, जिनके नाम लिस्ट से हटा दिए गए हैं। लेकिन उन्हें हटाने की कोई ठोस वजह सामने नहीं आई है। अधिकारियों को खास तौर पर ऐसे मामलों की जांच करने के निर्देश दिए गए हैं, जिनमें वोटर्स का नाम किसी दूसरी जगह की लिस्ट से नहीं जुड़ा है और वह न तो डुप्लीकेट पाया गया है और न ही उसकी मृत्यु हुई है। ऐसे वोटर्स की पहचान होने पर बूथ लेवल अधिकारियों को उनके घर जाकर फॉर्म 6 भरने और मतदाता सूची में नाम दोबारा जुड़वाने में मदद करने को कहा जा सकता है।

एसआईआर का उद्देश्य अयोग्य लोगों को मतदाता सूची से हटाना है: शिवराज सिंह चौहान

हिंदमाता नेटवर्क @ पणजी

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शुक्रवार को मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का समर्थन करते हुए कहा कि मृत लोगों और गैर भारतीयों के नाम मतदाता सूची में नहीं रहने चाहिए। गोवा सरकार द्वारा पोंडा में आयोजित 'सेवा की कहानी' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने एसआईआर पर उठाई जा रही आपत्तियों पर सवाल किया। चौहान ने वहां मौजूद लोगों से सवाल किया, अगर मतदाता सूची में कोई गलत नाम है, अगर किसी व्यक्ति की मृत्यु हो चुकी है, तो क्या उसका नाम मतदाता सूची में रहना चाहिए? क्या उसे हटा देना चाहिए? अगर कोई भारत का नागरिक नहीं है, तो क्या उसका नाम मतदाता सूची में रहना चाहिए?



■ चौहान ने यह टिप्पणी एसआईआर को लेकर जारी राजनीतिक बहस और मतदाता सूची से नाम हटाए जाने के दावों के बीच आई है। निर्वाचन आयोग ने कहा है कि एसआईआर का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी योग्य नागरिक मतदाता सूची से बाहर न रहे और कोई भी अयोग्य व्यक्ति मतदाता सूची में शामिल न हो। केंद्रीय मंत्री ने कांग्रेस पर आरोप लगाया कि जब वह चुनाव हारती है, तो निर्वाचन आयोग की विश्वसनीयता पर सवाल उठाती है, जबकि चुनाव जीतने पर वह चुनाव प्रक्रिया को स्वीकार करती है। उन्होंने कांग्रेस के 'लोकतंत्र बचाओ' अभियान पर भी निशाना साधा और आरोप लगाया कि 1975 में लगाए गए आपातकाल के दौरान कांग्रेस ने लोकतंत्र को कमजोर किया था। चौहान ने कहा कि लोकतंत्र खतरे में नहीं है। अगर किसी ने लोकतंत्र को कुचलने का पाप किया था, तो वह कांग्रेस थी।

पूरी दुनिया को है हमारी जरूरत : मोहन भागवत



हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख ने अखिल भारतीय विहार सेवा समूह के 14वें सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि दुनिया विकास और पर्यावरण संरक्षण, व्यक्तिगत स्वतंत्रता और पारिवारिक जीवन, तथा धार्मिक आस्था और संघर्ष के बीच विरोधाभासों से जूझ रही है। उन्होंने कहा कि जैसे-जैसे विकास बढ़ता है, पर्यावरण को नुकसान पहुंचता है। वहीं, जहां पर्यावरण की रक्षा करनी होती है, वहां विकास नहीं हो पाता। जैसे-जैसे व्यक्तिगत स्वतंत्रता बढ़ती है, परिवार बिखर रहे हैं। समाज में भी विघटन हो रहा है।

भारत से ही निकलेगा रास्ता

भागवत ने कहा कि भारत की ऐतिहासिक परंपरा रही है कि वह दूसरे देशों पर जीत हासिल किए बिना या लोगों का धर्मांतरण किए बगैर अपना ज्ञान साझा करता रहा है। उन्होंने कहा कि दुनिया जानती है कि रास्ता भारत से निकलेगा। उन्होंने कहा कि भारत के पास एक विशाल ज्ञान परंपरा है जिसमें वेद, उपनिषद, रामायण, महाभारत, गीता, जैन आगम, त्रिपिटक, गुरु ग्रंथ साहिब और संतों की शिक्षाएं शामिल हैं। उन्होंने कहा कि हमारे देश के पास ज्ञान का एक बहुत बड़ा खजाना है, जिसकी आज दुनिया को जरूरत है।

राष्ट्र कमजोर होने से धर्म खतरे में पड़ जाता है

भागवत के अनुसार, इस ज्ञान को आगे बढ़ाने वाले लोगों के जीवन और परंपराओं की रक्षा करना केवल एक धार्मिक जिम्मेदारी नहीं बल्कि मानवता की सेवा है। भागवत ने यहां कहा कि हमारा राष्ट्र और धर्म अलग नहीं हैं। राष्ट्र का उद्देश्य धर्म है और धर्म राष्ट्र को बनाए रखने में मदद करता है। दोनों एक-दूसरे पर निर्भर हैं। अगर एक है तो दूसरा भी है और अगर एक नहीं है तो दूसरा भी नहीं है। उन्होंने कहा कि अगर राष्ट्र कमजोर होता है तो धर्म भी खतरे में पड़ जाता है। भागवत ने कहा कि अगर धर्म का पालन कमजोर पड़ता है, तो दोनों को साथ-साथ सही तरीके से आगे बढ़ाना होगा। यह हमारी जिम्मेदारी बन जाती है। उन्होंने कहा कि भारतीय दृष्टिकोण केवल किसी एक वर्ग के कल्याण तक सीमित नहीं है। भागवत ने कहा कि हमारे पूर्वजों ने पूरे विश्व के कल्याण के बारे में सोचा। हम कहते हैं कि सभी सुखी रहें। हम यह नहीं मानते कि कुछ लोग समृद्ध हों और कुछ नहीं। यहां ऐसा कोई दोहरा मापदंड नहीं है। अगर कुछ लोग लगातार पीड़ित रहते हैं तो 'अधिक से अधिक लोगों का अधिकतम कल्याण' का विचार भी पर्याप्त नहीं है। भले ही अधिकतम संख्या में लोग खुश हों लेकिन अगर कुछ लोग भी पीड़ित हैं, तो उनका दुख सभी की खुशी को नष्ट कर देता है। भागवत ने यह भी कहा कि दुनिया में मौजूद संघर्षों और दुविधाओं का समाधान किसी एक पक्ष को दूसरे की कीमत पर चुनकर नहीं किया जा सकता।

कैप्टन स्मित से बोले पीएम मोदी

हम हिंदुस्तानी जान लेने वाले नहीं, जान बचाने वाले हैं



हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कैप्टन स्मित मच्छार की बहादुरी, सूझबूझ और असीम धैर्य की जमकर सराहना करते हुए शुक्रवार को कहा कि हिंदुस्तानी दूसरों की जान लेने वाले लोग नहीं हैं, बल्कि वे दूसरों को बचाने के लिए अपनी जान जोखिम में डालने को तैयार रहते हैं। कैप्टन स्मित ने इजराइल जा रहे 'फ्लाईदुबई' विमान को कथित तौर पर दुर्घटनाग्रस्त करने की अपने सह-पायलट की कोशिश को नाकाम कर दिया था। प्रधानमंत्री ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के अस्पताल में भर्ती कैप्टन स्मित से फोन पर बातचीत की। बुधवार को दुबई से तेल अवीव जा रही फ्लाईदुबई उड़ान एफजेड1073 के कॉकपिट में सह-पायलट ने मच्छार पर चाकू से हमला कर दिया था, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए थे। 27 बच्चों समेत 174 यात्री सवार थे।

■ प्रधानमंत्री ने पायलट के साहस और त्वरित निर्णय लेने की क्षमता की प्रशंसा करते हुए कहा कि मच्छार ने बेहद कम समय में सही फैसला लिया और इतने लोगों की जान बचा ली। मोदी ने वीडियो कॉल के दौरान कहा कि देश गर्व से कह सकता है कि कि हम हिंदुस्तानी जान लेने वाले नहीं, बल्कि दूसरों की जान बचाने के लिए खुद को जोखिम में डालने वाले लोग हैं। आप अपने शरीर पर इतना बड़ा घाव झेल रहे थे और स्वयं जीवन-मृत्यु की लड़ाई लड़ रहे थे, उस समय भी आपने अपने जीवन की परवाह नहीं की, सभी यात्रियों के जीवन की परवाह की। सबसे बड़ी बात आपने 140 करोड़ देशवासियों का मान बढ़ाया है। इसीलिए मैं हृदय से गर्व अनुभव कर रहा हूं।

■ मच्छार अस्पताल में बिस्तर पर थे और उनके सिर पर पट्टी बंधी हुई थी। कैप्टन ने इस घटना के अपने अनुभव और मुश्किल परिस्थिति में साहस जुटाने के बारे में प्रधानमंत्री को बताया। मच्छार ने कहा कि वह 17 साल से विमान उड़ा रहे हैं और बतौर कैप्टन उनका अनुभव 11 साल का है। उन्होंने कहा कि सह-पायलट के साथ हाथापाई के दौरान उनके अनुभव ने ही उन्हें अहसास कराया कि अगर वह उस वक्त जरा भी चूके, तो विमान का क्या हश्र होगा। उन्होंने कहा कि मैं घायल हालत में (कॉकपिट के) फर्श पर पड़ा था। मेरे अंदर जितनी भी ताकत बची थी, मैंने सही कदम उठाया और विमान को सुरक्षित बचा लिया। मच्छार ने प्रधानमंत्री को बताया कि जब भी वह किसी संकट में होते हैं, तो 'हनुमान चालीसा' का पाठ करते हैं और उस घड़ी में भी उन्होंने हनुमान चालीसा का पाठ किया। जब प्रधानमंत्री ने इस पर प्रसन्नता जताई, तो पायलट ने जवाब दिया कि मैं देश से दूर हूं, अपनी संस्कृति से नहीं।

■ मोदी ने पायलट से कहा कि उनके जल्द स्वस्थ होने के लिए देशभर के मंदिरों में विशेष प्रार्थनाएं की जा रही हैं और कई भारतीय 'महामृत्युंजय मंत्र' का जाप कर रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि आप एक बहादुर इंसान हैं। भारत आपका स्वागत करने का इंतजार कर रहा है। मच्छार ने इस घटना को अपने जीवन की यात्रा का एक हिस्सा बताया और विश्वास जताया कि वह जल्द ही पूरी तरह स्वस्थ हो जाएंगे। मुंबई में जन्मे और मूल रूप से गुजरात के निवासी कैप्टन मच्छार इस बातचीत के दौरान भावुक हो गए और कहा कि प्रधानमंत्री से बात करना उनके लिए बेहद खास पल है। उन्होंने मोदी को अपना सबसे बड़ा आदर्श बताया।

■ मोदी ने कहा कि आपने देश का मान बढ़ाया है। पायलट ने कहा कि अस्पताल में उनका बेहतरीन इलाज किया जा रहा है। प्रधानमंत्री ने कैप्टन मच्छार के उचित इलाज और देखभाल करने के लिए सऊदी अरब और यूएई की सरकारों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि आज गांधी जयंती है। आपने दुनिया को दिखाया है कि 'अहिंसा' का सही अर्थ क्या होता है। मूल रूप से गुजरात के निवासी कैप्टन मच्छार से प्रधानमंत्री ने कुछ देर गुजराती में भी बातचीत की। बाद में मोदी ने इस वीडियो कॉल के बारे में 'एक्स' पर पोस्ट भी किया।

महागठबंधन के नेताओं ने मांगा ज्ञानेश कुमार का इस्तीफा



हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

गांधी जयंती के अवसर पर पटना के गांधी मैदान में गांधी मूर्ति पर माल्यार्पण के बाद 'लोकतंत्र बचाओ मार्च' का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में भाकपा माले, राजद समेत महागठबंधन के विभिन्न दलों के नेता, कार्यकर्ता, विधायक और पदाधिकारी शामिल हुए। मार्च के दौरान मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे और मतदाता सूची से हटाए गए नामों को वापस जोड़ने की मांग उठाई गई। भाकपा माले महासचिव दीपंकर भट्टाचार्य ने गांधी मैदान स्थित गांधी मूर्ति पर पुष्प अर्पित कर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि दी। इसके बाद उन्होंने 'लोकतंत्र बचाओ मार्च' को संबोधित किया।

दीपंकर बोले- वोट के अधिकार पर हमला

सभा को संबोधित करते हुए दीपंकर भट्टाचार्य ने चुनाव प्रक्रिया और मतदाता सूची को लेकर सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के नेतृत्व में चुनावों को भाजपा के पक्ष में प्रभावित किए जाने के गंभीर सवाल सामने आए हैं। उन्होंने कहा कि इंडियन एक्सप्रेस की एक रिपोर्ट में चुनाव आयोग के भीतर लिए जा रहे फैसलों और उन पर उठाई गई आपत्तियों का जिक्र किया गया है। उन्होंने कहा कि जिन नागरिकों के नाम मतदाता सूची से काटे गए हैं, उनके नाम तत्काल वापस जोड़े जाने चाहिए। साथ ही मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे और चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति प्रक्रिया में बदलाव की मांग की।

चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति प्रक्रिया पर उठाए सवाल

दीपंकर भट्टाचार्य ने 2023 में चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति से जुड़े कानून में किए गए बदलाव का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि इसके बाद चुनाव आयोग के सदस्यों की नियुक्ति में सरकार की भूमिका बढ़ी है। उन्होंने चुनाव आयुक्तों को उनके आधिकारिक कार्यों के संबंध में मिली कानूनी सुरक्षा को समाप्त करने की भी मांग की। उनका कहना था कि चुनाव आयोग को स्वतंत्र और जवाबदेह बनाने के लिए नियुक्ति प्रक्रिया को पारदर्शी बनाया जाना चाहिए।

एसआईआर के पीछे 2020 और 2024 के चुनाव का संदर्भ

भाकपा माले के राज्य सचिव कुणाल ने बिहार में एसआईआर को लेकर भी अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि इसके पीछे 2020 का बिहार विधानसभा चुनाव और 2024 का लोकसभा चुनाव महत्वपूर्ण राजनीतिक संदर्भ हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि एसआईआर के नाम पर बड़ी संख्या में लोगों के नाम मतदाता सूची से हटाए गए हैं। उनके अनुसार यह केवल मतदाता सूची का मामला नहीं है, बल्कि नागरिकों के मताधिकार से जुड़ा सवाल है। उन्होंने कहा कि गांधी जयंती लोकतंत्र और नागरिक अधिकारों की रक्षा का संकल्प लेने का अवसर है। उन्होंने कहा कि वोट के अधिकार की रक्षा और लोकतंत्र बचाने की लड़ाई आगे भी जारी रहेगी।

मनोज झा बोले- निष्पक्ष चुनाव के लिए आयोग का निष्पक्ष होना जरूरी

राजद के राज्यसभा सांसद मनोज झा ने कहा कि गांधी जयंती पर महात्मा गांधी को सच्ची श्रद्धांजलि यही होगी कि देशवासी लोकतंत्र की रक्षा का संकल्प लें। उन्होंने कहा कि अगर मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयोग निष्पक्ष नहीं होंगे तो देश में निष्पक्ष चुनाव नहीं हो सकेंगे और लोकतंत्र भी प्रभावित होगा।

गोवा मामले से 'छूटे हुए' वोटरों पर बढ़ा फोकस

यह विशेष अभियान गोवा के उन 97 लोगों के लिए भी मददगार साबित हो सकता है, जिन्हें निर्वाचन पंजीकरण अधिकारियों ने योग्य पाया था, लेकिन उनके नाम अंतिम मतदाता सूची में शामिल नहीं हो सके। निर्वाचन आयोग के मुताबिक, गोवा में बूथ लेवल अधिकारियों को इन लोगों के घर जाकर फॉर्म जमा करने के निर्देश दिए गए थे। 26 सितंबर तक 97 में से 81 लोगों ने मतदाता सूची में नाम शामिल कराने के लिए फॉर्म 6 भर दिया था। बाद में आयोग ने बताया कि 97 में से 88 लोगों ने या तो फॉर्म 6 के लिए आवेदन कर दिया था या उनका आवेदन स्वीकार कर लिया गया था। बाकी नौ लोगों में से तीन के पास पुर्तगाली पासपोर्ट पाया गया, जबकि छह लोग भारत से बाहर रह रहे थे।

'नोटबंदी' के बाद देश 'वोटबंदी' का सामना कर रहा है : सचिन पायलट

हिंदमाता नेटवर्क @ पणजी

कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने शुक्रवार को मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) को 'असंवैधानिक' करार दिया और मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर लाखों मतदाताओं के नाम मनमाने ढंग से हटाने का आरोप लगाते हुए कहा कि देश में अब 'वोटबंदी' देखी जा रही है। पणजी में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कांग्रेस महासचिव ने आरोप लगाया कि करीब 13 करोड़ मतदाताओं के नाम मतदाता सूचियों से हटा दिए गए हैं, जिनमें गोवा के 1.7 लाख मतदाता शामिल हैं। उन्होंने दावा किया कि निर्वाचन आयोग के कामकाज में पारदर्शिता नहीं है। पायलट ने एसआईआर की प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि सूचना प्रौद्योगिकी प्रणाली में हाल में किए गए बदलावों से मुख्य निर्वाचन आयुक्त का कार्यालय निर्वाचन पंजीकरण अधिकारियों की पारंपरिक भूमिका को दरकिनार करते हुए सीधे नाम जोड़ने या हटाने में सक्षम हो गया है। पायलट ने आरोप लगाया कि कानून के अनुसार तीनों निर्वाचन आयुक्तों के बीच फैसले आम सहमति या बहुमत के आधार पर लिए जाने चाहिए। हालांकि, मुख्य निर्वाचन आयुमें पारदर्शिता नहीं है। पायलट ने एसआईआर की प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि सूचना प्रौद्योगिकी प्रणाली में हाल में किए गए बदलावों से मुख्य निर्वाचन आयुक्त का कार्यालय निर्वाचन पंजीकरण अधिकारियों की पारंपरिक भूमिका को दरकिनार करते हुए सीधे नाम जोड़ने या हटाने में सक्षम हो गया है।



यूपी में सपा ने कांग्रेस को 53 से 55 सीट देने का दिया ऑफर

अखिलेश यादव ने गठबंधन को लेकर ओवैसी को दिया जवाब

हिंदमाता नेटवर्क @ लखनऊ

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव को लेकर सभी दल अपनी-अपनी तैयारियों में लगे हुए हैं। इंडिया गठबंधन और एनडीए में सीट शेयरिंग अभी तय नहीं है, लेकिन गठबंधन के सहयोगी ज्यादा से ज्यादा सीट लेने के लिए दबाव बनाना शुरू कर दिए हैं। कांग्रेस के नेता कह रहे हैं कि उनकी पार्टी कम से कम 150 सीटों पर चुनाव लड़ना चाह रही है। हालांकि समाजवादी पार्टी ज्यादा सीट देने के मूड में नजर नहीं आ रही है।



कांग्रेस से 53-55 सीट दे सकती है सपा

सूत्रों के मुताबिक जीत के आधार पर सीट बंटवारे पर सपा का फोकस है। सपा गठबंधन के तहत कांग्रेस को 53 से 55 सीट देने का ऑफर कर रही है और सपा खुद 350 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारने की तैयारी कर रही है। सपा का कहना है कि जहां पर वह मजबूत है, वहां अपने उम्मीदवार उतारेगी। सूत्रों ने बताया कि साल 2024 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस की 6 सीटों पर जीत हुई थी। इसमें 30 विधानसभा सीटें आती हैं और 11 सीटों पर कांग्रेस हारी थी, जिसमें कांग्रेस की लड़ी सीटों पर विधानसभा वार मिली जीत के आधार पर सपा कांग्रेस को 53 से 55 सीट ऑफर कर रही है। 2024 में सपा को 37 सीटों पर मिली जीत और हारी लोकसभा सीट सब जोड़कर मिली बढ़त के आधार पर सपा की 350 सीटों पर लड़ने की तैयारी कर रही है।

सपा से 150 सीट मांग रही है कांग्रेस

यूपी में कांग्रेस के प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम और सहारनपुर से सांसद इमरान मसूद कई बार सार्वजनिक तौर पर कह चुके हैं कि उनकी पार्टी कम से कम 150 सीटों पर चुनाव लड़ना चाह रही है। सूत्रों के मुताबिक कांग्रेस के नेता सीट बंटवारे को लेकर सपा पर दबाव भी बना रहे हैं। हालांकि सपा किसी दबाव में आने के मूड में नहीं लग रही है। वहीं सपा सांसद एसपी सिंह पटेल ने कहा है कि कांग्रेस को 150 सीट देना अपने पैर पर कुल्हाड़ी मारने के बराबर है।

ओवैसी को अखिलेश ने दिया जवाब

गठबंधन को लेकर असदुद्दीन ओवैसी के दो अक्टूबर की डेडलाइन पर अखिलेश यादव ने प्रतिक्रिया दी है। सपा प्रमुख अखिलेश ने कहा कि जो गठबंधन पहले से था, जिसने बीजेपी को हराया, समाजवादी पार्टी के उसी गठबंधन को आगे बढ़ाने का काम करेंगे।

अखिलेश ने बागियों को दिया ऑफर

अखिलेश यादव ने कहा कि राज्यसभा चुनाव का समय मिलन का समय होता है। अगर किसी को लगता है कि हमारे लोकतंत्र और संविधान पर हमला हो रहा है तो कड़वी बातें सब भूलकर जो साथी साथ आना चाहते हैं तो हम सब चीजें भूल जाएंगे।

सपा पर मायावती का हमला

वोट चाहिए पीडीए का, टिकट देंगे परिवार और उद्योगपति को

हिंदमाता नेटवर्क @ लखनऊ

उत्तर प्रदेश में राज्यसभा चुनाव के बीच बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने समाजवादी पार्टी (सपा) पर तीखा हमला बोला है। मायावती ने आरोप लगाया कि बसपा चुनावों में परिवारवाद और धनबल का सहारा नहीं लेती, जबकि सपा इसके उलट अपने परिवार और बड़े पूंजीपतियों से जुड़े लोगों को चुनावी टिकट देती है। मायावती ने कहा कि बसपा किसी भी छोटे-बड़े चुनाव में अपने परिवार, सगे-संबंधियों, भाई-भतीजों और करीबी रिश्तेदारों को टिकट देने की नीति नहीं अपनाती। मायावती का दावा है कि पार्टी सर्वसमाज के गरीब, मध्यम वर्ग और कमजोर तबकों से जुड़े कर्मठ अंबेडकरवादी कार्यकताओं को उम्मीदवार बनाती है।



बसपा प्रमुख ने इसी आधार पर पार्टी की राजनीति को परिवारवाद और धनबल से मुक्त बताया। वहीं सपा पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि वह खुद को समाजवादी और पीडीए की पार्टी बताती है, लेकिन उसके टिकट वितरण में परिवारवाद और बड़े पूंजीपतियों की भूमिका दिखाई देती है।

रामगोपाल यादव के दोबारा राज्यसभा जाने पर सवाल

मायावती ने अपने बयान में यूपी से राज्यसभा चुनाव के लिए सपा द्वारा घोषित उम्मीदवारों का भी जिक्र किया। सपा ने वरिष्ठ नेता और राष्ट्रीय महासचिव रामगोपाल यादव को दोबारा उम्मीदवार बनाया है। रामगोपाल यादव, सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के चाचा हैं। उन्होंने 30 सितंबर को नामांकन दाखिल किया था। मायावती ने रामगोपाल यादव की उम्मीदवारी को परिवारवाद से जोड़ते हुए सपा पर निशाना साधा। सपा ने रामगोपाल यादव के साथ धनराज परिमल नाथवानी को भी राज्यसभा उम्मीदवार बनाया है। नाथवानी रिलायंस इंडस्ट्रीज से जुड़े वरिष्ठ कॉरपोरेट अधिकारी हैं और गुजरात क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष भी रह चुके हैं। उन्होंने भी सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव की मौजूदगी में नामांकन दाखिल किया है। मायावती ने नाथवानी की उम्मीदवारी को बड़े उद्योग जगत से जुड़े व्यक्ति को टिकट देने के उदाहरण के तौर पर पेश किया।

टिकट परिवार और पूंजीपतियों को

बसपा प्रमुख मायावती ने आरोप लगाया कि सपा चुनाव में पीडीए यानी पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक वर्गों के समर्थन की राजनीति करती है, लेकिन उम्मीदवारों के चयन में उसका अलग रुख दिखाई देता है। मायावती ने कहा कि सपा को पीडीए का वोट चाहिए, लेकिन सांसद और विधायक बनाने के लिए परिवार के लोगों और बड़े पूंजीपतियों को प्राथमिकता दी जाती है। उन्होंने लोगों से सपा के पीडीए के दावे को लेकर सतर्क रहने की अपील की।

तीसरे उम्मीदवार पर भी मायावती का तंज

मायावती ने सपा के संभावित तीसरे राज्यसभा उम्मीदवार को लेकर भी तंज कसा। मायावती ने तीसरे उम्मीदवार को लेकर दावा किया कि यह पहले की तरह फेस सेविंग और चुनाव हारने के लिए हो सकता है। मायावती ने अपने बयान को 2027 के यूपी विधानसभा चुनाव की राजनीति से भी जोड़ा। उन्होंने दलित, आदिवासी, अति-पिछड़े, मुस्लिम और अन्य धार्मिक अल्पसंख्यक वर्गों के साथ-साथ गरीब अपरकास्ट समाज के लोगों को भी बसपा की राजनीति से जुड़ने की अपील की।

शॉर्ट स्टोरी

पुल टूटा, नहर भी ध्वस्त, बेतिया में तेज बहाव से मचा हाहाकार

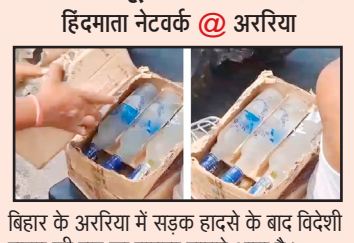
हिंदमाता नेटवर्क @ बेतिया



बिहार के बेतिया में पुजहा-पटजीरवा-बेतिया मुख्य मार्ग पर छोटलाल चौक के पास पुल टूट गया है। पुल के टूटने के बाद इस रास्ते से वाहनों की आवाजाही पूरी तरह बंद हो गई है। इसी इलाके में नहर भी टूट गई है, जिसके कारण पानी तेज रफ्तार से आसपास के इलाकों की ओर फैल रहा है। सड़क पर पानी का बहाव इतना तेज है कि यहां से गुजरना राहगीरों और वाहन चालकों के लिए जोखिम भरा हो गया है। पुल और नहर के क्षतिग्रस्त होने के बाद मुख्य मार्ग पर यातायात व्यवस्था प्रभावित हुई है। लोगों को इस रास्ते से आने-जाने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। हालात को देखते हुए जिला प्रशासन ने लोगों से इस मार्ग पर आवाजाही नहीं करने की अपील की है। प्रशासन ने लोगों को सुरक्षित रहने के लिए वैकल्पिक रास्ते का इस्तेमाल करने की सलाह दी है। साथ ही पानी के तेज बहाव वाले स्थानों से दूर रहने और पूरी सतर्कता बरतने को कहा गया है। पुल और नहर दोनों के टूटने के बाद आसपास के इलाकों में पानी फैलने की आशंका बनी हुई है। नहर से निकल रहा पानी तेजी से आसपास की ओर बढ़ रहा है, जिससे स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है। प्रशासन की टीम मौके की स्थिति पर निगरानी कर रही है। लोगों को तेज बहाव वाले हिस्सों में जाने से रोका जा रहा है और सुरक्षित स्थानों पर रहने की अपील की जा रही है। फिलहाल पुजहा-पटजीरवा-बेतिया मुख्य मार्ग पर आवाजाही बाधित है। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे स्थिति सामान्य होने तक इस रास्ते का इस्तेमाल न करें। खासकर पानी के तेज बहाव वाले स्थानों से दूरी बनाए रखें और जरूरत पड़ने पर वैकल्पिक मार्ग से ही आवागमन करें।

बिहार में शराब लदा ट्रक पलटा, बोतलें लूटने की मची होड़

हिंदमाता नेटवर्क @ अररिया



बिहार के अररिया में सड़क हादसे के बाद विदेशी शराब की लूट का मामला सामने आया है। दरअसल, अररिया-रानीगंज मुख्य मार्ग पर शराब से लदा एक ट्रक दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसे के बाद ट्रक का ड्राइवर और खलासी मौके से फरार हो गए। इसी दौरान स्थानीय लोगों को ट्रक में शराब लदी होने की जानकारी मिली। इसके बाद बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। लोगों ने ट्रक से शराब की बोतलें निकालनी शुरू कर दीं। देखते ही देखते वहां शराब लूटने वालों की भीड़ जुट गई। कई लोग कार्टन भरकर शराब ले गए। जिसे जितना मौका मिला, वह उतनी शराब लेकर वहां से निकल गया। हादसे की जानकारी फैलते ही आसपास के गांवों से लोग मौके पर पहुंचने लगे। इनमें बच्चे और बुजुर्ग भी शामिल थे। कुछ लोग मोटरसाइकिल से पहुंचे। इसके बाद वे भी ट्रक से शराब के कार्टन निकालकर ले जाने लगे। स्थानीय लोगों में शराब लूटने की होड़ मच गई। अलग-अलग ब्रांड की विदेशी शराब ट्रक में लदी थी। लोगों ने मौका देखकर शराब की बोतलें और कार्टन अपने साथ ले लिए।दरअसल, यह हादसा अररिया-रानीगंज मुख्य मार्ग पर एनएच-३२७ ई में हुआ। घटना गीतवास टोल प्लाजा के पास की बताई जा रही है। ट्रक के दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद सड़क किनारे शराब लदा वाहन पड़ा था। हादसे के बाद ड्राइवर और खलासी मौके से फरार हो गए। इसी दौरान लोगों को ट्रक में शराब होने की जानकारी मिली। इसके बाद मौके पर ग्रामीणों की भीड़ बढ़ती चली गई। हादसे की सूचना मिलने के बाद रानीगंज और दूसरे थानों की पुलिस मौके पर पहुंची। हालांकि, पुलिस के पहुंचने तक ट्रक में लदी आधे से ज्यादा शराब गायब हो चुकी थी। ग्रामीण बड़ी मात्रा में शराब लेकर वहां से जा चुके थे। मौके पर सदर एसडीपीओ सुशील कुमार सिंह, रानीगंज थानाध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार समेत अन्य पुलिस अधिकारी और जवान पहुंचे।

बसपा से निष्कासन के बाद आकाश आनंद ने तोड़ी चुप्पी, मायावती से मांगी माफी

कहा- पार्टी में सेवा का एक और मौका दें

हिंदमाता नेटवर्क @ लखनऊ

बसपा से निष्कासन के बाद आकाश आनंद ने चुप्पी तोड़ते हुए मायावती से सार्वजनिक तौर पर माफी मांगी है। आकाश आनंद ने कहा कि मेरी चुप्पी को गलत समझा गया। मैं किसी भी पार्टी में नहीं जा रहा हूं। उन्होंने कहा कि वह एक बार फिर से बसपा में काम करना चाहते हैं। सोशल मीडिया पर किए गए पोस्ट में आकाश आनंद ने मायावती से कहा कि आप मेरी राजनीतिक गुरु हैं, मेरी प्रेरणा हैं और मेरी बुआ मां भी हैं। राजनीति में मैंने जो कुछ सीखा, वह आपसे ही सीखा, जो कुछ किया, आपके मार्गदर्शन में किया। इसलिए आज अपनी बात सीधे आपके सामने और पूरे बहुजन समाज के सामने रखना चाहता हूं।



बसपा में काम करने का मांगा एक और मौका

पिछले कुछ दिनों से मीडिया और सोशल मीडिया में मेरे बारे में कई तरह की खबरें और अफवाहें चल रही हैं। मैं साफ कर देना चाहता हूं कि मैं किसी दूसरे राजनीतिक दल में नहीं जा रहा। न आज, न कभी। बसपा मेरे लिए सिर्फ एक पार्टी नहीं, मेरा परिवार है। अशोक सिद्धार्थ को पार्टी से निकालने और उनके संन्यास का आपका फैसला पूरी तरह उचित है और मैं उस फैसले के साथ खड़ा हूं। रिश्ते अपनी जगह हैं, पर मिशन उनसे बड़ा है। व्यक्तिगत और पारिवारिक हितों से ऊपर पार्टी और आंदोलन का हित रखना मेरी जिम्मेदारी है। उस समय मैंने खुद को सोशल मीडिया से दूर कर लिया था, इसलिए आपके उस पोस्ट को रिपोस्ट नहीं कर पाया। मेरी उस चुप्पी को गलत समझा गया और अफवाहों को जगह मिली। अगर इससे आपको ठेस पहुंची है, तो मैं उसके लिए आपसे क्षमा चाहता हूं। मैं सिर्फ आपके नेतृत्व में फिर से पार्टी और मिशन की सेवा का अवसर चाहता हूं। विश्वास शब्दों से नहीं, काम से बनता है और मैं उसे अपने आचरण और अपनी मेहनत से साबित करूंगा। बाबा साहेब का मिशन, मान्यवर साहेब का रास्ता और आपका नेतृत्व। यही मेरी राजनीति है। बता दें कि मायावती ने पिछले दिनों आकाश आनंद को पार्टी से बाहर का रास्ता दिखा दिया था। मायावती ने यह भी कहा था कि आकाश और उनकी बहन को पार्टी में कोई जिम्मेदारी नहीं सौंपेंगी। उन्होंने आकाश के छोटे भाई पर भरोसा जताते हुए पार्टी में काम करने का मौका दिया है।

देवरिया में आरएसएस कार्यकर्ता की पीट-पीटकर हत्या

सड़क पर ब्रेकर को लेकर हुआ था विवाद, एसएचओ समेत 4 पुलिसकर्मी सस्पेंड

हिंदमाता नेटवर्क @ देवरिया

उत्तर प्रदेश के देवरिया जिले के लार थाना क्षेत्र के भीखम छपरा गांव में सड़क पर ब्रेकर बनाने को लेकर हुए विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। पड़ोसियों के लाठी-डंडों से किए गए हमले में आरएसएस कार्यकर्ता रामेश्वर तिवारी (50) गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें पहले लार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां से डॉक्टरों ने देवरिया मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। मेडिकल कॉलेज में इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। घटना के बाद गांव में तनाव का माहौल है।



सड़क पर ब्रेकर बनाने को लेकर हुआ विवाद

भीखम छपरा गांव में पक्की सड़क का निर्माण कराया जा रहा है। यह सड़क रामेश्वर तिवारी के घर के सामने से होकर गुजरती है। बताया जा रहा कि रामेश्वर तिवारी अपने घर के सामने सड़क पर अपनी सुविधा के अनुसार ब्रेकर बनवाना चाहते थे। इसका पड़ोसियों ने विरोध किया। इसी बात को लेकर रामेश्वर तिवारी और उनके पड़ोसियों के बीच विवाद शुरू हो गया। आरोप है कि विवाद बढ़ने के बाद पड़ोसियों ने रामेश्वर तिवारी पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया। मारपीट में वह गंभीर रूप से घायल हो गए और खून से लथपथ होकर जमीन पर गिर पड़े।

देवरिया मेडिकल कॉलेज में इलाज के दौरान मौत

रामेश्वर तिवारी के घायल होने के बाद परिजन उन्हें तत्काल लार सीएचसी लेकर पहुंचे। हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों ने उन्हें देवरिया के महर्षि देवरहा बाबा मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। परिजन उन्हें मेडिकल कॉलेज की इमरजेंसी में लेकर पहुंचे, लेकिन इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस अधिकारियों ने मामले की जांच शुरू कर दी। परिजनों की तहरीर के आधार पर पुलिस ने संजय तिवारी, दीपक तिवारी समेत अन्य आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है।

लापरवाही पर एसएचओ समेत 4 पुलिसकर्मी निलंबित

मामले में पुलिस की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठे हैं। देवरिया के एसपी अभिजीत आर. शंकर ने लापरवाही के आरोप में लार थाना प्रभारी राकेश कुमार और सब इंस्पेक्टर राम मूरत को सस्पेंड कर दिया है। इसके अलावा दो बीट सिपाहियों को भी सस्पेंड किया गया है।

गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे पर ट्रेलर में पीछे से भिड़ी वोल्वो, 4 की मौत

हिंदमाता नेटवर्क @ गोरखपुर

उत्तर प्रदेश के अंबेडकरनगर में शुक्रवार सुबह भीषण सड़क हादसा हो गया। जैतपुर थाना क्षेत्र में गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे पर एक वोल्वो बस आगे चल रहे ट्रेलर में पीछे से जा टकराई। हादसा इतना जबरदस्त था कि बस में सवार चार यात्रियों की मौत हो गई। वहीं, चार अन्य यात्री गंभीर रूप से घायल बताए जा रहे हैं। घायलों की हालत नाजुक होने के कारण उन्हें इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है। हादसा गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे पर किलोमीटर संख्या 85 के पास हुआ। वोल्वो बस लखनऊ से गोरखपुर की तरफ जा रही थी। इसी दौरान बस आगे चल रहे ट्रेलर से पीछे से टकरा गई। टक्कर इतनी तेज थी कि बस का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे के बाद बस में सवार यात्रियों में चीख-पुकार मच गई। आसपास से गुजर रहे लोगों ने दुर्घटना की सूचना पुलिस को दी।

चार यात्रियों की मौत, चार की हालत गंभीर

हादसे में चार यात्रियों की मौके पर ही मौत होने की सूचना है। वहीं, चार अन्य यात्री गंभीर रूप से घायल हुए हैं। घायलों की स्थिति नाजुक बताई जा रही है। पुलिस और स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को बस से बाहर निकाला गया। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है। डॉक्टरों की निगरानी में उनका उपचार किया जा रहा है। हादसे में मृतकों और घायलों की पहचान की प्रक्रिया भी की जा रही है।



पुलिस ने शुरू किया राहत और बचाव कार्य

घटना की सूचना मिलते ही जैतपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस टीम ने राहत और बचाव कार्य शुरू किया। दुर्घटनाग्रस्त बस और ट्रेलर के आसपास सुरक्षा व्यवस्था की गई और घायलों को निकालने का काम किया गया। हादसे के कारण एक्सप्रेस-वे पर कुछ समय के लिए यातायात प्रभावित हुआ। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को सड़क से हटाने की कार्यवाही शुरू की, ताकि यातायात को सामान्य किया जा सके।

हादसे की वजह की जांच में जुटी पुलिस

पुलिस ने हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी है। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, बस ट्रेलर में पीछे से टकराई है। हालांकि, टक्कर किन परिस्थितियों में हुई, इसकी स्पष्ट जानकारी जांच के बाद सामने आएगी। पुलिस घटनास्थल का निरीक्षण कर रही है और हादसे से जुड़े तथ्यों को जुटाया जा रहा है। बस में कितने यात्री सवार थे और हादसे के समय बस की गति कितनी थी, इसकी भी जांच की जा सकती है। पुलिस की ओर से मृतकों और घायलों की आधिकारिक पहचान तथा हादसे की विस्तृत जानकारी जुटाई जा रही है।

जितिया व्रत से पहले मडुआ की रोटी खाने से 50 से ज्यादा महिलाएं और बच्चे बीमार

हिंदमाता नेटवर्क @ बलिया

उत्तर प्रदेश के बलिया जिले में पुत्र की लंबी उम्र और सुख-समृद्धि के लिए रखे जाने वाले जितिया (जियुतपुत्रिका) व्रत से ठीक पहले एक बेहद दर्दनाक और चिंताजनक मामला सामने आया है। व्रत की पूर्व संध्या पर नहाई-खाय की परंपरा के तहत मडुआ (रागी) के आटे की रोटी खाने से दो-तीन गांवों की लगभग 40 से 50 महिलाएं और छोटे बच्चे अचानक फूड प्वाइजनिंग के शिकार हो गए। तबीयत बिगड़ने के बाद आनन-फानन में सभी प्रभावितों को इलाज के लिए बलिया के जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज जारी है। दरअसल, प्रभावित लोग मुख्य रूप से बांसडीह तहसील इलाके के आसचौरा, चौकन और छाता गांवों के रहने वाले हैं। जितिया व्रत की परंपरा के अनुसार व्रत की शुरूआत से पहले प्रसाद के रूप में मडुआ (रागी) के आटे की रोटी खाने का रिवाज है। बुधवार-गुरुवार को महिलाओं ने पास ही की स्थानीय दुकान से खरीदे गए मडुआ के आटे की रोटियां बनाकर खुद खाईं और बच्चों को भी खिलाईं। रोटी खाने के कुछ ही देर बाद महिलाओं और बच्चों को उल्टी, दस्त, पेट दर्द और चक्कर आने की शिकायत होने लगी। देखते ही देखते दर्जनों लोगों की हालत बिगड़ने पर क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बन गया।



नैनीताल ट्रिप पर निकले कपल की डंपर से टक्कर, नेशनल बास्केटबॉल खिलाड़ी की मौत

हिंदमाता नेटवर्क @ गाजियाबाद

चार महीने पहले ही साथ जीने-मरने की कसमें खाकर शादी के बंधन में बंधे नवविवाहित जोड़े की खुशियां एक खौफनाक हादसे में उजड़ गईं। गाजियाबाद से नैनीताल घूमने निकले राष्ट्रीय स्तर के बास्केटबॉल खिलाड़ी यतीश यादव की रामनगर में एक डंपर से सीधी टक्कर में दर्दनाक मौत हो गई। जबकि, उनकी डॉक्टर पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गईं। घटना 2 अक्टूबर की देर रात करीब 1 बजकर 20 मिनट की है। गाजियाबाद के शाहपुर बमेठा (थाना वेव सिटी) निवासी 24 वर्षीय यतीश यादव अपनी पत्नी शीतल के साथ नई स्कॉर्पियो से काशीपुर-रामनगर होते हुए नैनीताल जा रहे थे। इसी दौरान पीरूमदारा से आगे चौधरी ढाबे के पास सामने से आ रहे डंपर ने उनकी कार को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि यतीश की मौके पर ही मौत हो गई।



प्राइवेट स्कूल में शिक्षक थे यतीश, पत्नी हैं डॉक्टर

मृतक यतीश यादव 2021 में नेशनल बास्केटबॉल प्रतियोगिता के विजेता रहे थे। वो एक निजी स्कूल में बच्चों को कोचिंग देते थे। वहीं, उनकी पत्नी शीतल पेशे से डॉक्टर हैं।

बिहार में आरजेडी की 3 सीटों पर कांग्रेस ने उतारे उम्मीदवार

हिंदमाता नेटवर्क @ पटना



बिहार विधान परिषद की आठ सीटों पर 23 अक्टूबर को चुनाव होना है। इनमें चार स्नातक और चार शिक्षक सीटें हैं, जिनका कार्यकाल 16 नवंबर को खत्म हो रहा है। कांग्रेस ने गुरुवार को पांच उम्मीदवारों के नाम घोषित किए हैं। कांग्रेस ने दरभंगा शिक्षक सीट से पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष मदन मोहन झा को दोबारा उम्मीदवार बनाया है। इस सीट पर आरजेडी ने अभी अपना उम्मीदवार घोषित नहीं किया है। वहीं पटना शिक्षक सीट से कांग्रेस ने संजय यादव को मैदान में उतारा है। यहां भी आरजेडी ने उम्मीदवार नहीं उतारा है। कांग्रेस ने कोसी स्नातक सीट से मनोज कुमार जायसवाल, दरभंगा स्नातक से रजनीकांत पाठक और पटना स्नातक सीट से असदुल्लाह खान को उम्मीदवार बनाया है। इन तीनों सीटों पर आरजेडी पहले ही अपने उम्मीदवार घोषित कर चुकी है। ऐसे में इन सीटों पर दोनों सहयोगी दलों के बीच सीधा मुकाबला होगा। आरजेडी ने पिछले महीने छह सीटों के लिए अपने उम्मीदवारों का ऐलान किया था। पार्टी ने बाकी सीटों को लेकर कहा था कि उन पर फैसला होना बाकी है। स्नातक सीट पर वही लोग वोट कर सकते हैं, जिनके पास भारत की मान्यता प्राप्त यूनिवर्सिटी की कम से कम तीन साल पुरानी स्नातक डिग्री है और जो संबंधित निर्वाचन क्षेत्र में रहते हैं। वहीं शिक्षक सीट के लिए माध्यमिक स्कूल, कॉलेज या यूनिवर्सिटी में कम से कम तीन साल पढ़ाने का अनुभव रखने वाले लोग वोट कर सकते हैं। दोनों ही मामलों में मतदाता का संबंधित वोटर लिस्ट में पंजीकृत होना जरूरी है।

हिंदमाता एंकरः पूर्वांचल की संस्कृति में नटुआ नाच अपनी एक खास पहचान रखता है, पर इस नृत्य के बारे में बहुत कम लोग जानते हैं

पूर्वांचल का नटुआ नाचः जब पुरुष पहनते हैं घाघरा-चोली, फिर ठेठ भोजपुरी गीतों पर लगाते हैं ठुमके

हिंदमाता संवाददाता @ पूर्वांचल

पूर्वांचल की संस्कृति में नटुआ नाच अपनी एक खास पहचान रखता है, पर इस नृत्य के बारे में बहुत कम लोग जानते हैं। उत्तर प्रदेश के पूर्वांचल में बिहार की संस्कृति की झलक देखने को मिलती है। लेकिन इन सभी के बीच पूर्वांचल की भी अपनी अनोखी संस्कृति है, जिसका हिस्सा है यहां किया जाने वाला नटुआ नाच। पूर्वी यूपी में जब भी कोई शुभ अवसर होता है, शादी-ब्याह या तीज-त्योहार का माहौल होता है, उसमें नटुआ नाच जैसे जोश भर देने का काम करता है। आइए आपको पूर्वांचल के इस अनोखे लोकनृत्य की कहानी बताते हैं, जिसके बारे में बहुत कम लोग जानते हैं।

लोकपरंपरा की खास पहचान है नटुआ नाच

नटुआ नाच भोजपुरी भाषी क्षेत्र का एक खास लोकनृत्य है। इसकी झलक बिहार के साथ-साथ उत्तर प्रदेश के पूर्वी इलाकों, खासकर सोनभद्र में देखने को मिलती है। इसकी सबसे खास बात यह है कि इसमें पुरुष नर्तक महिलाओं के कपड़े जैसे-घाघरा, चोली, साड़ी और ब्लाउज पहनकर यानी पूरी तरह से महिला की तरह बनकर थिरकते नजर आते हैं। इस नाच ने आज भी भोजपुरी नृत्य की संस्कृति को जीवंत बनाए रखा है।



ऊर्जा और फुर्ती से दिखाते हैं प्रदर्शन

इसमें नर्तक नाचते हुए अपनी कलाबाजियां भी पेश करते हैं, जैसे-हवा में अचानक ऊंची छलांग लगाना, जमीन पर तेजी से घूमना और पिरामिड बनाना। ये सभी काम बड़ी ही फुर्ती और ऊर्जा के साथ किए जाते हैं। उनका कौशल के साथ बनाया गया संतुलन भी देखने लायक होता है।

नृत्य और नाटक का अनोखा मेल

इसे हम अकेले एक डांस फॉर्म नहीं कह सकते, क्योंकि इसमें कलाकार आपको नाचने के साथ ही चेहरे के हाव-भाव और शारीरिक मुद्राओं की मदद से पूरी कहानी कहते नजर आएंगे। कभी ये कहानियां पौराणिक होती हैं, कभी इनमें गांव के जीवन का खट्टा-मीठा रंग दिखता है। जब नृत्य होता है तो पुरुष घाघरा-चोली पहनते हैं और जैसे ही नाच नाटक के रूप में बदलता है, पुरुषों का भेष भी साड़ी और ब्लाउज में बदल जाता है। इस दौरान जो भोजपुरी गीत गाए जाते हैं, वो मंत्रमुग्ध कर देते हैं।

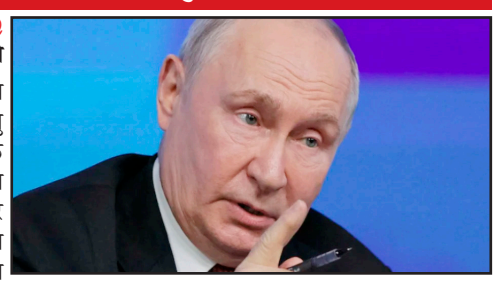
मृदंग की थाप और कसावर की ताल पर होता है नृत्य

नटुआ नाच की असली जान मृदंग और कसावर वाद्य यंत्र हैं। जहां मृदंग की थाप से नृत्य का बेस तैयार होता है, तो वहीं कसावर की तीखी और खनकती ताल माहौल को उत्साह से भर देती है। जबकि नाटक के समय मृदंग की जगह ढोलक और कसावर की जगह सारंगी का इस्तेमाल किया जाता है। इसके अलावा, छढ़, जोड़ी और कसनहटी (घांटी) जैसे लोक वाद्ययंत्रों का भी उपयोग किया जाता है।



रूस से भिड़ा नाटो तो छिड़ जाएगी परमाणु जंग?

क्या बोल गए पुतिन



हिंदमाता नेटवर्क @ मॉस्को

रूस और नाटो के बीच तनाव अब परमाणु हथियारों की धमकी तक पहुंच गया है। राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने गुरुवार को साफ कहा कि रूस यूरोपीय देशों पर हमला करने की योजना नहीं बना रहा, लेकिन अगर किसी ने रूस पर हमला किया तो जवाब देने में पीछे नहीं हटेगा। उन्होंने चेतावनी दी कि कलिनिनग्राद समेत रूस के किसी भी इलाके पर सीधा हमला हुआ तो देश के पास मौजूद सभी हथियारों के इस्तेमाल से मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा। पुतिन ने यह भी कहा कि रूस के पास कुछ ऐसे हथियार हैं, जो दुनिया के किसी दूसरे देश के पास नहीं हैं। मॉस्को में वल्दाई क्लब फोरम के दौरान पुतिन से पूछा गया कि क्या रूस नाटो के साथ युद्ध के करीब है या दोनों एक-दूसरे को डराने की कोशिश कर रहे हैं। इस पर उन्होंने कहा, "यह डराना नहीं है, बल्कि हमें डराने की कोशिश का जवाब है।" उन्होंने नाटो को दी गई पिछली चेतावनी को भी सही ठहराया। कलिनिनग्राद रूस का ऐसा इलाका है, जो नाटो के सदस्य पोलैंड और लिथुआनिया के बीच स्थित है। यहां रूस का प्रमुख बाल्टिक नौसेना बेस, कई सैन्य ठिकाने और परमाणु क्षमता वाली इस्कंदर मिसाइलें तैनात हैं। इस सप्ताह यूरोप में रूसी दूतावासों ने दावा किया कि मॉस्को के पास जानकारी है कि नाटो कलिनिनग्राद की हवाई और समुद्री घेराबंदी की तैयारी कर रहा है। आयरलैंड स्थित रूसी दूतावास ने मंगलवार को कहा कि अगर नाटो देश इस इलाके को रूस के बाकी हिस्सों से अलग करने की कोशिश करते हैं, तो रूस अपनी जमीन की रक्षा के लिए परमाणु हथियारों समेत सभी हथियारों का इस्तेमाल करेगा। रूस ने यूरोपीय नेताओं पर तनाव बढ़ाने और खतरनाक खेल खेलने का आरोप लगाया है। वहीं, यूरोपीय देशों के नेताओं और खुफिया एजेंसियों ने आशंका जताई है कि रूस आने वाले वर्षों में किसी दूसरे देश पर हमला कर सकता है। मॉस्को ने इन आरोपों को बेतुका बताया है।

नाटो बोला- परमाणु धमकी देना बंद करें

नाटो की प्रवक्ता एलिसन हार्ट ने बुधवार को पुष्टि की कि रूस ने गठबंधन को लिखित संदेश भेजा था। उन्होंने कहा कि परमाणु हथियारों के इस्तेमाल की धमकी देना गैर-जिम्मेदाराना है। नाटो का कलिनिनग्राद को निशाना बनाने का कोई इरादा नहीं है और वह एक रक्षात्मक गठबंधन है। महासचिव मार्क रुटे ने भी कहा कि रूस परमाणु धमकी देना बंद करे। उन्होंने रूस से यूक्रेन के खिलाफ जारी युद्ध रोकने की अपील भी की।

बाल्टिक सागर में सैन्य अभ्यास से बढ़ी हलचल

नाटो देशों ने हाल के महीनों में बाल्टिक सागर क्षेत्र में कई सैन्य अभ्यास किए हैं। अक्टूबर में भी ऐसे अभ्यास होने हैं। पिछले साल यहां समुद्र के नीचे बिछी संचार केबलों और पाइपलाइनों की सुरक्षा के लिए ऑपरेशन बाल्टिक सेंट्री शुरू किया गया था। 18 अगस्त को नाटो ने उत्तरी पोलैंड और बाल्टिक क्षेत्र में कई विमानों के साथ अभ्यास किया था।इसमें अमेरिका का ईए-37बी कम्पास कॉल विमान भी शामिल था, जो कम्यूनिकेशन और रडार को जाम कर सकता है। रुटे ने कहा कि रूस नाटो देशों को बांटने और यूक्रेन की मदद से उनका ध्यान हटाने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने साफ किया कि गठबंधन यूक्रेन को समर्थन देता रहेगा। उनका कहना था कि रूस की चुनौती का जवाब यही है कि नाटो देश शांत रहें और कीव की मदद जारी रखें।

फ्लाइट हाईजैक को यूएई ने बताया टेरर एक्ट

भारतीय पायलट स्मित की बहादुरी को किया सलाम

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली



यूएई के राष्ट्रपति के वरिष्ठ सलाहकार अनवर गर्गश ने फ्लाईदुबई विमान को हाईजैक करने की कोशिश को आतंकवाद की घटना बताया है। यह पहली बार है जब अमीरात की ओर से इस घटना को आतंकवाद के तौर पर बताया गया है। अनवर गर्गश ने फ्लाईदुबई की तेल अवीव जा रही फ्लाइट को हाईजैक करने की कोशिश के दौरान भारतीय पायलट स्मित मच्छार की बहादुरी की सराहना की। उन्होंने कहा कि फ्लाईदुबई के भारतीय पायलट स्मित मच्छार हर तरह की सराहना के हकदार हैं, क्योंकि उन्होंने आतंकवादी घटना और संभावित दुर्घटना के सामने साहस और जिम्मेदारी का परिचय दिया। गर्गश ने कहा कि सबसे कठिन परिस्थितियों में उनकी प्रोफेशनलिज्म और नैतिक समझ उन्हें एक सच्चा हीरो बनाती है। उन्होंने कहा कि जो हुआ, उसे आसान तरीके से कम करके आंकने या साजिश के सिद्धांतों को अपनाने और बढ़ावा देने के बजाय, चरमपंथ और आतंकवाद के खतरों से निपटने के लिए सतर्कता और सावधानी जरूरी है।

जांच के आदेश

दुबई से तेल अवीव जा रही फ्लाईदुबई की एफजेड1073 फ्लाइट के कॉकपिट में हुई घटना को लेकर यूएई ने जांच शुरू की है। घटना के बाद फ्लाइट को सऊदी अरब की ओर डायवर्ट किया गया था। यूएई के अटॉर्नी जनरल डॉ. हमद सैफ अल शम्सी ने पूरे मामले की जांच के आदेश दिए थे। मामले की जांच के लिए एक स्पेशलाइज्ड पब्लिक प्रॉसिक्यूशन टीम बनाई गई थी। टीम ने फ्लाइट के अंदर हुई घटना से जुड़ी जानकारी और सबूत जुटाने शुरू किए थे और यह पता लगाने की कोशिश की थी कि विमान में आखिर क्या हुआ था।

पुतिन बोले-पीएम मोदी के आइडिया पर यूक्रेन में खत्म हो सकती है जंग

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन जंग को खत्म करने की कोशिशों को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आइडिया की तारीफ की है। गुरुवार को पुतिन ने कहा कि पीएम मोदी उन विश्व नेताओं में शामिल हैं, जो रूस के साथ अच्छे और दोस्ताना रिश्तों के बावजूद लगातार यूक्रेन में चल रहे संघर्ष को खत्म करने का मुद्दा उठाते हैं। पुतिन ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की जंग खत्म कराने में गहरी दिलचस्पी है और उनके पास ऐसे अच्छे आइडिया हैं, जिनके जरिए दोनों पक्षों के लिए स्वीकार्य समाधान तलाशा जा सकता है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी इस मामले में तटस्थ रुख रखते हैं, लेकिन उनकी दिलचस्पी संघर्ष को खत्म करने में है।

'पीएम मोदी के आइडिया के लिए शुक्रगुजार हैं'



रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने कहा कि वह प्रधानमंत्री मोदी के आइडिया के लिए शुक्रगुजार हैं। उन्होंने पीएम मोदी की उस इच्छा की भी तारीफ की, जिसमें वह इस संघर्ष को बातचीत और शांतिपूर्ण तरीकों से जल्द से जल्द खत्म करने की कोशिश कर रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी लगातार रूस-यूक्रेन जंग के समाधान के लिए बातचीत और कूटनीति पर जोर देते रहे हैं। अगस्त में जापानी अखबार 'द योमिउरी शिंबुन' को दिए इंटरव्यू में पीएम मोदी ने कहा था कि भारत ने इस संघर्ष को लेकर सिद्धांत आधारित और मानवीय रुख बनाए रखा है।

अमेरिका-चीन को पीछे छोड़, सिंगापुर ने बनाई दुनिया की बेहद सटीक घड़ी

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

सोचिए, आपके पास ऐसी घड़ी हो जो अरबों साल तक चलने के बाद भी सिर्फ 1 सेकंड तक का फर्क करे। सुनने में यह भले ही अजीब लगे, लेकिन वैज्ञानिक ऐसी घड़ी बनाने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। सिंगापुर ने भी इस तकनीक में बड़ी उपलब्धि हासिल की है। वहां वैज्ञानिकों ने बेहद सटीक एटॉमिक क्लॉक तैयार की है। यह सामान्य घड़ी की तरह सिर्फ घंटे और मिनट नहीं बताती, बल्कि समय को बेहद बारीकी से मापती है। यह उपलब्धि इसलिए खास है क्योंकि ऐसी घड़ियां बनाने की तकनीक पर अमेरिका, चीन और यूरोप जैसे देशों में भी काम हो रहा है। सिंगापुर की नई घड़ी इतनी सटीक है कि इसमें समय की बहुत छोटी गलती भी पकड़ में आ सकती है। इसका इस्तेमाल भविष्य में जीपीएस, अंतरिक्ष विज्ञान, नेविगेशन और कई वैज्ञानिक प्रयोगों में किया जा सकता है। इस मामले में सिंगापुर ने चीन और अमेरिका के वैज्ञानिकों को पीछे छोड़ दिया है।

आखिर एटॉमिक क्लॉक क्या होती है?

इसे आसान भाषा में समझें तो एटॉमिक क्लॉक ऐसी घड़ी है जो परमाणु के बहुत छोटे बदलाव को देखकर समय मापती है। हमारी सामान्य घड़ी में सुई या डिजिटल नंबर समय बताते हैं। लेकिन एटॉमिक क्लॉक में परमाणु को एक तरह के बेहद सटीक टाइमर की तरह इस्तेमाल किया जाता है। सिंगापुर की घड़ी को ल्यूटेशियम नाम की एक दुर्लभ धातु के सिर्फ एक परमाणु की मदद से बनाई गई है। इसकी सटीकता इतनी ज्यादा है कि अगर इसे लगातार 260 अरब साल तक चलाया जाए, तब जाकर इसमें सिर्फ 1 सेकंड की गलती होगी।

इतनी सटीक क्यों है ये घड़ी?

सामान्य घड़ी में समय की थोड़ी-बहुत गलती हो सकती है। लेकिन वैज्ञानिक प्रयोगों में सेकंड का बहुत छोटा हिस्सा भी मायने रखता है। सिंगापुर की इस घड़ी की सटीकता करीब 2.6 *10-18 बताई गई है। आसान भाषा में इसका मतलब है कि अगर ऐसी घड़ी अरबों साल तक चले, तो उसके समय में करीब एक सेकंड का ही अंतर आ सकता है। यही वजह है कि इसे बेहद सटीक समय मापने वाली तकनीक माना जा रहा है।



कैसे काम करती है इतनी सटीक घड़ी?

आम घड़ियां समय मापने के लिए पेंडुलम या क्वार्ट्ज के कंपन का इस्तेमाल करती हैं। एटॉमिक क्लॉक इससे कहीं ज्यादा सटीक होती है। इसमें परमाणुओं के ऊर्जा स्तरों के बीच होने वाले बदलाव को बेहद स्थिर टिक की तरह इस्तेमाल किया जाता है। सिंगापुर की टीम ने स्ट्रॉन्शियम परमाणुओं पर आधारित ऑप्टिकल क्लॉक विकसित की है। इसमें लेजर की मदद से परमाणुओं को नियंत्रित किया जाता है और उनके ऊर्जा बदलाव को मापा जाता है।

जीपीएस और अंतरिक्ष में आएगी काम

आपके मोबाइल में गूगल मैप्स या कोई दूसरा नेविगेशन सिस्टम सही जगह दिखाता है। इसके पीछे सैटेलाइट और बेहद सटीक समय का बड़ा रोल होता है। समय की गणना में बहुत छोटी गलती भी दूरी और लोकेशन की गणना को प्रभावित कर सकती है।

सऊदी अरब के मदीना में हूतियों का हमला, पैगंबर की मस्जिद का पावर स्टेशन निशाने पर

हिंदमाता नेटवर्क @ तेल अवीव

सऊदी-नेतृत्व वाले गठबंधन ने दावा किया है कि हूती विद्रोहियों ने गुरुवार को इस्लाम के सबसे पवित्र स्थलों में से एक मदीना में पावर स्टेशन पर हमला किया है। इस हमले में वहां मौजूद एक ट्रांसफॉर्मर तहस-नहस हो गया है। इस पावर स्टेशन से पैगंबर की मस्जिद को बिजली सप्लाई की जाती है। इस मस्जिद को मस्जिद-ए-नबवी कहा जाता है। इस हमले से ट्रांसफॉर्मर तो खराब हुआ, लेकिन बिजली नेटवर्क पर कोई असर नहीं पड़ा है। हूतियों द्वारा संचालित सबा समाचार एजेंसी के अनुसार, हूतियों ने हमले को अंजाम देने से इनकार किया और कहा कि सऊदी का दावा झूठ है। हूतियों की ओर से कहा गया है कि यह दावा सऊदी की उस नाकामी को छिपाने के लिए किया गया था, जिसमें वह अपने पहले के उन दावों को साबित नहीं कर पाया था। इससे पहले सऊदी अरब ने मक्का पर भी ड्रोन से हमले का दावा किया था, लेकिन हूतियों ने इससे भी इनकार किया था। गठबंधन के आरोपों के कुछ घंटों बाद हूतियों ने यमन की राजधानी सना और यमन के दूसरे हिस्सों पर सऊदी हमलों की खबर दी। हालांकि, सऊदी अरब की तरफ से इन खबरों की तुरंत पुष्टि नहीं की गई। लेकिन अरब न्यूज के अनुसार, सऊदी समर्थित यमन की सेना के प्रवक्ता ने शुक्रवार को कहा कि वायु सेना के लड़ाकू विमानों ने पिछले तीन घंटों में 20 सटीक हवाई हमले किए। इन हमलों में



ताइज प्रांत में हूतियों की गतिविधियों, अतिरिक्त सैनिकों, जमावड़ों, लड़ाकों, गाड़ियों और सैन्य उपकरणों को निशाना बनाया गया। प्रवक्ता ने एक्स प्लेटफॉर्म पर एक पोस्ट में कहा, "इन हमलों में दुश्मन के ठिकानों पर सीधे प्रहार किए गए और मिलिशिया के लड़ाकों, उपकरणों और सैन्य गतिविधियों को नुकसान पहुंचाया गया।" यमन की सेना ने कहा कि उसने राजधानी सना में अहम ठिकानों पर हमले किए। ये हमले सऊदी अरब के मदीना में हूती मिलिशिया द्वारा पावर स्टेशन पर हमला करने की खबरों के कुछ ही घंटों बाद किए गए। अरब न्यूज ने अपनी एक रिपोर्ट में लिखा है कि ईरान के समर्थन वाले हूती विद्रोहियों ने पैगंबर की मस्जिद को बिजली सप्लाई करने वाले स्टेशन को निशाना बनाने के लिए ड्रोन का इस्तेमाल किया।

बांग्लादेश को पाकिस्तान ने दिया बड़ा झटका, बीच रास्ते में रोकी यूरेनियम की सप्लाई

हिंदमाता नेटवर्क @ ढाका

पाकिस्तान ने बांग्लादेश को बड़ा झटका दिया है। बीच रास्ते में इस्लामाबाद ने ढाका की यूरेनियम सप्लाई रोक दी है, जिससे रूपपुर के परमाणु ऊर्जा संचालन पर असर पड़ा है। बांग्लादेश में इसके कारण बिजली कटौती जमकर हो रही है। रूपपुर ऊर्जा केंद्र के जरिए बांग्लादेश में बिजली की सप्लाई की जाती है। इस ऊर्जा केंद्र की मॉनिटरिंग रूस करता है। बीबीसी उर्दू के मुताबिक पहले हवाई मार्ग से बांग्लादेश का यूरेनियम पाकिस्तान होकर जाता था। हाल के दिनों में इसे पाकिस्तान ने रोक दिया है। इसके कारण अब यूरेनियम की सप्लाई ठप हो गई है। पाकिस्तान विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता सज्जाद हैदर के मुताबिक यह मामला तकनीकी और प्रशासनिक प्रकृति का है, जो उड़ानों के मार्ग और हवाई क्षेत्र के उपयोग की अनुमति से संबंधित है।



बांग्लादेश को यूरेनियम की जरूरत क्यों?

बांग्लादेश के रूपपुर में एक परमाणु ऊर्जा केंद्र है। यहां पर रूस की मदद से बिजली तैयार की जाती है। इसके लिए बांग्लादेश को यूरेनियम की जरूरत होती है। बांग्लादेश मध्य एशिया और रूस जैसे देशों से यूरेनियम खरीदता है। यूरेनियम को लाने के लिए उसे पाकिस्तान की सीमा की जरूरत होती है। हाल के दिनों तक यूरेनियम की सप्लाई आसानी से हो रही थी, लेकिन अब पाकिस्तान ने इस पर बैरियर लगा दिया है।

हिंदमाता एंकर आंदोलन में अब तक 65 स्कूल कर्मचारी घायल हुए हैं, जिनमें 40 प्रिंसिपल शामिल हैं, सुरक्षा बलों ने 2000 प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया है

स्कूलों के गेट फूंक रहे फ्रांस के स्टूडेंट, 2000 उपद्रवी गिरफ्तार, मां-बाप से भरपाई करेगी सरकार

हिंदमाता नेटवर्क @ पेरिस

फ्रांस में छात्रों का हिंसक आंदोलन पिछले एक सप्ताह से जारी है। पेरिस क्षेत्र से शुरू हुआ यह आंदोलन अब पूरे देश में तेजी से फैल चुका है। प्रदर्शनकारी छात्र स्कूलों के गेट पर आगजनी कर पुलिस से भिड़ रहे हैं। हिंसा के कारण शुक्रवार को देश भर में लगभग 400 हाई स्कूल बंद रहे। आंदोलन में अब तक 65 स्कूल कर्मचारी घायल हुए हैं, जिनमें 40 प्रिंसिपल शामिल हैं। सुरक्षा बलों ने 2000 प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया है, जिनमें 90 प्रतिशत नाबालिग हैं।

छात्रों की मांगें और क्लासरूम में सुविधाओं का अभाव

प्रदर्शन कर रहे छात्रों का कहना है कि स्कूलों में पढ़ाई के घंटे अधिक हैं। क्लासरूम में भीषण गर्मी है और एसी जैसी बुनियादी सुविधाएं भी उपलब्ध नहीं हैं। छात्रों ने गंभीर शिकायत की है कि स्कूल शिक्षक व स्टाफ अक्सर कक्षाओं से अनुपस्थित रहते हैं। इन्हीं गंभीर समस्याओं के विरोध में छात्र मुख्य गेट ब्लॉक कर उग्र प्रदर्शन कर रहे हैं। स्कूलों को बंद कराने के लिए कई स्थानों पर मुख्य दरवाजों पर आगजनी की गई है। पुलिस से हिंसक झड़प के कारण कई इलाकों में तनाव बना हुआ है। उग्र आंदोलन को देखते हुए प्रशासन को कड़े सुरक्षा कदम उठाने पड़ रहे हैं। दक्षिणी शहर मार्सिले में कई स्कूलों ने ऑनलाइन क्लासेस चलाने की योजना बनाई है।



शिक्षा मंत्री का बयान और हिंसक गुटों पर आरोप

शिक्षा मंत्री एडुआर्ड गेप्ले ने कहा कि शिकायतें सही हो सकती हैं, पर हिंसा जायज नहीं। उन्होंने बीएफएमटीवी से कहा कि यह आंदोलन बेहद हिंसक गुटों के कब्जे में है। गेप्ले के अनुसार, देश के 3700 हाई स्कूलों में से लगभग 400 स्कूल शुक्रवार को बंद रहे। उन्होंने बताया कि आंदोलन की शुरूआत से अब तक 65 स्टाफ मेंबर घायल हो चुके हैं। घायलों में 40 हाई स्कूल प्रिंसिपल शामिल हैं। शिक्षा मंत्री ने अभिभावकों से अपील की कि वे अपने बच्चों को प्रदर्शन में न जाने दें। उन्होंने कहा कि सबसे जरूरी बात यह है कि बच्चे सड़कों पर न रहें क्योंकि वे खतरे में हैं। प्रशासन स्थिति सामान्य बनाने और हिंसा रोकने के लिए लगातार प्रयास कर रहा है।

माता-पिता से हजार्ना वसूलने का सरकारी आदेश

न्याय मंत्री गेराल्ड डारमानिन ने वकीलों को हिंसा पर कड़ा आदेश दिया है। उन्होंने कहा कि बच्चों द्वारा किए गए नुकसान की जवाबदेही माता-पिता पर तय होगी। सरकारी संपत्ति व स्कूलों के नुकसान की मरम्मत का खर्च माता-पिता से वसूला जाएगा। डारमानिन ने आरटीएल को बताया कि अब तक 2000 लोगों को हिरासत में लिया गया है। हिरासत में लिए गए कुल लोगों में से लगभग 90 प्रतिशत लोग नाबालिग छात्र हैं। न्याय मंत्रालय के इस फैसले से उपद्रव करने वाले छात्रों के परिवारों पर शिकंजा कसेगा। प्रशासन का मानना है कि वित्तीय जवाबदेही तय होने से हिंसक घटनाओं पर रोक लगेगी। पूरे फ्रांस में सुरक्षा बढ़ा दी गई है ताकि दोबारा आगजनी न हो सके।

बिजनेस वर्ल्ड

एसोचैम बिजनेस कॉन्फिडेंस इंडेक्स का ट्रायल लॉन्च

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

उद्योग संगठन एसोचैम ने 'एसोचैम बिजनेस कॉन्फिडेंस इंडेक्स' का ट्रायल लॉन्च किया है। यह 20 प्रमुख संकेतकों को मिलाकर तैयार किया गया एक समग्र सूचकांक है। इसमें जीएसटी संग्रह, यात्री वाहन बिक्री, सेंसेक्स, भारत कंपोजिट पर्चेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स (पीएमआई), निर्यात, औद्योगिक उत्पादन सूचकांक, कोर इंडस्ट्रीज सूचकांक, उपभोक्ता मूल्य सूचकांक, बैंक क्रेडिट, डिजिटल भुगतान (वॉल्यूम), थोक मूल्य सूचकांक, विदेशी मुद्रा भंडार, सकल प्रत्यक्ष विदेशी निवेश, विनिमय दर, रेपो रेट, वास्तविक जीडीपी वृद्धि दर, बेरोजगारी दर (प्रतिशत), चालू खाता घाटा (जीडीपी का प्रतिशत), राजकोषीय घाटा (जीडीपी का प्रतिशत) और आर्थिक सुधारों के प्रभावों पर आधारित फीडबैक इंडेक्स शामिल हैं।यह सूचकांक मजबूत सांख्यिकीय विश्लेषण और सभी संकेतकों के भारांश पर आधारित है। इसका आधार सूचकांक 100 रखा गया है। वित्त वर्ष 2026-27 की अप्रैल-सितंबर अवधि में एबीसी इंडेक्स की गति 5.6 प्रतिशत साल-दर-साल पर स्थिर रही। इससे पहले एबीसी इंडेक्स में वर्ष 2024-25 में 7.5 प्रतिशत और वर्ष 2025-26 में 9.9 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई थी।उद्योग संगठन एसोचैम का कहना है कि उद्योग जगत और विश्लेषकों से मिलने वाले सुझावों के साथ इस सूचकांक को और अधिक सुदृढ़ बनाया जाएगा। यह इंडेक्स अक्टूबर, नवंबर और दिसंबर 2026 में महीने के अंतिम कार्य दिवस पर मासिक आंकड़े प्रदान करेगा, जबकि जनवरी 2027 से इसे पाक्षिक यानी हर 15 दिन में जारी किया जाएगा।एसोचैम के अध्यक्ष श्री निर्मल कुमार मिंडा ने कहा, "एबीसी इंडेक्स भारत की आर्थिक स्थिति को दर्शाने वाला एक एकीकृत सूचकांक है, जो 20 प्रमुख संकेतकों को एक साथ लाकर यह ट्रैक करता है कि आर्थिक परिस्थितियां सुधर रही हैं, कमजोर हो रही हैं या स्थिर हैं। यह इंडेक्स व्यवसायों, नीति निर्माताओं और निवेशकों को उभरते आर्थिक परिदृश्य का एक व्यापक दृष्टिकोण प्रदान करेगा और अधिक सटीक निर्णय लेने में मदद करेगा।"एसोचैम के महासचिव श्री सौरभ सान्याल ने कहा, "एबीसी इंडेक्स मुख्य संकेतकों के आधार पर व्यावसायिक गति और उभरते रुझानों का आकलन करता है। यह उद्योग जगत और नीति निर्माताओं को बदलती परिस्थितियों के अनुसार योजना बनाने और सूचित निर्णय लेने में सक्षम बनाता है।"एसोचैम के मुख्य अर्थशास्त्री डॉ. एस. पी. शर्मा ने कहा, "एबीसी इंडेक्स को प्रमुख संकेतकों के उतार-चढ़ाव को एकीकृत करके आर्थिक गति का एक समेकित दृष्टिकोण प्रदान करने के लिए विकसित किया गया है।

सितंबर में नहीं घटे यूपीआई ट्रांजैक्शन, एक दिन के अंतर का खेल

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली



सितंबर महीने के यूपीआई डेटा को लेकर बीते कुछ दिनों से सोशल मीडिया से लेकर कई मीडिया चैनलों पर एक खबर तेजी से चल रही है। दावा किया जा रहा है कि अगस्त के मुकाबले सितंबर में यूपीआई ट्रांजैक्शन के वॉल्यूम में 1.8 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। कुछ रिपोर्ट्स के हवाले से कहा जा रहा है कि अगस्त के पीक के बाद सितंबर में लेनदेन गिरकर 24.07 बिलियन रह गए हैं। प्रथम दृष्टया आंकड़े देखकर ऐसा ही लगता है, लेकिन जब आप नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) के डेटा का गहराई से विश्लेषण करेंगे, तो सच्चाई बिल्कुल उलट नजर आएगी।असल में यूपीआई के इस्तेमाल में कोई गिरावट नहीं आई है। डेटा में जो कमी दिख रही है, वो महज महीने के दिनों के अंतर का नतीजा है। अगस्त महीने में 31 दिन होते हैं, जबकि सितंबर में केवल 30 दिन होते हैं। इसी एक दिन के अंतर ने कुल आंकड़ों के गणित को बदल दिया है।अगर हम एनपीसीआई के आंकड़ों को ध्यान से देखें, तो अगस्त में कुल 24.51 बिलियन ट्रांजैक्शन हुए थे। चूंकि अगस्त में 31 दिन होते हैं, इसलिए हर दिन औसतन 791 मिलियन लेनदेन हुए। वहीं, सितंबर महीने में कुल ट्रांजैक्शन 24.07 बिलियन रहे। सितंबर में 30 दिन होते हैं। अगर हम 24.07 बिलियन को 30 से भाग दें, तो दैनिक औसत 802 मिलियन निकलकर आता है। यानी, अगस्त में रोजाना जहां 791 मिलियन यूपीआई पेमेंट हो रहे थे, वहीं सितंबर में ये आंकड़ा बढ़कर 802 मिलियन हो गया। इसी तरह ट्रांजैक्शन की वैल्यू में भी इजाफा हुआ है।

जी20 की व्यापार वार्ता में मामूली प्रगति, कुछ मुद्दों को लेकर तनाव बरकरार

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली



जी20 देशों के व्यापार मंत्रियों ने गुरुवार को बाजारों में जरूरत से ज्यादा उत्पादन और कम कीमत वाले सामान की भरमार को रोकने के मुद्दे पर कोई समझौता नहीं किया। अमेरिकी प्रशासन का कहना है कि इससे अमेरिकी मैन्यूफैक्चरर्स को नुकसान हो रहा है। मीटिंग से बाहर निकलते हुए अमेरिका के व्यापार प्रतिनिधि जैमीसन ग्रीर ने कहा कि जरूरत से ज्यादा उत्पाद की समस्या पर आम सहमति नहीं बनने के बावजूद बातचीत रचनात्मक रही। ग्रीर ने कहा, "लगभग सभी देशों ने माना कि ये एक ऐसा मुद्दा है जिस पर कार्रवाई की जरूरत है। साथ ही इस समस्या से निपटने के लिए व्यापार में सुधारात्मक उपायों और जवाब देने की हमारी मौजूदा व्यवस्था पर्याप्त नहीं है।" अमेरिका ने व्यापारिक साझेदारों पर मांग से ज्यादा मात्रा में कई तरह के सामान का उत्पादन करने का आरोप लगाया है।

महाराष्ट्र में 2.6 लाख करोड़ रुपए के प्रोजेक्ट्स पर काम कर रहा अदाणी ग्रुप

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई



अडाणी एंटरप्राइजेज के डायरेक्टर प्रणव अडाणी ने कहा है कि अडाणी ग्रुप महाराष्ट्र में 2.6 लाख करोड़ रुपये के प्रोजेक्ट्स को पूरा कर चुका है या उन पर काम जारी है। ग्रुप ने राज्य में कुल मिलाकर एनर्जी, एविएशन, अर्बन रीडेवलपमेंट, डेटा सेंटर और कोल गैसीफिकेशन समेत अलग-अलग सेक्टरों में 6 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा के निवेश की प्रतिबद्धता जताई है।महाराष्ट्र की इंवेस्टमेंट प्रोमोशन यूनिट 'इन्वेस्ट महाराष्ट्र' की शुरूआत के मौके पर अडाणी ने गुरुवार को कहा कि ग्रुप का इंवेस्टमेंट ब्लूप्रिंट दावोस में वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम में की गई प्रतिबद्धताओं और महाराष्ट्र सरकार के साथ साझेदारी के जरिए तैयार किया गया था। प्रणव अडाणी ने कहा, "दावोस में वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम और राज्य के साथ साझेदारी के माध्यम से अडाणी ग्रुप ने एनर्जी, एविएशन और एयरो-डिस्ट्रिक्ट्स, अर्बन रीडेवलपमेंट, डेटा सेंटर और कोल गैसीफिकेशन जैसे महत्वपूर्ण और उभरते हुए सेक्टरों में 6 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा के निवेश की प्रतिबद्धता जताई है। इनमें से 2.6 लाख करोड़ रुपये के प्रोजेक्ट्स पहले ही पूरे हो चुके हैं या उन पर काम चल रहा है।"अडाणी ने कहा कि ये निवेश ऐसे समय में हो रहे हैं जब महाराष्ट्र 2030 तक 1000 अरब (1 ट्रिलियन) डॉलर की इकोनॉमी बनने का लक्ष्य लेकर चल रहा है, जिसमें मुंबई महानगर क्षेत्र की केंद्रीय भूमिका निभाने की उम्मीद है। उन्होंने कहा, "महाराष्ट्र के साथ हमारी साझेदारी कई दशकों पुरानी है, लेकिन हाल में की गई हमारी प्रतिबद्धताएं इसके स्वरूप, विस्तार और दृढ़ता के लिहाज से एक नई ऊंचाई को दर्शाती हैं। ये ऐसे समय में हुआ है जब राज्य का 2030 तक एक हजार अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने का लक्ष्य है और इस लक्ष्य को हासिल करने में मुंबई महानगर क्षेत्र की महत्वपूर्ण भूमिका होगी।"प्रणव अडाणी ने कहा कि राज्य में ग्रुप के एयरपोर्ट और पावर बिजनेस का जिक्र भी किया, जिसमें छत्रपति शिवाजी महाराज इंटरनेशनल एयरपोर्ट का मैनेजमेंट और नवी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट का डेवलपमेंट शामिल है।

राजस्थान में तेल का उत्पादन दोगुना करेगी वेदांता कंपनी, 200 मिलियन डॉलर निवेश की तैयारी

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली



देश में कच्चे तेल की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए वेदांता ऑयल एंड गैस ने एक बड़ा प्लान तैयार किया है। कंपनी राजस्थान में अपने पुराने तेल क्षेत्रों में 200 मिलियन डॉलर यानी करीब 2000 करोड़ रुपये का निवेश करने जा रही है। ये निवेश साल 2026-27 के दौरान किया जाएगा। वेदांता को पहले केयर्न इंडिया के नाम से जाना जाता था। कंपनी की योजना उत्तरी राजस्थान के मंगला, भाग्यम समेत ऐश्वर्या फील्ड्स में काम तेज करने की है। दरअसल पुराने कुओं में समय के साथ तेल का उत्पादन कम होने लगता है। इसी गिरावट को थामने के लिए कंपनी भारी निवेश कर रही है। इसके साथ ही कंपनी नॉर्थईस्ट इलाके को गैस उत्पादन के एक नए हब के रूप में भी विकसित कर रही है। कंपनी का सबसे ज्यादा फोकस राजस्थान के मंगला फील्ड पर है। साल 2004 में इसकी खोज हुई थी। इस खोज ने बाड़मेर को भारत का सबसे बड़ा ऑनशोर यानी जमीन पर मौजूद तेल उत्पादक क्षेत्र बना दिया था। इस समय मंगला फील्ड से रोजाना करीब 80,000 बैरल तेल निकाला जा रहा है। वेदांता का लक्ष्य इसे बढ़ाकर 1,50,000 बैरल प्रतिदिन से ज्यादा करने का है। इसके लिए पॉलीमर फ्लडिंग समेत कुओं को बेहतर बनाने के कई नए उपाय किए जा रहे हैं। इन आधुनिक तरीकों से कंपनी को उम्मीद है कि कच्चे तेल के उत्पादन में भारी उछाल आएगा।

दैनिक ठाणे, शनिवार 3 अक्टूबर, 2026
हिंदमाता मिरर
पैनी नजर, पुख्ता खबर

लवलीना ने बॉक्सिंग में जीता गोल्ड



एशियन गेम्स में भारत की झोली में एक और गोल्ड मेडल आ चुका है। बॉक्सिंग में लवलीना बोरगोहेन ने अपने बर्थडे के दिन यह गोल्ड अपने नाम किया है। शुक्रवार को चीन के खिलाफ फाइनल में लवलीना ने बेहतरीन प्रदर्शन कर जीत हासिल की और भारत के लिए सुनहरा मेडल अपने नाम किया। ओलंपिक मेडलिस्ट लवलीना बोरगोहेन ने शुक्रवार को एशियन गेम्स में महिलाओं की बॉक्सिंग में चीन की बाओ जियी को हराकर भारत के लिए गोल्ड मेडल जीता। लवलीना ने 75 किग्रा कैटेगरी के फाइनल में बाओ को सर्वसम्मति से 5-0 के फैसले से हराया।

लवलीना ने 12 साल का सूखा खत्म किया

इस जीत के साथ, उन्होंने पिछले एशियन गेम्स में जीते सिल्वर मेडल को गोल्ड में बदल दिया। पिछली बार, वह फाइनल में एक और चीनी बॉक्सर, ली कियान से हार गई थीं। लवलीना बोरगोहेन एशियन गेम्स में बॉक्सिंग में गोल्ड मेडल जीतने वाली दूसरी भारतीय महिला बन गई हैं। आज यानी 2 अक्टूबर को लवलीना का जन्मदिन भी है। अपने जन्मदिन के दिन गोल्ड मेडल जीतना किसी भी खिलाड़ी के लिए सपने से कम नहीं होता।

मैरी कॉम ने जीता था गोल्ड

उनसे पहले, दिग्गज बॉक्सर एमसी मैरी कॉम ने 2014 इंचियोन एशियन गेम्स में 51 किग्रा फ्लाईवेट कैटेगरी में गोल्ड मेडल जीता था। भारतीय बॉक्सरों ने पिछले एशियन गेम्स की तुलना में अपने प्रदर्शन में सुधार किया है और अब तक छह मेडल जीते हैं। प्रिया घांघस (60 किग्रा), कपिल पोखरिया (90 किग्रा) और नरेंद्र बेरवाल (90 किग्रा से ज्यादा) ने ब्रॉन्ज मेडल जीते हैं। परवीन हुड्डा (65 किग्रा) और अंकुश पांघल (80 किग्रा) आज बाद में गोल्ड मेडल के मुकाबलों के लिए रिंग में उतरेंगे।

एशियन गेम्स में बॉक्सिंग में कितने मेडल आए

एशियन गेम्स में भारत का अब तक का सबसे अच्छा बॉक्सिंग प्रदर्शन 2010 ग्वांगझू खेलों में रहा था, जहां भारतीय दल ने कुल नौ मेडल जीते थे, जिनमें दो गोल्ड, तीन सिल्वर और चार ब्रॉन्ज मेडल शामिल थे। इस महाद्वीपीय इवेंट में भारतीय बॉक्सरों का यह शानदार प्रदर्शन पिछले महीने ग्लासगो में हुए कॉमनवेल्थ गेम्स में रेकॉर्ड-तोड़ प्रदर्शन के बाद आया है। लवलीना बोरगोहेन के गोल्ड के साथ ही भारत मेडल टैली में छठे स्थान पर पहुंच गया हैं। भारत की झोली में अब तक 12 गोल्ड, 24 सिल्वर और 34 ब्रॉन्ज मेडल दर्ज हो चुके है।

तीरंदाजी में भारतीय महिला टीम ने जीता गोल्ड



एशियन गेम्स 2026 में भारतीय महिला टीम ने आज यानी शुक्रवार 2 अक्टूबर को तीरंदाजी के फाइनल में साउथ कोरिया को हराकर गोल्ड मेडल अपने नाम कर लिया है। भारतीय महिला टीम ने रिकर्व के फाइनल में साउथ कोरिया को 5-3 से हराया। इस टीम में अंकिता भगत, कीर्ति और कुमकुम शामिल रही। भारत का मौजूदा सीजन के तीरंदाजी में ये चौथा गोल्ड मिला है। भारत ने अब तक एशियन गेम्स 2026 में 11वां गोल्ड मेडल जीत लिए हैं।

भारतीय महिला टीम की शानदार प्रदर्शन

आपको बता दें कि, भारत ने तीरंदाजी के फाइनल में साउथ कोरिया को हराकर गोल्ड मेडल जीता है। इस मुकाबले में अंकिता भगत, कीर्ति और कुमकुम मोहोद की तिकड़ी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए यह मुकाबला अपने नाम किया। 17 साल की कुमकुम मोहोद ने दबाव में बेहतरीन निशाने लगाए और अहम मौकों पर 10 अंक हासिल किए। अंकिता भगत ने भी अनुभव का इस्तेमाल करते हुए टीम को संभाला। कीर्ति पर दबाव दिखा, लेकिन बाकी दोनों तीरंदाजों ने इसकी भरपाई की।

आर्चरी में भारत का पहला गोल्ड मेडल

एशियन गेम्स में आर्चरी के इतिहास में भारत का किसी भी स्तर पर ये पहला ही गोल्ड मेडल है। हालांकि, इससे पहले भारत ने रिकर्व में 2 सिल्वर मेडल पुरुषों की कैटेगरी में जीते थे। मगर महिलाओं ने पहली बार न सिर्फ फाइनल में एंट्री की, बल्कि उसे जीतकर इतिहास रच दिया। टीम की अनुभवी तीरंदाज अंकिता के लिए ये मेडल इसलिए भी खास है क्योंकि वो 2022 गेम्स में ब्रॉन्ज मेडल जीतने वाली टीम का हिस्सा थीं।

साउथ कोरिया की हार किसी सदमें से कम नहीं

एशियन गेम्स 2026 में साउथ कोरिया का यह हार किसी सदमे से कम नहीं है क्योंकि रिकर्व उसका दबदबा सिर्फ एशियन गेम्स में ही नहीं बल्कि ओलंपिक गेम्स तक भी है। गौरतलब है कि, एशियन गेम्स में तो महिला तीरंदाजी में उन्हें आखिरी शिकस्त 1994 में मिली थी. उसके बाद 1998 से 2022 तक वो लगातार गोल्ड मेडलिस्ट ही रहे। इसने भारत के लिए ओलंपिक गेम्स 2028 में भी दमदार प्रदर्शन की उम्मीदों को जिंदा कर दिया है।

मुक्केबाज परवीन हुड्डा ने भारत को दिलाया 13वां गोल्ड



एशियन गेम्स 2026 में शुक्रवार को 13वें दिन भी भारत का शानदार प्रदर्शन का सिलसिला जारी है। भारत ने एशियन गेम्स में आज तीसरा गोल्ड मेडल पर जीत लिया है। यह मेडल मुक्केबाज परवीन हुड्डा ने महिलाओं की 65 Kg वेट कैटेगरी में दिलाया। परवीन से 2022 एशियाड का ब्रॉन्ज डोपिंग नियमों के कारण छीन लिया गया था। परवीन से पहले लवलीना बोरगोहेन ने अपने जन्मदिन पर 75 kg का गोल्ड जीता था। भारतीय महिला तीरंदाजी टीम ने भी रिकर्व में गोल्ड दिलाया। इन गोल्ड के सहारे भारत मेडल टैली के छठे स्थान पर आ गया है। उसके पास 13 गोल्ड सहित 73 मेडल हो गए हैं। वहीं, मुक्केबाजी में 5 मेडल आ चुके हैं। इनमें 3 ब्रॉन्ज भी शामिल हैं।

भारत की शानदार वापसी

स्टार महिला मुक्केबाज परवीन हुड्डा ने महिलाओं की 65 किलोग्राम वेट कैटेगरी के रोमांचक फाइनल मुकाबले में स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया है। दरअसल, परवीन के लिए यह मेडल बेहद भावुक करने वाला है, क्योंकि डोपिंग नियमों लोकेशन की जानकारी न देने के कारण उनसे 2022 एशियाड का ब्रॉन्ज मेडल छीन लिया गया था। विवादों को पीछे छोड़ते हुए उन्होंने इस बार गोल्ड जीतकर अपनी बादशाहत साबित की।

लवलीना बोरगोहेन का जन्मदिन पर स्वर्णिम तोहफा

मुक्केबाजी में परवीन से पहले स्टार मुक्केबाज लवलीना बोरगोहेन ने देश को गौरवान्वित किया है। लवलीना ने अपने जन्मदिन के खास मौके पर महिलाओं की 75 किलोग्राम कैटेगरी में दमदार खेल दिखाते हुए गोल्ड मेडल जीता।

तीरंदाजी में भी भारत का जलवा

मुक्केबाजी के अलावा भारतीय महिला तीरंदाजी टीम ने भी रिकर्व इवेंट में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए देश की झोली में एक और गोल्ड मेडल डाल दिया। इस तरह से मेडल टैली में भारत छठे स्थान पर पहुंच गया।

मेडल और पेरिस ओलंपिक का कोटा गंवाना पड़ा

गौरतलब है कि, मई 2024 में वर्ल्ड एंटी-डोपिंग एजेंसी ने 12 महीने के भीतर तीन बार अपनी लोकेशन की जानकारी न देने के कारण परवीन को 22 महीने के लिए निलंबित कर दिया था। इस निलंबन को बाद में 14 महीने बैकडेट (पीछे) से लागू किया गया। इसके परिणामस्वरूप उन्हें एशियन गेम्स 2022 का मेडल और पेरिस ओलंपिक का कोटा दोनों गंवाना पड़ा था, लेकिन आज की जीत ने उनके पुराने सारे दर्द धो दिए हैं।

आशा दीपिका ने जीता मिसेज यूनिटी वर्ल्ड 2026 का खिताब

बीते शनिवार को लखनऊ में मिसेज यूनिटी वर्ल्ड 2026 का फिनाले आयोजित किया गया था। इसमें आशा दीपिका अट्ठालुरी ने खिताब अपने नाम किया। यह खिताब जीतने के बाद वह हैदराबाद के शमशाबाद एयरपोर्ट पहुंचीं और वहां उन्होंने अपनी खुशी जाहिर की।

क्या बोलीं आशा दीपिका?

आशा दीपिका ने एएनआई से बात करते हुए कहा कि भारत ने यूनिटी पेजेंट जीता है, जिसका मतलब है कि मैं जीती, पूरा देश जीता। अब मैं मिसेज वर्ल्ड हूं और मैं पूरे देश, पूरी दुनिया का प्रतिनिधित्व कर रही हूं। मुझे तेलंगाना पर बहुत गर्व है, क्योंकि मैं तेलंगाना में ही पली-बढ़ी हूं। मैं एक तेलुगु लड़की हूं, इसलिए मैं बहुत खुश हूं कि मैं यह लाल ताज वापस ला पाई। आशा दीपिका ने आगे कहा कि इस ताज को बनाने में छह महीने लगे, यह रूस में बना है और हाथ से बनाया गया ताज है। मैं अभी गर्व के साथ भारत और दुनिया का प्रतिनिधित्व कर रही हूं। आशा दीपिका का उनके परिवार वालों और प्रशंसकों ने स्वागत किया।

आशा दीपिका की पोस्ट में लिखी थी ये बात

इससे पहले अपनी पोस्ट में आशा दीपिका ने खिताब जीतने का जश्न मनाते हुए लिखा कि हां दुनिया, हमने इतिहास रच दिया। ताज का सपना देखने से लेकर आखिरकार उसे पहनने तक... यह पल एक खूबसूरत याद दिलाता है कि देर रात तक जागना, हर रिहर्सल, हर चुनौती और हर छोटे कदम की मेहनत रंग लाई। सपनों, मकसद, कड़ी मेहनत और अनगिनत यादों से भरा यह सफर आखिरकार इस यादगार पल तक पहुंचा है- मिसेज यूनिटी वर्ल्ड 2026।

कौन हैं आशा दीपिका?

38 साल की आशा एक विजनरी, उद्यमी, टेक्नोलॉजिस्ट और समाजसेवी हैं। उनका जन्म आंध्र प्रदेश में हुआ और उनकी परवरिश हैदराबाद, तेलंगाना में हुई। फिलहाल वह अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को में रहती हैं। आशा ने 'इन्फॉर्मेशन सिस्टम में मास्टर डिग्री' और 'कंप्यूटर साइंस में बैचलर डिग्री' हासिल की है। अपने सफर में वह तकनीक, उद्देश्य और समाज के लिए काम करने को साथ लेकर चलती हैं।



अब हनुमान अंश तेलुगु होगी रिलीज

फिल्म 'हनुमान अंश' 7 अगस्त को रिलीज हुई थी। मामूली से बजट में बनी इस फिल्म ने चौंकाने वाला बॉक्स ऑफिस प्रदर्शन किया है। भारत के बाद इसे विदेशों में रिलीज किया गया। फिल्म का वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस 400 करोड़ रुपए हो चुका है। अभी इस आंकड़े में और इजाफा होने की पूरी संभावना है, क्योंकि अब यह फिल्म साउथ में रिलीज हो रही है।

कब दस्तक देगी फिल्म?

फिल्म 'हनुमान अंश' हिंदी पट्टी के बाद अब तेलुगु भाषा में दस्तक देने को तैयार है। आज शुक्रवार को होम्बले फिल्म्स ने सोशल मीडिया पोस्ट पर रिलीज डेट का एलान किया है। यह फिल्म 09 अक्टूबर को तेलुगु में सिनेमाघरों में दस्तक देगी। कैप्शन लिखा है कि फिल्म 'हनुमान अंश' अब तेलुगु दर्शकों के लिए आ रही है।

होम्बले फिल्म्स ने संभाला जिम्मा

फिल्म 'हनुमान अंश' की तेलुगु रिलीज को लेकर अनिश्चितता बनी हुई थी। इस फिल्म के तेलुगु वर्जन को पहले 18 सितंबर को रिलीज किया जाना था। मगर, ऐसा हो नहीं पाया। पहले उम्मीद थी कि त्रिविक्रम श्रीनिवास अपने 'फॉर्च्यून फोर सिनेमाज' बैनर के तहत तेलुगु वर्जन पेश करेंगे। हालांकि, फिल्ममेकर के करीबी एक सूत्र के मुताबिक, 'हनुमान अंश' टीम के साथ डील टूटने के बाद वे रिलीज से अलग हो गए। हैदराबाद में 15 सितंबर को होने वाला तेलुगु टीजर लॉन्च इवेंट भी आखिरी समय पर रद्द कर दिया गया। सूत्रों ने पुष्टि की कि त्रिविक्रम अब तेलुगु रिलीज से नहीं जुड़े रहेंगे। अब होम्बले फिल्म्स तेलुगु रिलीज की जिम्मेदारी संभाल रही है।

भारत ने महिला हॉकी में जीता गोल्ड



भारत की महिला हॉकी टीम ने 2026 एशियन गेम्स में इतिहास रच दिया है। टीम इंडिया ने फाइनल में चीन को 1-0 से हराकर गोल्ड मेडल अपने नाम किया। इसके साथ ही भारतीय महिला हॉकी टीम ने 2028 ओलंपिक के लिए भी क्वालीफाई कर लिया है। 1982 के बाद पहली बार भारतीय महिला हॉकी टीम ने एशियन गेम्स में गोल्ड मेडल जीता है। भारतीय महिला हॉकी टीम ने आखिरी बार एशियन गेम्स में गोल्ड मेडल साल 1982 में जीता था। वहीं, 1998 में टीम ने सिल्वर और 2018 में भी फाइनल तक का सफर तय किया था।

ओलंपिक 2028 के लिए किया क्वालीफाई

टीम का प्रदर्शन पूरे टूर्नामेंट में शानदार रहा। गोल्ड जीतने के साथ ही भारतीय टीम ने लॉस एंजिल्स में होने वाले ओलंपिक 2028 के लिए भी डायरेक्ट क्वालीफाई कर लिया है। फाइनल मैच में भारतीय टीम ने शुरुआत से ही चीन पर दबाव बनाने का प्रयास किया। भारतीय टीम लगातार अटैक करती नजर आई, जिसका फायदा भी मिला। मैच के छठे मिनट में बलजीत कौर को ग्रीन कार्ड मिला, लेकिन 10वें मिनट में अपना 200वां इंटरनेशनल मैच खेलने उतरीं लालरेम्सियामी ने बेहतरीन गोल दागते हुए भारत को 1-0 की बढ़त दिला दी। भारतीय टीम को इसके बाद अपनी बढ़त दोगुनी करने का सुनहरा मौका मिला, लेकिन पेनल्टी कॉर्नर को टीम गोल में तब्दील नहीं कर सकी। हालांकि, मजबूत डिफेंस के बूते भारतीय टीम पहले क्वार्टर में अपनी बढ़त को बनाए रखने में सफल रही।

चीन को बराबरी करने से रोका

दूसरे क्वार्टर में चीन ने वापसी करने की कोशिश की और आक्रामक खेल दिखाया। चीन को जल्द ही पेनल्टी स्ट्रोक मिला, लेकिन सविता पूनिया ने दमदार बचाव करते हुए चीन को बराबरी करने से रोक दिया। हालांकि, इसके बावजूद चीन का आक्रामक खेल लगातार जारी रहा, लेकिन वह भारतीय टीम के मजबूत डिफेंस को नहीं भेद सके।

चीन को गोल करने का कोई मौका नहीं मिला

तीसरे और चौथे क्वार्टर में भी भारतीय टीम के डिफेंस ने लगातार शानदार प्रदर्शन किया और चीन को गोल करने का कोई मौका नहीं दिया। तीसरे क्वार्टर में कप्तान सलीमा टेटे के चोटिल होने के बावजूद, भारतीय टीम ने चीन को हावी होने का मौका नहीं दिया। चौथे क्वार्टर में सलीमा मैदान पर वापस लौटीं और उनकी अगुवाई में टीम अपने दबदबे को कायम रखते हुए गोल्ड मेडल जीतने में सफल रहीं।

टेस्ट क्रिकेट का बदल गया प्रारूप, अब दिन में भी होगा पिंक-बॉल का इस्तेमाल

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (ICC) ने क्रिकेट खेल के नियमों में कई अहम बदलाओं का ऐलान कर दिया है। ये नए नियम 1 अक्टूबर या उसके बाद शुरू होने वाली सभी इंटरनेशनल सीरीज पर लागू होंगे, जिसका उद्देश्य समय की बबार्दी की समयस्या से निजात पाना, गेद के स्पेसिफिकेशन्स (मानक) को एक जैसा करना और क्षेत्ररक्षण से जुड़े कुछ पहलुओं को स्पष्ट करना है।

जानें किसपर लागू होंगे ये नियम?



क्रिकेट के बदले हुए नियमों के मुताबिक, सभी प्रारूप में पुरुषों और महिलाओं, दोनों पर ये नियम लागू होंगे। इस बीच ICC की पुरुष क्रिकेट समिति के अध्यक्ष सौरव गांगुली ने कहा कि ये बदलाव क्रिकेट की गेंदों, फील्डिंग से जुड़ी स्पष्टता और खेल की गति को बेहतर बनाने पर केंद्रित हैं। उन्होंने आगे कहा कि, इन बदलावों पर बहुत सोच-समझकर विचार किया गया है ताकि यह पक्का किया जा सके कि ये आधुनिक क्रिकेट की जरूरतों को पूरा करें।

टी-20 में ब्रेक का समय होगा निश्चित?

टी-20 इंटरनेशनल क्रिकेट में ICC के नियमों के अनुसार, अब तक 15 मिनट का तय ब्रेक होता है। ऐसे में अब अगर समय का नुकसान होता है, तो इसे घटाकर कम से कम 10 मिनट किया जा सकता है। वनडे और टी-20 अंतरराष्ट्रीय के खेलने के नियमों में भी कई बदलाव किया गया है।

एशियन एकेडमी अवॉर्ड्स में 'सूबेदार' का जलवा



सुरेश त्रिवेणी के निर्देशन में बनी फिल्म 'सूबेदार' 5 मार्च, 2026 को ओटीटी प्लेटफॉर्म प्राइम वीडियो पर रिलीज हुई थी। फिल्म को क्रिटिक्स और दर्शकों से मिली-जुली प्रतिक्रिया मिली थी। अब इस फिल्म ने एशियन एकेडमी क्रिएटिव अवॉर्ड्स में भारत के लिए बेस्ट फीचर फिल्म का अवॉर्ड जीता। सिर्फ इतना ही नहीं, फिल्म में अपनी भूमिका के लिए अभिनेता अनिल कपूर को बेस्ट एक्टर इन ए लीडिंग रोल कैटेगरी में नॉमिनेट भी किया गया है।

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक नरेश पी. बजाज द्वारा बैरक नंबर 887/27 सेक्शन 18, उल्हासनगर -421 003, जिला ठाणे से प्रकाशित व सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, आमीन इंडस्ट्रियल इस्टेट, सोनवाला क्रॉस रोड -2, जवाहरनगर के पास, फाटक पुल, गोरेगांव, मुंबई -63, (महाराष्ट्र) से मुद्रित।
दूरध्वनि: 0251- 3238100, **कार्यकारी संपादक:** पंजू बजाज (पी. आर. बी. एक्ट के तहत कंटेंट चयन के लिए जिम्मेदार) न्याय क्षेत्र ठाणे जिला। **hindmatamirror1@gmail.com** **RNI. NO. MAHHIN/2011/43060** **स्थानीय संपादक:** शिवप्रताप